अब हर
रोज दर्पण
3

जबलपुर शुक्रवार 18 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, सप्तमी

वर्ष 32 अंक 81 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 32.9°C
न्यूनतम तापमान 23.6°C
सूर्योदय - 5.58 | सूर्यास्त - 6.11

चंदिया के खेर माता मंदिर में मूक-बधिर वृद्ध ... 4

कृति खरबंदा के हिंदी सिनेमा में दस साल ... 7

राहगीरों से मारपीट करने वाले 2 आरोपियों को ... 9

दीये जलाने से फुर्सत मिले तो जमीन की हालत देखिए: राहुल

नई दिल्ली

मध्यप्रदेश के इंदौर आने से दो दिन पहले कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बालाघाट में आदिवासी बच्चों की मौत, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर मध्य प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की बीमारी, कुपोषण और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के बीच मौत हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद कार्रवाई सुस्त रही और सरकार सोती रही। राहुल गांधी ने कहा, मुख्यमंत्री जी, दीये जलाने और उत्सव मनाने से फुर्सत मिल गई हो तो जरा राज्य की जमीनी हालत भी देखिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीमारी, पोषण और साफ पानी की कमी तथा चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण छोटे बच्चों की जान जा रही है। उन्होंने मिलावटी दवाइयों और जहरीली अवैध शराब को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। राहुल ने कहा कि इन घटनाओं से सैकड़ों परिवार तबाह हो रहे हैं।

इंदौर में छात्रों से लेंगे फीडबैक

राहुल गांधी ने कहा कि वे इंदौर आ रहे हैं और लगातार प्रदेश के छात्रों, युवाओं और आम लोगों से फीडबैक ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामने आ रही घटनाएं मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति को भी उजागर कर रही हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था आज देशभर में सबसे ज्यादा बर्बाद है। उन्होंने कहा कि छात्र, बच्चे, गरीब, दलित, आदिवासी, पिछड़े और महिलाएं हर वर्ग परेशान है। इसके बाद राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश सरकार पर तीखा राजनीतिक आरोप लगाते हुए कहा, मध्यप्रदेश सरकार आज भारत की सबसे भ्रष्ट और सबसे कुशासित सरकार है, यही सच्चाई है।

कल इंदौर में 'छात्रों की गूंज'

राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान को लेकर छात्रों और युवाओं से अपनी समस्याएं साझा करने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि पूरे देश के हर छात्र की आवाज, उसका दर्द और उसकी राय सुनी जानी जरूरी है। उन्होंने छात्रों से पूछा है कि उन्हें अपने सपने पूरे करने से क्या रोक रहा है। छात्र वेबसाइट के जरिए अपनी समस्या और सुझाव भेज सकते हैं। राहुल ने वीडियो बनाकर भी अपनी बात पहुंचाने की अपील की है। राहुल गांधी ने बताया कि 19 सितंबर को वे इंदौर में छात्रों के बीच रहेंगे। उनका कहना है कि 'छात्रों की गूंज' के माध्यम से वे अलग-अलग शहरों में छात्रों से मिलकर उनकी चुनौतियां समझ रहे हैं। इंदौर के कार्यक्रम में भी छात्रों की समस्याओं और सुझावों को सामने लाने पर जोर रहेगा।

उधमपुर में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार रात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर यह कार्रवाई की। जिले के मजालता इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि मारे गए दोनों आतंकी पाकिस्तानी हैं। इनकी पहचान सद्दाम और मुस्तफा के रूप में हुई है। ये आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे। उनके पास से एक एके असॉल्ट राइफल, (4 मैगजीन के साथ), एम4 कार्बाइन (3 मैगजीन के साथ), एक ग्लॉक पिस्टल (2 मैगजीन के साथ) और 4 ग्रेनेड बरामद किए गए हैं।

मासूम बेटी के साथ मां ने खुद को जिंदा जलाया

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल में एक मां ने अपनी 15 महीने की बेटी के साथ पेट्रोल डालकर खुद को जिंदा जला लिया। आग लगने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को पाढर अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान पहले बेटी और फिर गुरुवार को मां की मौत हो गई। मामला मुलताई थाना क्षेत्र के वलनी गांव का है। मृतकों की पहचान 24 साल की संजना कपिल साहू और उसकी 15 महीने की बेटी इतिका के रूप में हुई है। संजना ने बुधवार दोपहर अपनी छोटी बहन को वाट्सऐप पर सुसाइड नोट भेजा था। उसने इसका स्टेटस भी लगाया था। सुसाइड नोट में उसने आरोप लगाया कि उसकी बुआ सास आए दिन पति-पत्नी के बीच झगड़ा करवाती थीं। सुसाइड नोट में संजना ने अपनी सास ललिता और बुआ सास पर परेशान करने का आरोप लगाया।

मुरैना में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

मुरैना। मुरैना में नेशनल हाईवे-44 पर नूराबाद थाना क्षेत्र में जेके टायर फैक्ट्री के पास दर्दनाक हादसे में बाइक सवार देवर-भाभी और दो बच्चों की मौत हो गई। चारों की मौके पर ही मौत हुई। नूराबाद थाना प्रभारी एसआई सौरभ पुरी के अनुसार, बाइक सवार ग्वालियर की तरफ से आ रहे थे। रास्ते में कचड़ा ढोने वाला एक रिक्शा खड़ा था। बाइक उससे टकरा गई। टक्कर के बाद देवर-भाभी और दो बच्चे सड़क पर गिर गए।

कांग्रेस विधायक को घसीटते ले गई पुलिस

रीवा। रीवा के अस्पताल में गर्भावस्था के दौरान मृत कल्पना मिश्रा के पिता को अनशन स्थल से हटाकर अस्पताल भेजे जाने के विरोध में गुरुवार दोपहर कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा सिरमौर चौराहे पहुंचे। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी वहां पहले से तैनात थे। विधायक और एसडीएम अनुराग तिवारी के बीच काफी देर तक बहस हुई। इसके बाद पुलिस अभय मिश्रा को घसीटते हुए ले गई और हिरासत में ले लिया।

मप्र में ग्रामीण आबादी को मिलेगा अपनी संपत्ति का अधिकार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

50 लाख निजी संपत्तियों की नि:शुल्क रजिस्ट्री अभियान का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामित्व योजना शुरू होने से ग्रामीण आबादी को उनका अधिकार मिलेगा। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के 23 हजार से अधिक गांवों में एक माह तक अभिलेखों की नि:शुल्क रजिस्ट्री कराने का अभियान चलाया जा रहा है। पैतृक और अपनी संपत्ति हर परिवार का सपना होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद नितिन नबीन की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना में निजी सम्पत्तियों की नि:शुल्क रजिस्ट्री दस्तावेज प्रदान करने के अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दुनिया को भारत की शक्ति से परिचित करवाया है। हाल ही में नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान दुनिया ने इसे महसूस किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों के कल्याण के लिए कई योजनाओं के माध्यम से लगातार काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्मदिवस है और भगवान विश्वकर्मा की भी जयंती है। भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि की रचना के साथ-साथ सभी प्रकार के छोटे काम करने वालों को स्वावलंबन की राह दिखलाई। राज्य सरकार छोटे कामगारों के साथ खड़ी है। हमारी सरकार ने लाड़ली बहनों के कल्याण के लिए 55 हजार करोड़ से अधिक राशि अब तक उनके खातों में अंतरित की है। माताओं-बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश समृद्ध हो रहा है। बहनों को रोजगार आधारित उद्योग में काम करने पर हर माह 5000 रुपए की प्रोत्साहन राशि का लाभ अलग से मिलेगा। हमारी सरकार उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही हैं, जहां भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम के चरण पड़े हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं राज्यसभा सांसद श्री नवीन ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को नि:शुल्क पंजीयन विलेख (रजिस्ट्री) प्रदान किए।

स्वामित्व योजना एक अनमोल उपहार: नबीन

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर स्वामित्व योजना के रूप में एक अनमोल उपहार दिया है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, धर्म संस्कृति और जनसेवा के लिए मजबूत नींव रखी थी। उन्होंने विधवा बहनों को संपत्ति का अधिकार और कानूनी सुरक्षा देने की पहल की थी। इसी से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामित्व योजना के माध्यम से गरीब के सपनों को जमीन पर उतारने का सराहनीय कार्य किया है। इस योजना की शुरुआत देवी अहिल्या की नगरी इंदौर से हो रही है। यह रजिस्ट्री केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीण आबादी को स्वाभिमान से जीने का अधिकार है। दशकों से गांवों के लोगों को अपनी जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में स्वामित्व योजना लागू की, जिसका सुखद परिणाम अब मध्यप्रदेश में देखने को मिल रहा है।

गरीबों के स्वर्णिम भविष्य की मुहर: देवड़ा

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को सुशासन और जनकल्याण के कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी पहली बार मध्यप्रदेश की धरती पर आए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी का पूरा जीवन सेवा, समर्पण और अंत्योदय को समर्पित रहा है, उन्होंने राजनीति को कभी सत्ता का साधन नहीं माना। इसी पावन भावना को आधार बनाकर मध्यप्रदेश सरकार स्वामित्व योजना का शुभारंभ कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि हर गरीब और जरूरतमंद के पास उसका पक्का मकान होना चाहिए। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 अभियान के पुनीत कार्य में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विशेष सेवाभाव और समर्पण शामिल रहा है। यह सिर्फ कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि गरीब के स्वाभिमान और उनके स्वर्णिम भविष्य की पक्की मुहर है।

तीन चरणों में पूरी होगी पंजीयन प्रक्रिया

योजना के अंतर्गत हितग्राहियों की संपत्ति के आधार पर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराने के लिए तैयार निजी अधिकार अभिलेखों का नि:शुल्क पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के बाद नागरिक गृह निर्माण, व्यवसाय, कृषि एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण प्राप्त कर सकेंगे। प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ग्राम एवं पंचायत स्तर पर तीन चरणों में विशेष शिविर आयोजित होंगे। प्रथम चरण 17 से 19 सितंबर, द्वितीय चरण 24 से 26 सितंबर और तृतीय चरण 1 से 3 अक्टूबर तक होगा। आवेदन के लिए आबादी भूखंड की लैंड लिंकिंग और समग्र आईडी से ई-केवाईसी अनिवार्य होगी। 'सारा' मोबाइल एप के माध्यम से निष्पादन और 'संपदा' एप पर विलेख (रजिस्ट्री) के पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पंजीयन पूर्ण होने के बाद विलेख हितग्राही के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

भारत पर बढ़ा दुनिया का भरोसा: प्रधानमंत्री

सेमीकॉन इंडिया में मोदी ने दिया फ्यूचर मंत्र

नई दिल्ली। सेमीकॉन इंडिया 2026 की शुरुआत हो चुकी है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। 3 दिवसीय कार्यक्रम 17 सितंबर से 19 सितंबर तक चलेगा। इस इवेंट में 52 देश की 300 से अधिक कंपनियां शामिल होने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन करते हुए कहा कि दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ता जा रहा है। कई रेटिंग एजेंसियों को भारत को अच्छी रेटिंग दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के लिए इतने कम समय में तरक्की करना आसान नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि हमारी यात्रा में बहुत सारे स्टेक होल्डर्स ने अहम जिम्मेदारी निभाई है। भारत में फैबलेस कंपनियों की ग्रोथ हो रही है। उन्होंने कहा कि एआई इकोसिस्टम को बेहतर करने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक और फायदा यूथ का मिलेगा, हमारे देश में इंजीनियरिंग का बहुत बड़ा पूल है। भारत हर साल लाखों की संख्या में इंजीनियर बना रहा है। भारत में चीफ डिजाइनिंग के लिए बहुत बड़े लेवल स्किलिंग का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार एक लाख छात्रों को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए ट्रेनिंग देने का लक्ष्य लेकर चल रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि जो युवा रिसर्च कर रहे हैं, वे आगे आएं। उन्होंने ने कहा कि भारत में इंडस्ट्री को भी फायदा मिलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने चुनौतियों का भी जिक्र किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि सेमीकंडक्टर के लिए एक बड़ा विषय एनर्जी सिक्योरिटी भी है। आने वाले दिनों में बिजली की मांग बढ़ेगी और भारत इसके लिए तैयार है और भारत पावर सेक्टर में बड़े स्तर पर इन्वेस्ट कर रहा है। भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर पर भी काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हर वो कदम उठा रहा है, जो उसको सेमीकंडक्टर का एक प्रीफर्ड डेस्टिनेशन बना रहा है।

6वीं के लिए अगले साल से लागू हो तीन-भाषा नीति: सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सीबीएसई से कहा कि वह 2027 से शुरू होने वाले अगले एकेडमिक सेशन से क्लास 6 के स्टूडेंट्स के लिए 3 भाषाएं (जिनमें दो भारतीय भाषाएं शामिल हों) पढ़ने की नीति को लागू करने पर विचार करे। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सीबीएसई की ओर से चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच को बताया कि वे इस सुझाव पर विचार करेंगे। हालांकि, सीबीएसई ने बेंच को सौंपे अपने नोट में कहा था कि तीन-भाषा वाले फ्रेमवर्क को लागू करने में अभी क्लास 6 में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को दी गई छूट को आगे बढ़ाना शायद मुमकिन न हो, क्योंकि इससे सीखने में गैप आ सकता है और नीति को लागू करने में देरी हो सकती है।

समुद्री चुनौतियों के लिए तैयार रहे तटरक्षक बल: संजय सेठ

नई दिल्ली (वार्ता)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भारतीय तटरक्षक बल से तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के साथ कदम मिलाते हुए उभरती समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया है। श्री सेठ ने गुरुवार को यहां तीन दिन के 43वें भारतीय तटरक्षक कमांडर सम्मेलन के पहले दिन अपने संबोधन में कहा कि तटरक्षक बल को नयी प्रौद्योगिकी का केवल इस्तेमाल ही नहीं करना चाहिए बल्कि उनके विकास में सहयोगी भी बनना चाहिए। उन्होंने तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि और तटरक्षक कमांडरों के साथ राष्ट्रीय और समुद्री सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। रक्षा राज्य मंत्री ने समुद्री हितों की रक्षा, तटीय सुरक्षा और समुद्र में संकट के समय त्वरित मदद के लिए तटरक्षक बल की सराहना की। उन्होंने कहा कि समुद्र में संकट के समय तटरक्षक बल राष्ट्रीयता की परवाह किये बिना लोगों की जान बचाने में पहली प्रतिक्रिया देने वाली एजेंसी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि युद्ध और सुरक्षा चुनौतियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में नेटवर्क, सेंसर, सॉफ्टवेयर, डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त प्रणालियों, साइबर क्षमता और अंतरिक्ष आधारित तकनीकों का महत्व बढ़ रहा है। उन्होंने तटरक्षक बल से स्टार्ट-अप, उद्योग, डीआरडीओ और शोध संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। श्री सेठ ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि इसका मतलब केवल भारतीय सामान खरीदना नहीं है, बल्कि भारतीय चुनौतियों के लिए समाधान विकसित करना और ऐसी क्षमताएं तैयार करना है, जो वैश्विक जरूरतों को पूरा कर सकें। उन्होंने इसे मेक इन इंडिया, मेक ऑफ वर्ल्ड की सोच से जोड़ा। उन्होंने मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में तटरक्षक बल की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समुद्री सुरक्षा के लिए विकसित क्षमताएं खोज और बचाव, चिकित्सा निकासी, आपदा प्रतिक्रिया और समुद्री प्रदूषण नियंत्रण में भी उपयोगी हैं।

मेघालय में दफ्तरों, पुलिस बूथ पर 4 बम हमले

शिलॉन्ग। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में 16 सितंबर की शाम से 17 सितंबर की सुबह तक सरकारी ऑफिस और पुलिस थानों पर चार बम हमले हुए। हमलों में पेट्रोल बमों का इस्तेमाल किया गया। किसी भी घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हमलों के बाद शहर में सरकारी और पुलिस परिसरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हमलावर कौन थे और हमले क्यों किए गए इसका अभी पता नहीं चला है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और दूसरे सबूतों की जांच कर रही है। गुरुवार तड़के उपद्रवियों ने लैतुमखरा इलाके में डायरेक्टोरेट ऑफ हेल्थ सर्विसेज कैंपस पर पेट्रोल बम फेंका। इससे परिसर में आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों की पहचान नहीं हो सकी है। इसी दौरान, अज्ञात उपद्रवियों ने तड़के नॉन्गमेंसॉन्ग इलाके के पुलिस बूथ में आग लगा दी। इन दोनों हमलों से कुछ घंटे पहले बुधवार रात लुमडिएंगजरी पुलिस थाने पर पेट्रोल बम फेंका गया था। बम पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी के कमरे के पिछले हिस्से में गिरा।

दवाओं की बिक्री पर बढ़ेगी निगरानी

बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी दवाएं, सीसीटीवी लगाना भी अनिवार्य

नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाओं की बिक्री पर सख्त निगरानी के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की रेगुलेटरी निगरानी को मजबूत करने के लिए ड्रग्स रूल्स, 1945 में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इस बदलाव के तहत देश भर के मेडिकल स्टोर्स पर सीसीटीवी निगरानी अनिवार्य करने की योजना है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में ड्राफ्ट गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य बिना डॉक्टर के पर्चे के प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर रोक लगाना और फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है। मंत्रालय के मुताबिक, शेड्यूल एच, एच1 और एक्स श्रेणी की दवाएं बेहद संवेदनशील हैं। इनमें एंटीबायोटिक्स, साइकोट्रॉपिक दवाएं, नशीली दवाओं वाले पेनकिलर और कई अन्य शक्तिशाली दवाएं शामिल हैं, जिनका गलत इस्तेमाल सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। अक्सर शिकायतें मिलती हैं कि मेडिकल स्टोर पर बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के इन दवाओं को बेच दिया जाता है। इसी चिंता को दूर करने के लिए सीसीटीवी को एक अतिरिक्त सुरक्षा उपाय के तौर पर लागू करने की सिफारिश की गई है। यह प्रस्ताव पहले ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीसीसी) के सामने रखा गया था, जहां इस पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके बाद इसे ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) के पास भेजा गया। डीटीएबी के सदस्यों ने सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी देने की सिफारिश की है।

सीसीटीवी कैमरे लगने से क्या होगा?

मंत्रालय का मानना है कि मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी कैमरे लगने से हर बिक्री का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। इससे यह पता लगाना आसान होगा कि कौन सी दवा किस पर्चे पर और किसे बेची गई। इससे अनधिकृत बिक्री पर प्रभावी रोक लगेगी और एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग और नशे के लिए दवाओं के इस्तेमाल जैसी समस्याओं पर काबू पाया जा सकेगा।

आम जनता कैसे दे सकती है सुझाव

सरकार ने इस ड्राफ्ट पर सभी हितधारकों, दवा व्यापारियों, फार्मासिस्ट संगठनों और आम जनता से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। अगर किसी को इस प्रस्ताव पर कोई सुझाव देना है, तो वह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पते पर लिखित रूप में भेज सकता है। इसके अलावा ईमेल के जरिए भी अपनी राय दी जा सकती है।

कालरी प्रबंधन की तानाशाही के खिलाफ कांग्रेस का एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी की विशेष उपस्थिति तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खैरहा के अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी एवं करकटी मंडलम अध्यक्ष प्रभात शुक्ला के नेतृत्व में राजेंद्रा यूजी माइंस में कालरी प्रबंधन की कथित मनमानी, ठेकेदारों द्वारा श्रमिकों के शोषण, सड़कों की बदहाल व्यवस्था, क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस द्वारा एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक एवं मंडलम कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा क्षेत्र के नागरिकों ने सहभागिता कर स्थानीय समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कालरी प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता और श्रमिक लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कोयला खनन से जुड़े क्षेत्रों में

कार्यरत श्रमिकों के हितों की अनदेखी, ठेका श्रमिकों के साथ कथित शोषण, स्थानीय युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलना तथा सड़कों की जर्जर स्थिति से आमजन को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने इन समस्याओं के निराकरण के लिए प्रबंधन से ठोस एवं समयबद्ध कार्यवाही की मांग की। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि कालरी क्षेत्र के विकास और श्रमिकों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी लगातार आवाज उठाती रही है। क्षेत्र के श्रमिकों, युवाओं और आम नागरिकों की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रबंधन को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाते हुए श्रमिकों के हितों की रक्षा, स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर, सड़कों की मरम्मत तथा क्षेत्रीय विकास कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने प्रबंधन को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेखित मांगों पर 15 दिवस के भीतर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर और अधिक आक्रामक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। धरना-प्रदर्शन के उपरांत कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर कालरी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में श्रमिक हितों की रक्षा, ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कथित शोषण की जांच एवं निराकरण, सड़कों की मरम्मत, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता तथा क्षेत्रीय विकास कार्यों को गति देने सहित अन्य मांगें शामिल रहीं। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ,प्रदेश कांग्रेस के सयुंक सचिव प्रदीप सिंह, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी, मंडलम अध्यक्ष प्रभात शुक्ला,नगर अध्यक्ष मो. साबिर ,हर्ष पाठक, जवाहर राव, पवन सोनी, रामकृष्ण चौरसिया, मंडलम अध्यक्ष बांकेबिहारी मिश्रा,मो. असफाक, वीरेंद्र सिंह, मो. अखूतर, बिहारीलाल साहू, फागुलाल, राहुल मिश्रा, अफताफ गोलू, वाशिम खान सोमू, हर्षित द्विवेदी, सचिन द्विवेदी, अनिल सोनी, एवं सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के साथीगण तथा क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत जिले में 6 स्थानों पर रक्तदान शिविर के साथ हुई

प्रभारी अपर मुख्य सचिव सचिन सिन्हा, सीएमएचओ एवं संतोष लोहानी सहित सैकड़ों लोगो ने जिला चिकित्सालय में किया रक्त दान

शहडोल (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत विभिन्न स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों के साथ हुई। अभियान के तहत जिले के 06 प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिसमें सैकड़ों लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता एवं सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर में प्रभारी अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सचिन सिन्हा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, संतोष लोहानी सहित सैकड़ों लोगो ने रक्तदान किया। सचिन सिन्हा ने जिला चिकित्सालय में पैरामेडिकल कॉलेज, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं से रक्तदान के लिए उपस्थित सैकड़ों लोगों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होने रक्तदान को मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए आमजन से भी स्वेच्छा से रक्तदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कलेक्टर पार्थ जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, जिला योजना समिति की सदस्य अमिता चपरा, सिविल सर्जन डॉ. सिल्पी सराफ ने प्रभारी अपर मुख्य सचिव सचिन सिन्हा, सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा, संतोष लोहानी सहित अन्य रक्तदाताओं को रक्तदान प्रमाण पत्र वितरित किए। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, सिविल अस्पताल ब्यौहारी, सिविल अस्पताल जयसिंहनगर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहपारू एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान-महादान है। रक्तदान केवल रक्त देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व भी है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीज को बचाने में महत्वपूर्ण है।

गड्ढों और कीचड़ से जूझ रही श्रीधाम कॉलोनी, मुख्य मार्ग पर सीसी रोड की मांग

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के सोहागपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोरतरा के वार्ड क्रमांक 05 स्थित श्रीधाम कॉलोनी का मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। लगातार बारिश के बाद सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ जमा होने से कॉलोनीवासियों का आवागमन मुश्किल हो गया है। हालात यह हैं कि एंबुलेंस, ऑटो और स्कूल वैन तक घरों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कॉलोनीवासियों के अनुसार, समस्या को लेकर पूर्व में 16 जून 2026 को ग्राम पंचायत को लिखित आवेदन दिया गया था। इसके बाद 20 जुलाई को एसडीएम को भी समस्या से अवगत कराया गया। प्रशासन के निर्देशन में ग्राम पंचायत द्वारा सड़क पर मुरुम एवं सीआरएम डलवाया गया, जिससे कुछ समय के लिए राहत मिली, लेकिन बारिश के बाद सड़क की स्थिति फिर खराब हो गई। कॉलोनी में करीब 100 मकान हैं। ग्राम पंचायत द्वारा गली नंबर 04 में सीसी रोड का निर्माण कराया जा चुका है, जबकि गली नंबर 03 में भी सीसी सड़क की आवश्यकता बताई गई है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि शिव मंदिर से होकर नीलकंठ विला के सामने से अंतिम छोर तक जाने वाला मार्ग कॉलोनी का मुख्य रास्ता है, इसलिए इसका पक्का निर्माण प्राथमिकता से कराया जाना चाहिए। सड़क की खराब स्थिति के कारण स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है, वहीं बीमार और बुजुर्ग लोगों को अस्पताल तक ले जाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनीवासियों ने सरपंच एवं सचिव से मुख्य मार्ग पर जल्द से जल्द सीसी रोड निर्माण कराने की मांग की है।

पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में एक माह तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान 2026 का शुभारंभ

शहडोल (स्वतंत्रमत)। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में सामाजिक सरोकार, सेवा भावना, अनुशासन एवं छात्र सहभागिता को समर्पित 'सेवा संकल्प अभियान 2026 का उत्साहपूर्वक शुभारंभ किया गया। यह महाभियान आगामी 17 अक्टूबर तक पूरे एक माह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न सेवा, जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर एवं कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा केवल किसी अभियान तक सीमित गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ भारतीय परंपरा और संस्कार है। विश्वविद्यालय का दायित्व केवल विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें संवेदनशील, जिम्मेदार और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने वाला नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' विद्यार्थियों में 'मैं' से 'हम' की भावना विकसित करने का माध्यम बनेगा। कुलगुरु ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने आसपास के समाज, पर्यावरण और जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। छोटे-छोटे सेवा कार्य भी समाज में

बड़ा सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पूरे एक माह तक चलने वाले इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सेवा को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि संकल्प तभी सार्थक होता है, जब वह निरंतर कर्म और अनुशासन में दिखाई दे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अध्यक्षों, विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों ने भी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। इनमें विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रवीण शर्मा, कला संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार शर्मा, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. मनीषा तिवारी तथा शहडोल परिसर की सह-परिसर प्रभारी डॉ. प्रज्ञा यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सम्मानित प्राध्यापकों एवं अधिकारियों में डॉ. बृजेंद्र पांडे, डॉ. संगीता मरावी, डॉ. धानी जामोद, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, प्रो. नीलिमा खरे एवं कैप्टन जी.एस. सांडया ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा अभियान के उद्देश्यों को सफल बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ज्ञात हो कि 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत आगामी एक माह में विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न रचनात्मक, सेवा-आधारित एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा भावना, अनुशासन, पर्यावरण चेतना, सहयोग एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, प्राध्यापकों एवं अधिकारियों ने सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने तथा अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के वातावरण के साथ 'सेवा संकल्प अभियान 2026' का शुभारंभ हुआ।

दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश में खनिज विभाग के अधिकारियों व्दारा अवैध परिवहन करने वालों के विरूध्द प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी डा विद्याकांत तिवारी के निर्देशन में खनिज अमले ने तहसील बांधवगढ़ अंतर्गत ग्राम भरौली के पास जांच की। जांच के दौरान दो ट्रैक्टर रेत का बिना अभिवहन पारपत्र एवं बिना ई-टीपी के परिवहन करते जब्त किया।

एनटीपीसी विंध्याचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अभियंता दिवस

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)।

एनटीपीसी कार्यपालक संघ, विंध्याचल द्वारा 15 सितंबर 2026 को उमंग भवन स्थित शहनाई हॉल में अभियंता दिवस समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। यह समारोह भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें इंजीनियरिंग क्षेत्र एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।

कार्यक्रम में ई. सत्य फणी कुमार, पूर्व क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (एनटीपीसी लिमिटेड) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा श्री मणिक्यन सुरेश,

महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) ने विशेष अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रबंधन के सदस्य भी उपस्थित रहे।

समारोह का प्रमुख आकर्षण उत्कृष्ट युवा अभियंता पुरस्कार रहा, जिसके अंतर्गत 10 युवा अभियंताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण एवं सराहनीय कार्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस सम्मान के माध्यम से युवा अभियंताओं की कार्यक्षमता, प्रतिबद्धता एवं संगठन के प्रति योगदान को प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अभियंताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत संगीतमय कार्यक्रमों ने समारोह में उत्साह और उमंग का संचार किया। मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थितजनों को आनंदित किया और कार्यक्रम को यादगार बना दिया। समारोह का समापन आपसी सौहार्द, सहयोग एवं मैत्रीपूर्ण वातावरण में हुआ। अभियंता दिवस का यह आयोजन विंध्याचल परिवार की प्रतिभा, उत्कृष्टता, एकजुटता एवं सामूहिक भावना का सुंदर प्रतिबिंब रहा।

मोटर व केबिल चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

सतना (स्वतंत्रमत)। सिटी कोतवाली पुलिस ने खेत से सिचाई की मोटर एवं केबिल तार चोरी के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।_ जिनके कब्जे से चोरी का सामान जप्त किया गया । उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौरव पाण्डेय के दिशा निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक हेमन्त शर्मा के नेतृत्व मे की गई। पुलिस ने इस मामले मे आरोपी हरिओम रावत पिता प्यारेलाल रावत उम्र 29 वर्ष निवासी अहरी टोला थाना सिटी कोतवाली सतना शिवम रावत पिता प्यारेलाल रावत उम्र 21 वर्ष निवासी अहरी टोला थाना सिटी कोतवाली सतना रामलखन आदिवासी पिता सुदामा कोल थाना नागौद जिला सतना को पकड़ा है जिनके कब्जे से मोटर व केबिल कीमती 60000रू की जप्त की है।

आदिवासी युवक की हत्या, कुएं में मिली लाश, क्षेत्र में तनाव

सतना (स्वतंत्रमत)। जिले के ताला थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक आदिवासी युवक की हत्या कर उसकी लाश को कुएं में फेंक दिया गया। देर रात कुएं से शव बरामद होने के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है। जानकारी के अनुसार मृतक युवक ताला थाना क्षेत्र का ही रहने वाला बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार युवक कल शाम से लापता था जिसकी तलाश की जा रही थी। सुबह ग्रामीणों ने कुएं में शव देखा जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची ताला पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर एकत्र हो गए। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। फिलहाल मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई है जिसे देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा हैए हालांकि हत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

इस मामले में एसडीओपी और ताला थाना प्रभारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों के बयान के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर

सतना (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान् के अंतर्गत जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सम्मिलित होकर रक्तदान किया। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को सेवा के संकल्प के रूप में मनाते हुए कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों के जीवन को बचाने की दिशा में अपना योगदान दिया। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह केवल रक्तदान नहीं बल्कि मानव सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संकल्प है। प्रधानमंत्री के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के मंत्र को आत्मसात करते हुए भाजपा कार्यकर्ता लगातार सेवा कार्यों में जुटे हैं। इस अवसर पर संभागीय प्रभारी विजय दुबे प्रदेश शासन की राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी जी सांसद गणेश सिंह महापौर योगेश ताम्रकार भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडेय कलेक्टर सतीश कुमार एस सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। शिविर में जिला अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने रक्तदान करने वाले कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य की जांच कर रक्त एकत्रित किया।

न्यायालय प्रेस और पुलिस की नेम प्लेट बनी तस्करों का नया हथियार

गाड़ियों में हो रही शराब और गांजे की तस्करी

सतना (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध नशे के कारोबार का तरीका अब पूरी तरह बदल चुका है। पहले तस्कर रात के अंधेरे में ट्रकों और बाइक से गांजा और शराब की तस्करी करते थे लेकिन अब उन्होंने पुलिस को चकमा देने के लिए सफेदपोश तरीका अपना लिया है। लग्जरी चार पहिया वाहनों में न्यायालय एमपी हाईकोर्ट प्रेस पुलिस भारत सरकार जैसी नेम प्लेट लगाकर खुलेआम अवैध शराब और गांजे की तस्करी की जा रही है। इसका मकसद एक ही है चेकिंग पॉइंट पर पुलिस को शक न हो और रौब के चलते गाड़ी को बिना तलाशी के जाने दिया जाए।

नागौद और जबलपुर की घटना ने खोली पोल

यह कोई आशंका नहीं बल्कि हकीकत है। पूर्व में सतना जिले के नागौद थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोका था। कार के आगे.पीछे बड़ी.बड़ी अक्षरों में न्यायालय लिखा हुआ था जिसे देखकर कोई भी यही समझेगा कि यह किसी जज या न्यायिक अधिकारी की गाड़ी है। लेकिन जब पुलिस ने हिम्मत दिखाकर गाड़ी की तलाशी ली तो अंदर से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस भी हैरान रह गई थी कि न्याय के नाम पर कैसे नशे का काला कारोबार किया जा रहा है।

इसी तरह का एक मामला जबलपुर में सामने आया है जहां एक कार पर एमपी हाईकोर्ट लिखा हुआ था। जिसमें गाड़ी नंबर नहीं था जबलपुर पुलिस ने उसे वीआईपी गाड़ी समझकर पहले तो नहीं रोका लेकिन एक वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर जब गाड़ी को रुकवाकर चेक किया गया तो डिक्की में गांजे की बड़ी खेप मिली।

हाईवे बना तस्करी का कॉरिडोर-स्थानीय सूत्रों की मानें तो सतना.रीवा सतना.मैहर

सतना.चित्रकूट और जबलपुर नेशनल हाईवे पर देर रात के समय ऐसी कई एसयूवी और सेडान कारें तेज रफ्तार से दौड़ती देखी जाती हैं जिनमें प्रेस पुलिस न्यायालय लिखा होता है। कई गाड़ियों में तो अवैध रूप से नीली बत्ती और हूटर भी लगा होता है। इन गाड़ियों में हवाई शराब अंग्रेजी शराब और ओडिशा से आने वाला गांजा सप्लाई किया जा रहा है। तस्करों को पता है कि हाईवे पर तैनात पुलिस प्रेस या न्यायालय लिखा देखकर आमतौर पर गाड़ी को हाथ नहीं देती। इसी का फायदा उठाकर यह रैकेट सक्रिय है। कई बार तो ये तस्कर खुद को जज का ड्राइवर या किसी बड़े मीडिया संस्थान का रिपोर्टर बताकर पुलिस पर रौब भी झाड़ते हैं।

क्या कहता है कानून

मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार किसी भी निजी वाहन पर न्यायालय हाईकोर्ट प्रेस पुलिस विधायक सांसद भारत सरकार जैसे पद सूचक शब्द लिखना पूरी तरह प्रतिबंधित है। प्रेस लिखी गाड़ी में भी संबंधित व्यक्ति के पास वैध पीआईबी कार्ड या अधिमान्यता कार्ड होना जरूरी है और पुलिस लिखी गाड़ी केवल विभागीय हो सकती है। इसके बावजूद शहर के कई प्रिंटिंग प्रेस और स्टिकर की दुकानों पर 100.200 रुपये में ऐसी नेम प्लेट खुलेआम बनाई जा रही हैं।

पुलिस से कार्रवाई की मांग

जनता और सामाजिक संगठनों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस नए ट्रेंड पर लगाम लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाए। हाईवे पर ऐसी सभी संदिग्ध गाड़ियों की सघन तलाशी ली जाए और फर्जी नेम प्लेट लगाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट के साथ.साथ धोखाधड़ी का मामला भी दर्ज किया जाए। यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं हुई तो न्यायालय जैसे सम्मानित संस्थान की आड़ में नशे का यह काला कारोबार और भी फ्ल.फूल सकता है।

कार से अवैध शराब का परिवहन करते गिरफ्तार

जिला आबकारी विभाग ने वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देश एवं मुखबिरी के आधार पर बचवई मोड़ के पास एक सफ़्द रंग की स्वीफ़्ट कार से 63 लीटर अवैध शराब व कार जप्त की। एवं आरोपी चालक दिपेन्द्र जायसवाल को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

व्यवसाय के लिए सही संगठन का चुनाव कैसे करें?

व्यवसाय शुरू करना केवल पूंजी लगाने और वस्तु या सेवा बेचने तक सीमित नहीं है। व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए यह तय करना भी जरूरी है कि उसका व्यावसायिक संगठन का स्वरूप क्या होगा। कक्षा 11वीं के व्यवसाय अध्ययन में एकल स्वामित्व, साझेदारी, संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय, सहकारी समिति और कंपनी प्रमुख व्यावसायिक संगठनों के रूप में पढ़े जाते हैं। इनमें से प्रत्येक की अपनी विशेषताएं, लाभ और सीमाएं हैं। इसलिए व्यवसाय की प्रकृति और आवश्यकता के अनुसार संगठन का चुनाव किया जाता है।

व्यवसाय का आकार सबसे पहले देखें

व्यवसाय छोटा है या बड़ा, इसका संगठन के चुनाव पर सीधा प्रभाव पड़ता है। छोटे स्तर के व्यवसाय जैसे किराना दुकान, छोटी मरम्मत की दुकान या व्यक्तिगत सेवा के लिए एकल स्वामित्व सुविधाजनक हो सकता है। इसमें एक व्यक्ति ही मालिक होता है और वही प्रमुख निर्णय लेता है। बड़े व्यवसाय में अधिक पूंजी और व्यापक प्रबंधन की जरूरत होती है, इसलिए कंपनी जैसे संगठन को प्राथमिकता दी जा सकती है।

पूंजी की आवश्यकता कितनी है?

व्यवसाय शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए कितनी पूंजी चाहिए, यह भी महत्वपूर्ण कारक है। एक व्यक्ति सीमित पूंजी से व्यवसाय शुरू कर सकता है तो एकल स्वामित्व उपयोगी है। यदि दो या अधिक व्यक्ति मिलकर पूंजी लगाना चाहते हैं तो साझेदारी का विकल्प अपनाया जा सकता है। बड़े व्यवसायों के लिए कंपनी के माध्यम से अपेक्षाकृत बड़े स्तर पर पूंजी जुटाने की व्यवस्था की जा सकती है।

जोखिम और दायित्व को समझें

हर व्यवसाय में जोखिम होता है। व्यवसाय का संगठन चुनते समय यह देखना जरूरी है कि नुकसान या ऋण की स्थिति में दायित्व किसका और कितना होगा। एकल स्वामित्व और सामान्य साझेदारी में दायित्व की प्रकृति महत्वपूर्ण होती है, जबकि कंपनी में सामान्यतः सदस्यों का दायित्व उनके शेयरों या निवेश की सीमा तक सीमित हो सकता है।

नियंत्रण किसके हाथ में रहेगा?

यदि मालिक व्यवसाय के सभी निर्णय स्वयं लेना चाहता है, तो एकल स्वामित्व उपयुक्त हो सकता है। साझेदारी में निर्णय साझेदारों के बीच लिए जाते हैं। कंपनी में स्वामित्व और प्रबंधन की व्यवस्था अधिक औपचारिक होती है। इसलिए व्यवसायी को यह तय करना चाहिए कि उसे व्यक्तिगत नियंत्रण चाहिए या सामूहिक/व्यावसायिक प्रबंधन।

व्यवसाय का उद्देश्य भी महत्वपूर्ण

सभी व्यवसायों का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं होता। यदि किसी संगठन का उद्देश्य सदस्यों के सामूहिक आर्थिक हितों को बढ़ावा देना है, तो सहकारी समिति उपयोगी हो सकती है। वहीं पारिवारिक व्यवसाय के लिए संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय की व्यवस्था महत्वपूर्ण है, जिसमें कर्ता व्यवसाय का प्रमुख होता है।

याद रखने की ट्रिक

1 **एक मालिक** – एकल स्वामित्व

2 **दो या अधिक साझेदार** – साझेदारी

3 **पारिवारिक व्यवसाय** – संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय

4 **सामूहिक हित** – सहकारी समिति

5 **बड़े स्तर का व्यवसाय** – कंपनी

डेबिट या क्रेडिट कार्ड? खर्च से पहले समझें दोनों का फर्क

आज डिजिटल भुगतान हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। खरीदारी से लेकर ऑनलाइन भुगतान तक डेबिट और क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। दोनों कार्ड देखने में एक जैसे लग सकते हैं, लेकिन इनके काम करने का तरीका अलग है। इसलिए इस्तेमाल से पहले इनके फायदे और सावधानियों को समझना जरूरी है।

डेबिट कार्ड, जितना पैसा, उतना खर्च

डेबिट कार्ड सीधे आपके बैंक खाते से जुड़ा होता है। इससे भुगतान करने पर राशि तुरंत खाते से कट जाती है। इसमें उधार लेने की सुविधा नहीं होती, इसलिए सामान्य तौर पर ब्याज का सवाल नहीं उठता। रोजमर्रा की खरीदारी, एटीएम से नकद निकासी और बजट के अनुसार खर्च करने के लिए यह उपयोगी है। हालांकि खाते में पर्याप्त राशि न होने पर भुगतान असफल हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड, आज खर्च, भुगतान बाद में

क्रेडिट कार्ड में बैंक या कार्ड जारी करने वाली संस्था एक निर्धारित क्रेडिट सीमा देती है। इस सीमा के भीतर खरीदारी करने के बाद भुगतान बिलिंग चक्र के अनुसार करना होता है। पूरी बकाया राशि समय पर चुकाने पर ब्याज से बचा जा सकता है, जबकि भुगतान में देरी या आंशिक भुगतान पर ब्याज और अन्य शुल्क लग सकते हैं।

क्रेडिट हिस्ट्री पर असर

डेबिट कार्ड के इस्तेमाल का क्रेडिट स्कोर पर सामान्यतः सीधा असर नहीं पड़ता। वहीं क्रेडिट कार्ड का जिम्मेदारी से इस्तेमाल और समय पर भुगतान क्रेडिट हिस्ट्री बनाने में मदद कर सकता है। लगातार भुगतान में चूक क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है।

किसका इस्तेमाल कब करें?

रोजमर्रा के नियंत्रित खर्च और उपलब्ध राशि के अनुसार भुगतान के लिए डेबिट कार्ड बेहतर विकल्प हो सकता है। बड़ी खरीदारी, ऑनलाइन लेनदेन या अतिरिक्त सुविधाओं की जरूरत होने पर क्रेडिट कार्ड उपयोगी हो सकता है। याद रखें, क्रेडिट कार्ड सुविधा है, अतिरिक्त आय नहीं। खर्च हमेशा अपनी भुगतान क्षमता के अनुसार करें और संभव हो तो हर महीने पूरी बकाया राशि समय पर चुकाएं। इससे अनावश्यक ब्याज और कर्ज के बोझ से बचा जा सकता है।

वाणिज्यः एक नजर में

वाणिज्य का सीधा और सरल मतलब व्यापार और उससे जुड़ी गतिविधियों से है। इसे 3 मुख्य बिंदुओं में समझें

1 **उत्पादों और सेवाओं का आदान** – प्रदान यह मुख्य रूप से धन के बदले वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने और बेचने की एक व्यवस्था है।

2 **उत्पादक से उपभोक्ता तक पहुँचाना** – वाणिज्य का काम वस्तुओं को बनने वाली जगह से लेकर उनके इस्तेमाल करने वाले तक सुरक्षित और सही समय पर पहुँचाना है।

3 **सहायक सेवाएँ** – व्यापार को बिना किसी रुकावट के चलाने के लिए वाणिज्य में बैंकिंग, बीमा, परिवहन और विज्ञापन जैसी ज़रूरी सेवाएँ शामिल होती हैं।

दैनिक जीवन से जुड़ा है लेखांकन

जब हम 'लेखांकन' शब्द सुनते हैं तो अक्सर अकाउंटेंट या टैक्स रिटर्न की तस्वीर सामने आती है। लेकिन लेखांकन का दायरा इससे कहीं व्यापक है। आय, खर्च, बचत, निवेश और वित्तीय दायित्वों का व्यवस्थित हिसाब रखना भी लेखांकन का हिस्सा है। घर का मासिक बजट बनाते समय हम जाने-अनजाने लेखांकन के मूल सिद्धांतों का ही उपयोग करते हैं।

बजट से तय होती है खर्च की सीमा

लेखांकन का सबसे महत्वपूर्ण उपयोग बजट बनाने में होता है। आय और खर्च का आकलन करने से यह पता चलता है कि कितना पैसा आवश्यक खर्चों में जाएगा और कितना बचाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की मासिक आय 20 हजार रुपये है और वह 5 हजार रुपये बचाना चाहता है, तो उसे अपने जरूरी खर्चों को 15 हजार के भीतर रखने की योजना बनानी होगी। यही वित्तीय अनुशासन आगे चलकर आर्थिक मजबूती देता है।

खर्च, बचत और निवेश पर नजर

सही लेखांकन से अनावश्यक खर्चों की पहचान होती है। अचानक आने वाले खर्चों के लिए पहले से बचत करना आसान होता है। वहीं निवेश करते समय समय-मूल्य और जोखिम जैसी अवधारणाओं की समझ व्यक्ति को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में मदद करती है। यानी लेखांकन केवल आज का हिसाब नहीं रखता, बल्कि भविष्य की आर्थिक योजना बनाने में भी मदद करता है।

टैक्स की तैयारी होती है आसान

यदि पूरे वर्ष की आय और खर्च का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखा जाए तो टैक्स संबंधी काम भी आसान हो जाता है। जरूरी दस्तावेज और वित्तीय विवरण समय पर उपलब्ध रहने से गलतियों की संभावना कम होती है।

विद्यार्थियों के लिए क्यों जरूरी ?

लेखांकन की समझ विद्यार्थियों को पैसे का सही प्रबंधन, बजट बनाना, बचत करना और निवेश के बुनियादी सिद्धांत सीखने में मदद करती है। वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए यह आगे चलकर अकाउंटिंग, बैंकिंग, वित्त, कराधान और व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में करियर की मजबूत नींव भी तैयार करता है।

लेखांकन के प्रमुख क्षेत्र

1 **वित्तीय लेखांकन** – वित्तीय लेखांकन में किसी व्यवसाय के लेन-देन का रिकॉर्ड रखा जाता है।

2 **प्रबंधकीय लेखांकन** – प्रबंधन को वित्तीय जानकारी उपलब्ध कराकर बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है।

3 **लागत लेखांकन** – इससे उत्पाद या सेवा की लागत का आकलन किया जाता है।

4 **कर लेखांकन** – कर संबंधी गणना और अनुपालन से जुड़ा है।

5 **फोरेंसिक लेखांकन** – वित्तीय गड़बड़ियों और धोखाधड़ी की जांच में यह उपयोगी होता है।

रविशंकर चौबे

उप प्राचार्य
हितकारिणी
उ.मा.शाला,
गोरखपुर,
जबलपुर।

डिजिटल भुगतान से आसान हुआ लेन-देन

तकनीक ने खरीदारी और पैसों के लेन-देन को पहले से कहीं आसान बना दिया है। बिना नकद पैसे दिए मोबाइल, कंप्यूटर या अन्य डिजिटल माध्यमों से भुगतान करना डिजिटल भुगतान कहलाता है। यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल वॉलेट इसके प्रमुख माध्यम हैं। अब छोटी से छोटी राशि का भुगतान भी कुछ सेकंड में किया जा सकता है।

नकद रहित अर्थव्यवस्था का बढ़ता दायरा

जिस अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के भुगतान के लिए नकद मुद्रा की जगह डिजिटल माध्यमों का अधिक इस्तेमाल होता है, उसे नकद रहित अर्थव्यवस्था कहा जाता है। दुकानों, स्कूलों, अस्पतालों, ऑनलाइन बाजारों और सरकारी सेवाओं में डिजिटल भुगतान का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। इससे समय की बचत के साथ लेन-देन का रिकॉर्ड भी आसानी से उपलब्ध रहता है।

डिजिटल भुगतान के फायदे

डिजिटल भुगतान से नकदी रखने की जरूरत कम होती है और लेन-देन तेज होता है। व्यापारियों के लिए भुगतान प्राप्त करना तथा उसका रिकॉर्ड रखना आसान हो जाता है। डिजिटल लेन-देन वित्तीय सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में भी मदद करता है।

सावधानी भी जरूरी

डिजिटल सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी और ऑनलाइन ठगी का खतरा भी रहता है। इसलिए मजबूत पासवर्ड रखें, ओटीपी किसी से साझा न करें और केवल भरोसेमंद माध्यमों से भुगतान करें। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने से भी बचें।

पायल सोनकर

कक्षा 12 वीं,
कॉमर्स आईपी
केसी हितकारिणी
चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोंसगंज,
जबलपुर।

पॉकेट मनीः सीखें पैसों का सही प्रबंधन

विद्यार्थी जीवन केवल पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी तक सीमित नहीं है। इसी दौरान पैसे के सही इस्तेमाल की आदत विकसित करना भी जरूरी है। पॉकेट मनी, यात्रा, किताबें, स्टेशनरी, मोबाइल रिचार्ज, ऑनलाइन खरीदारी और मनोरंजन पर होने वाले खर्च का हिसाब रखना बजट बनाना कहलाता है। छोटी उम्र में सीखी गई यह आदत भविष्य में आर्थिक फैसले लेने में मदद कर सकती है।

पहले तय करें अपना लक्ष्य– बजट बनाने से पहले अपना छोटा वित्तीय लक्ष्य तय करें। नई किताब खरीदना, परीक्षा की तैयारी के लिए जरूरी सामग्री जुटाना, कोई उपयोगी गैजेट खरीदना या किसी शैक्षणिक गतिविधि के लिए पैसे बचाना लक्ष्य हो सकता है। लक्ष्य स्पष्ट होने पर अनावश्यक खर्च रोकना आसान होता है। पॉकेट मनी का हिसाब रखें महीने में मिलने वाली पॉकेट मनी या अन्य आय को लिखें। इसके बाद उसे अलग-अलग खर्चों में बांटें। उदाहरण के लिए, यदि विद्यार्थी को हर महीने 2,000 रुपये मिलते हैं तो वह भोजन, यात्रा, पढ़ाई और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए राशि निर्धारित कर सकता है और कुछ पैसा बचत के लिए रख सकता है।

जरूरत पहले, इच्छा बाद में– हर खर्च जरूरी नहीं होता। किताब, कॉपी, परीक्षा शुल्क या यात्रा जैसी चीजें आवश्यकता हो सकती हैं, जबकि बार-बार ऑनलाइन खरीदारी, गेमिंग या बाहर खाने का खर्च इच्छा की श्रेणी में आ सकता है। बजट बनाते समय जरूरत और इच्छा का अंतर समझना महत्वपूर्ण है।

छोटी बचत, बड़ा सबक– विद्यार्थियों के लिए बचत की राशि छोटी हो सकती है, लेकिन नियमित बचत की आदत अधिक महत्वपूर्ण है। हर महीने पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा अलग रखने से भविष्य में अचानक आने वाली छोटी जरूरतों को पूरा करना आसान होगा। इससे बचत और वित्तीय अनुशासन की समझ भी विकसित होगी।

शब्द पहेली - 8978

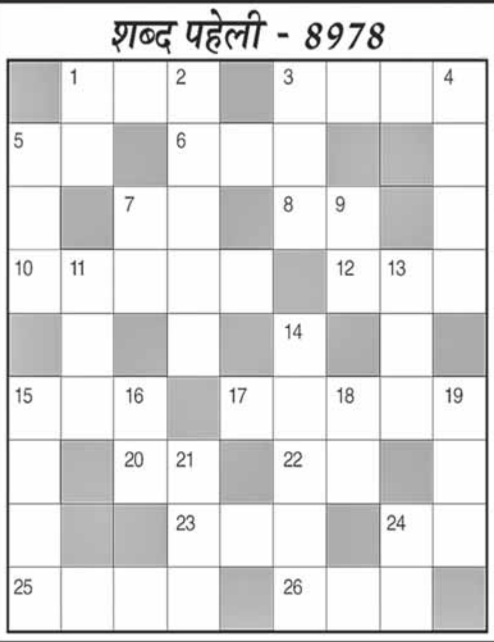

बाएँ से दाएँ

1. कंठ, गला-3
3. पक्षियों का शौर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार, प्रेम (अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा, तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. कदली, एक फल-2
23. उपासना, शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय, नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे

1. मर्यादा, सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर, इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश, एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा, रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. नाट्य, कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8977 का हल

	अ	च	र	ज		सु	रु	चि
चा	चा		म	ही	ना			न्त
र	न	र		न	व	जी	व	न
	क	म	ला		च			शी
म		ल	त		ला	त		ल
नो			मा		ना	र	द	
का	न	भ	र	ना		ह	र	म
म			ना	का	रा		क	ण
ना	ट	क		म	ह	क	ना	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा

वार्ड 10-11 के रहवासी हुए लामबंद, अवैध ढाबे बंद कराने की मांग

कटंगी (स्वतंत्र मत)

शहर के वार्ड क्रमांक 10 और 11 मुंदीवाड़ा में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ अब रहवासी लामबंद हो गए हैं। मुंदीवाड़ा में देसी-विदेशी शराब के साथ कच्ची शराब की बिक्री को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। रहवासियों का कहना है कि अवैध शराब की उपलब्धता से क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है और शाम होते ही महिलाओं और परिवारों को असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। वहीं युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर भी अभिभावकों में चिंता है। इसी समस्या को लेकर बुधवार रात 9 बजे वार्डवासियों की पानी टंकी चौक में बैठक आयोजित हुई। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाओं और रहवासियों ने हिस्सा लिया। चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वार्ड में अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ सामूहिक रूप से अभियान चलाया जाएगा और पुलिस-प्रशासन के सहयोग से इस पर प्रभावी रोक लगाने का प्रयास किया जाएगा।

महिलाओं की बनेगी विशेष समिति

बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय दोनों वार्डों की महिलाओं की एक समिति गठित करने का लिया गया। यह समिति मुंदीवाड़ा में अवैध शराब बिक्री की गतिविधियों पर नजर रखेगी। यदि किसी स्थान पर अवैध शराब बिक्री की जानकारी मिलती है तो समिति पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग करेगी। महिलाओं का कहना है कि मुंदीवाड़ा में शराब की अवैध बिक्री के कारण उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शाम के समय शराब के नशे में लोगों की आवाजाही बढ़ने से परिवारों में चिंता का माहौल रहता है। ऐसे में महिलाओं ने स्वयं आगे आकर इस समस्या के खिलाफ आवाज उठाने का निर्णय लिया है। बैठक समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में वार्डवासी एकजुट होकर पुलिस थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस को मुंदीवाड़ा में अवैध शराब बिक्री की जानकारी दी और प्रभावी कार्रवाई की मांग रखी। वार्डवासियों ने पुलिस से कहा कि यदि समय रहते अवैध शराब की बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई तो इसका असर यहां के सामाजिक वातावरण और युवा पीढ़ी पर और अधिक पड़ सकता है। पुलिस की ओर से रहवासियों को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया गया और अवैध शराब बिक्री की शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की बात कही गई।

अवैध ढाबों पर भी कार्रवाई की मांग

वार्डवासियों ने बस स्टैंड से लेकर मुंदीवाड़ा रोड तक संचालित होने वाले ऐसे ढाबों की जांच और कार्रवाई की मांग भी की है, जहां शाम ढलते ही अवैध शराब की बिक्री होती है। रहवासियों का कहना है कि कुछ स्थानों पर शाम के बाद शराब की बिक्री और सेवन के कारण स्थिति बिगड़ जाती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड से मुंदीवाड़ा रोड तक सभी संबंधित ढाबों और संदिग्ध स्थानों की जांच की जाए तथा यदि नियम विरुद्ध गतिविधियां पाई जाती हैं तो संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

थाना परिसर में बैठक : कानफोड़ू डीजे पर सख्ती, दो बाक्स से अधिक पर रोक

कटंगी। कोलाहल नियंत्रण के नियमों का पालन सुनिश्चित करने और तेज आवाज में बजने वाले डीजे से आमजन को राहत दिलाने के उद्देश्य से बुधवार शाम 05 बजे थाना परिसर कटंगी में गणेश उत्सव समितियों एवं डीजे-डेकोरेशन संचालकों की अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी विजय यादव ने की। इस दौरान थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम सहित गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी और डीजे संचालक मौजूद रहे। करीब एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में गणेश उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था, ध्वनि प्रदूषण और धार्मिक आयोजनों में निर्धारित नियमों के पालन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा तेज आवाज में बजने वाले डीजे का रहा। एसडीएम विजय यादव ने कहा कि वर्तमान समय में धार्मिक कार्यक्रमों का स्वरूप कई स्थानों पर मनोरंजन तक सीमित होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को ध्यान में रखते हुए त्योहारों को गरिमापूर्ण तरीके से मनाया जाना चाहिए। आयोजनों में किसी भी प्रकार की फूहड़ता न हो, इसका विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और त्योहारों की परंपरा को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। डीजे संचालकों को निर्देशित करते हुए एसडीएम ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और प्रशासन द्वारा निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन करते हुए ही डीजे संचालित करें। यदि कोई आयोजन समिति निर्धारित सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजाने के लिए दबाव बनाए तो संचालक स्पष्ट रूप से मना करें और नियमानुसार पुलिस अथवा एसडीएम कार्यालय से अनुमति लेकर आने को कहें। उन्होंने डीजे में केवल दो बॉक्स का उपयोग करने की बात भी कही। बैठक में डीजे संचालकों ने अपनी समस्याएं रखते हुए कहा कि वह प्रशासनिक नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन कई बार आयोजक बाहर से डीजे संचालकों को बुला लेते हैं।

जिले में सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत

उमरिया (स्वतंत्र मत)

गुरुवार 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में सेवा और सहभागिता की भावना को बढ़ावा देने के उददेश्य से जिला चिकित्सालय में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इसी के साथ जिले में सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों का शुभारंभ भी हुआ। जिले के लिए राज्य स्तर से नियुक्त नोडल अधिकारी प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पॉवर मैनेंजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर श्री विशेष गढ़पाले, कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय तथा सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर श्री विशेष गढ़पाले ने कहा कि रक्तदान पुण्य का कार्य है। रक्तदान के माध्यम से हम जरूरत मंद मरीजों के जीवन रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। उन्होंने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ्य एवं पात्र व्यक्ति को रक्तदान के लिए आगें आना चाहिए। श्री गढ़पाले ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में जन सेवा, सामाजिक सहभागिता और अधिक से अधिक लोगों को जन कल्याणकारी गतिविधियों से जोड़ना है। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि सेवा का प्रत्येक छोटा प्रयास किसी जरूरत मंद के लिए बड़ी मदद साबित हो सकता है।

पुलपुट्टा में पुलिस ने लगाई ग्राम चौपाल

गांव को नशा मुक्त बनाने का दिया संदेश, मुखबिर की पहचान गुप्त रखने का आश्वासन

कटंगी (स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देश पर जिले भर में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत तिरोड़ी थाना पुलिस ने ग्राम पुलपुट्टा के पंचायत भवन में ग्राम चौपाल का आयोजन किया। चौपाल का मुख्य उद्देश्य गांव को नशा मुक्त और अपराध मुक्त बनाना था। चौपाल में पहुंचे पुलिस अधिकारी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि तिरोड़ी थाना क्षेत्र के सभी गांवों को नशा मुक्त, अपराध मुक्त बनाने के लिए पुलिस लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में क्षेत्र के सावरगांव में पुलिस ने अस्थाई चौकी भी स्थापित की है, ताकि अवैध गतिविधियों पर तत्काल अंकुश लगाया जा सके। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि यदि गांव में कोई व्यक्ति अवैध शराब बिक्री, गांजा, नशीली दवाओं की तस्करी या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि में लिप्त है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा, ताकि उसे किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिस और जनता के सहयोग से ही गांव को अपराध मुक्त बनाया जा सकता है। चौपाल में मौजूद ग्रामीणों ने पुलिस को पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया और कहा कि वे गांव को नशा मुक्त बनाने के इस अभियान में पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। गौरतलब है कि हाल ही में मध्यप्रदेश के सागर जिले के बांदा में जहरीली शराब के सेवन से करीब दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया था और प्रदेश में हड़कंप मच गया था। इस हृदय विदारक घटना के बाद प्रदेश सरकार और पुलिस महकमे ने अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी के परिपालन में बालाघाट पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अवैध शराब अड्डों पर दबिश दी जा रही है, कोचियों पर कार्रवाई की जा रही है और साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। तिरोड़ी पुलिस की यह पहल ग्रामीणों में जागरूकता लाने के साथ-साथ पुलिस-जनता के बीच समन्वय को भी मजबूत कर रही है। पुलिस का मानना है कि जब तक समाज से नशा खत्म नहीं होगा, तब तक अपराधों पर पूरी तरह नियंत्रण पाना मुश्किल है।

लांजी में सेवा सहकारी समिति के प्रभारी प्रबंधक के घर ईओडब्लू का छापा

आय से अधिक संपत्ति की जांच, दो करोड़ के वाहन सहित निवेश और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज मिले

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र के ग्राम नीमटोला निवासी और सेवा सहकारी समिति मनेरी के प्रभारी प्रबंधक विलास चौरे के घर गुरुवार तड़के ईओडब्लू जबलपुर की टीम ने छापामार कार्रवाई की। करीब डेढ़ दर्जन अधिकारियों की टीम ने सुबह 6 बजे उनके आवास पर पहुंचकर आय से अधिक संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों और संपत्तियों की जांच शुरू की। ईओडब्लू के डीएसपी मंजीत सिंह के अनुसार, कार्रवाई के दौरान चौरे और उनके परिवार के नाम से कई संपत्तियों, वाहनों, बैंक खातों और निवेश से संबंधित जानकारी सामने आई है। अधिकारियों के मुताबिक, करीब दो करोड़ रुपए कीमत के वाहनों में चार 50 सीटर बस, एक ट्रैवलर बस, दो बोलेरो, एक ग्रैंड विटारा, एक स्कॉर्पियो और दो ट्रैक्टर शामिल हैं। ट्रैक्टरों को खेती के लिए किराए पर चलाने की जानकारी भी सामने आई है। बताया गया कि चौरे की पत्नी के नाम से टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय संचालित है। बालाघाट से हैदराबाद रूट पर 'मातोश्री' नाम से तीन बसों के संचालन की जानकारी भी जांच में सामने आई है। परिवार के नाम कृषि यंत्रों से संबंधित व्यवसाय होने की बात भी बताई गई है। ईओडब्लू के अनुसार, चौरे ने वर्ष 2016 में लांजी में मकान बनवाया था, जिसके निर्माण पर करीब 50 लाख रुपए खर्च होने की जानकारी मिली है। लगभग छह महीने पहले पास के गांव में करीब 10 लाख रुपए की कृषि भूमि खरीदे जाने की बात भी सामने आई है। इसके अलावा घर में जिम शुरू करने के लिए करीब 10 लाख रुपए के उपकरण खरीदे गए थे। जांच के दौरान पत्नी, बेटे और ट्रैवल्स के नाम से जिला सहकारी बैंक तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र में खाते मिले हैं। ईओडब्लू ने इन बैंक खातों पर रोक लगाते हुए संबंधित बैंकों से खातों में जमा राशि और अन्य वित्तीय जानकारी मांगी है। चार एलआईसी पॉलिसियां और करीब पांच लाख रुपए का सोना मिलने की जानकारी भी अधिकारियों ने दी है। डीएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि विलास चौरे वर्ष 2014 में सेवा सहकारी समिति में दैनिक वेतनभोगी के रूप में पदस्थ हुए थे। वर्तमान में वे प्रभारी प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। ईओडब्लू के अनुसार करीब 12 वर्षों की नौकरी में उनकी ज्ञात आय लगभग 25 लाख रुपए बताई गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आई संपत्तियां ज्ञात आय की तुलना में काफी अधिक पाई गई हैं। हालांकि संपत्ति का वास्तविक मूल्य और आय के स्त्रोतों का आकलन दस्तावेजों की विस्तृत जांच के बाद स्पष्ट होगा। ईओडब्लू ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संपत्ति, बैंक खातों, निवेश और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जांच जारी है। विलास चौरे ने कार्रवाई को लेकर कहा कि ईओडब्लू टीम ने उनके निवास पर जांच की और उन्होंने अधिकारियों को पूरा सहयोग दिया। उनका कहना है कि शिकायत जलन की भावना से की गई है और उनकी छवि धूमिल करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में वे गलत पाए जाते हैं तो कार्रवाई के लिए तैयार हैं। उनके अनुसार टीम ने दस्तावेजों की जांच की और कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हुई। बालाघाट जिले में करीब एक पखवाड़े के भीतर ईओडब्लू की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले 3 सितंबर को ईओडब्लू ने पीआईयू ई के कमलकिशोर सिंगारे के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई की थी। उस कार्रवाई में ईओडब्लू ने ज्ञात आय से अधिक संपत्ति मिलने का दावा किया था। अब विलास चौरे के मामले में भी आय, संपत्ति और निवेश के स्त्रोतों की विस्तृत जांच की जा रही है। अंतिम स्थिति जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी।

कलेक्टर ने रेडक्रॉस सोसाइटी से गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज को प्रदान की आर्थिक सहायता

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी उमरिया इकाई के अध्यक्ष एवं कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने गंभीर बीमारी से पीडित ग्राम चौरी निवासी मरीज बिहारी लाल चौधरी को आर्थिक सहायता के तौर पर 9 हजार रूपये उपलब्ध कराए गए। पीडित मरीज का उपचार एम्स नई दिल्ली में चल रहा है। उन्होने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के समक्ष आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राकेश शर्मा एवं सभापति अखिलेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

चंदिया के खेर माता मंदिर में मूक-बधिर वृद्ध नागा साधू से मारपीट, दो आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

उमरिया (स्वतंत्रमत)

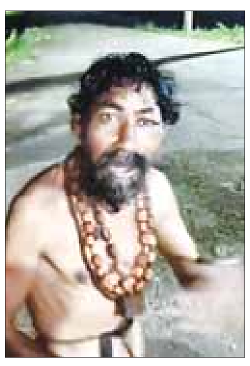

चंदिया स्थित खेर माता मंदिर परिसर में रह रहे मूक-बधिर वृद्ध संत के साथ दो युवकों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के दौरान मौके पर पहुंचे स्थानीय युवकों ने मारपीट कर रहे दोनों युवकों को संत से अलग कराया। बताया जा रहा है कि स्थानीय युवकों ने दोनों युवकों से मारपीट की वजह पूछी, लेकिन वे कोई स्पष्ट कारण नहीं बता सके। वहीं मूक-बधिर वृद्ध संत ने इशारों के जरिए स्थानीय लोगों को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। मामले में चंदिया थाना प्रभारी विजय पाटले ने जानकारी मिलने की पुष्टि की। टीआई के मुताबिक मारपीट के दोनों आरोपी चंदिया निवासी हैं, जिनकी पहचान सतीश चौधरी और विकास के रूप में हुई है। दोनों फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों को जल्द हिरासत में लेकर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी,हलाकि अभी तक ये दोनों आरोपी गिरफ्त से बहार है।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने छात्र-छात्राओं से किया संवाद

उमरिया (स्वतंत्रमत)

आगामी 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर उमरिया में छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचकर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्लॉक मुख्यालय उमरिया स्थित सांई पैरामेडिकल कॉलेज, कछरवार रोड में आयोजित संवाद के दौरान युवाओं को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं उसकी रूपरेखा की जानकारी दी गई तथा अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। संवाद के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं से कहा गया कि 18 से 35 वर्ष की आयु के युवा 17 सितंबर तक अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य कराएं, ताकि वे इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में सहभागिता कर सकें। आयोजकों ने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं रजिस्ट्रेशन कराने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों, सहपाठियों एवं परिचित युवाओं को भी कार्यक्रम के बारे में जानकारी देकर पंजीयन के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान युवाओं से शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, विद्यार्थियों की समस्याओं तथा युवा वर्ग से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद की आवश्यकता पर चर्चा की गई। आयोजकों ने कहा कि युवाओं की संख्या देश और समाज में महत्वपूर्ण है तथा छात्र-छात्राओं से जुड़े विषयों को व्यापक स्तर पर सामने लाने के लिए ऐसे संवाद आवश्यक हैं। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को अपनी बात रखने और छात्रों से जुड़े मुद्दों को व्यापक मंच तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ना और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। उमरिया जिले से भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं की सहभागिता के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कॉलेज एवं शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर युवाओं से सीधा संवाद किया जा रहा है और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कांग्रेस पदाधिकारी रहे मौजूद

सांई पैरामेडिकल कॉलेज में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोल, संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह, चुनाव प्रभारी एडवोकेट शिशुपाल यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अंबुज सिंह एवं विक्रम सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने युवाओं से कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि छात्र और युवा देश के भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को मंच प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से स्वयं पंजीयन कराने तथा अपने साथियों और परिचित युवाओं को भी जोड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा निर्धारित तिथि तक अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करने की अपील की गई।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर नैनपुर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

नैनपुर (स्वतंत्र मत) प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर नैनपुर में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के तहत विभिन्न सामाजिक और जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नैनपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में शासकीय सेवको, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्तदाताओं की आवश्यक जांच की और उन्हें रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी। कुल 16 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

चकोर नदी तट पर दीपदान का आयोजन-सेवा संकल्प अभियान के तहत देर शाम चकोर नदी तट पर दीपदान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर नदी तट को लगभग 5 हजार दीपों से सजाया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही उपस्थित लोगों ने समाज और जरूरतमंदों की सेवा करने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय भवन का हुआ लोकार्पण

मण्डला/अंजनिया

अंजनिया में नव निर्मित शासकीय महाविद्यालय भवन के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने नवीन महाविद्यालय भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अधोसंरचना विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नवीन भवन से अंजनिया एवं आसपास के क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम सहित जनप्रतिनिधिगण अधिकारी-कर्मचारी, महाविद्यालय परिवार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य की जानकारी भी प्रदर्शित की गई। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नव निर्मित शासकीय महाविद्यालय अंजनिया भवन निर्माण कार्य पर 434.78 लाख की लागत आई है। नवीन भवन के लोकार्पण से क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिए सुविधाओं के विस्तार को नई गति मिलने की उम्मीद है।

नैनपुर पुलिस की दोहरी कार्रवाई, चोरी और नकबजनी के मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। थाना नैनपुर पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी और नकबजनी के दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी नागपुर (महाराष्ट्र) का निवासी है, जबकि दूसरे आरोपी को खेत से सिंचाई मोटर चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

प्राईवेट कर्मचारी चला रहा था बम्हनी उप तहसील कार्यालय

साहब की कुर्सी में बैठकर करता था अफसरशाही, रिश्वत लेते लोकायुक्त ने दबोचा

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

रिश्वतखोरी के मामलो में मंडला सबसे आगे बताया जाता है रिश्वतखोर अधिकारी अनेक तरह से रकम लेने की रणनीति बनाया करते हैं ऐसी ही एक रणनीति यहां पदस्थ अधिकारियों ने बनाई जिसके तहत यहां एक प्राईवेट कर्मचारी की नियुक्ति की गई। जिसके भरोसे पूरे सरकारी दस्तावेज पासवर्ड आईडी छोड़ दी गई अधिकारी घूमने में मस्त रहते थे और कर्मचारी पीड़ितों से आवेदकों से डीलिंग किया करता था इस राशि से किसका कितना हिस्सा होता था यह तो जांच के बाद ही सामने आयेंगा लेकिन अजब मंडला गजब कहानी एक बार फिर सामने आई हैं। लंबे समय से उप तहसील कार्यालय बम्हनी बंजर विवादों में दिखाई दे रही हैं। यहां पर छोटे छोटे कामों के लिए बिना लिए दिए कोई काम नही होते हैं अनेक ऐसे आदेश भी किए जा चुकें हैं जो नियम विरूद्ध हैं। यहीं नही यहां पदस्थ रहे एक नायब तहसीलदार ने अवैध कॉलोनी संचालकों से भी मोटी रकम वसूलकर उन्हें अवैध कॉलोनी निर्माण का अभयदान दिया था जैसे तैसे यहां से उन्हें

हटाया गया लेकिन हाल ही में आए नायब तहसीलदार अजय श्रीवास्तव भी उसी रंग में दिखाई देने लगें मामला तब और गंभीर हो गया जब नायब तहसीलदार के प्राइवेट कर्मचारी को जबलपुर लोकायुक्त ने 8 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आवेदक रोहणी चंद्रोल ने आरोप लगाते हुए बताया जमीन का नामांतरण व बटवारे के लिए बम्हनी तहसील में आवेदन दिया था जिसके एवज में नायब तहसीलदार दस हजार रुपए मांगे थे। जिसकी शिकायत मैंने जबलपुर लोकायुक्त में की थी जिसके आधार पर लोकायुक्त टीम ने नायब तहसीलदार के निजी कर्मचारी हरीश सिंगोर को गिरफ्तार किया है। जिले के राजस्व कार्यालयों में आम लोगों और किसानों को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए किस तरह दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। मामले में नायब तहसीलदार अजय श्रीवास्तव की भूमिका पर भी शिकायतकर्ता ने आरोप लगाए हैं। लोकायुक्त ने दोनों को प्रकरण में आरोपी बनाया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है मामला 17 सितंबर का है। ग्राम सिलगी निवासी रोहाणी चंद्रौल अपने पिता के नाम दर्ज जमीन का वसीयत के आधार पर अपने पुत्र के नाम नामांतरण कराने के लिए बम्हनी बंजर उप तहसील कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि नामांतरण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए उनसे 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की गई। सरकारी कार्यालय में वैधानिक प्रक्रिया से होने वाले काम के लिए कथित रिश्वत मांगने से परेशान शिकायतकर्ता ने इसकी शिकायत लोकायुक्त जबलपुर से की शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने आरोपों का सत्यापन कराया। शिकायत में रिश्वत की मांग की पुष्टि होने के बाद टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई तय योजना के मुताबिक शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम लेकर कार्यालय भेजा गया बताया गया कि शिकायतकर्ता ने बाबू हरीश सिंगौर को 8 हजार रुपये दिए। जैसे ही रकम बाबू के हाथ में पहुंची पहले से निगरानी कर रही लोकायुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने रिश्वत की रकम बरामद कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी लोकायुक्त जबलपुर के निरीक्षक जितेंद्र यादव के मुताबिक शिकायत में नायब तहसीलदार अजय श्रीवास्तव की भूमिका को लेकर भी आरोप लगाए गए हैं। इसी आधार पर उन्हें भी मामले में आरोपी बनाया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। अब लोकायुक्त जांच में यह सामने आएगा कि कथित रिश्वत की मांग किस स्तर पर हुई किसके कहने पर रकम मांगी गई और पूरे प्रकरण में नायब तहसीलदार तथा बाबू की वास्तविक भूमिका क्या थी यह जांच इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राजस्व कार्यालयों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकॉर्ड दुरुस्ती और अन्य कामों के लिए ग्रामीणों और किसानों का लगातार आना-जाना रहता है। ऐसे में यदि किसी सरकारी काम को कराने के लिए रिश्वत की मांग के आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह महज एक व्यक्ति से पैसे लेने का मामला नहीं बल्कि कार्यालयीन कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है बम्हनी बंजर की कार्यवाही ने जिले के राजस्व कार्यालयों की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला मुख्यालय से लेकर तहसील और उपतहसील कार्यालयों तक आम आदमी अक्सर अपने काम के लिए बाबुओं की टेबल के चक्कर काटता नजर आता है। किसान हो या ग्रामीण नामांतरण हो या सीमांकन, रिकॉर्ड दुरुस्ती हो या किसी प्रमाण-पत्र से जुड़ी प्रक्रिया कई बार लोगों को यह शिकायत रहती है कि फाइल आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है लोकायुक्त की यह कार्रवाई इन्हीं शिकायतों के बीच हुई है।

इनका कहना -

आवेदक रोहणी चंद्रोल ने जबलपुर लोकायुक्त को आवेदन दिया था कि जमीन नामांतरण के नाम पर बम्हनी बंजर तहसील के नायब तहसीलदार व हरीश सिंगोर पैसे मांग रहे हैं जिसका हमने सत्यापन कराया उसी के आधार पर हमने नायब तहसीलदार के प्राइवेट कर्मचारी को आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जितेंद्र यादव निरीक्षक
लोकायुक्त जबलपुर

लखपति बहनों का सम्मेलन हुआ आयोजित

मण्डला (स्वतंत्रमत)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित नमो युवा शक्ति कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं एवं लखपति बहनों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कैबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने कहा कि आजीविका मिशन ने ग्रामीण महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाया है। समूहों में जुड़ने के बाद महिलाओं ने सामाजिक कुरीतियों से लड़ने की क्षमता आई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब हमारी महिलाएं बस से लेकर ड्रोन तक चला रही हैं। कार्यक्रम से कैबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतियां उइके ने समूह की महिलाओं के साथ रंगोली भी उकेरी महिलाओं ने स्व-सहायता समूहों से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आए बदलाव आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान बिछिया से दीदी श्रीमती लक्ष्मी बैरागी मोहगांव से श्रीमती शीला धुर्वे एवं श्रीमती मंजू को सम्मानित भी किया गया जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि आज महिलाएं अपनी मेहनत और सामूहिक प्रयासों से आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं। कार्यक्रम में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि आजीविका समूहों के गठन के समय महिलाएं बिखरी हुई थीं लेकिन आज समूह-समूह में संगठित होकर संगठन की शक्ति को पहचान रही हैं।

सेवा संकल्प अभियान का आगाज, भाजपा जिला अध्यक्ष ने किया रक्तदान

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ सेवा समर्पण और जनसेवा के साथ किया। अभियान के प्रथम दिन गुरुवार को जिला अस्पताल में रक्तदान महाभियान आयोजित किया गया जिसमें भाजपा के जनप्रतिनिधियों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रक्तदान किया। जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष भावना साहू सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शिविर में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने स्वयं रक्तदान कर कार्यकर्ताओं को सेवा का संदेश

दिया। जिला अध्यक्ष को स्वयं रक्तदान करते देखकर कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखने को मिला और कार्यकर्ताओं ने रक्तदान के लिए आगे आकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में योगदान दिया जा सकता है। वहीं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार देर शाम नगर के महिष्मति घाट पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिष्मति घाट पर लगभग 25 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए गए। इसके साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा नगर के विभिन्न घाटों पर भी दीप प्रज्ज्वलित किए गए। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिलेभर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों के दौरान 74 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान ऐसा सेवा कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में प्रत्यक्ष योगदान दिया जा सकता है। शिविर में रक्तदाताओं ने सेवा भावना के साथ रक्तदान कर अभियान को सार्थक बनाया जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक नवजात शिशु का नामकरण नरेंद्र किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण की भावना से जुड़े इस अवसर को यादगार बनाने के लिए मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके द्वारा नवजात का नाम नरेंद्र रखा गया। शिशु की माता एवं परिवारजनों ने इस नाम को उत्साहपूर्वक स्वीकार किया।

स्वामित्व योजना के पंजीयन में व्यावहारिक अड़चनें दूर करने सौंपा ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मप्र राजस्व अधिकारी कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने प्रमुख सचिव राजस्व के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा है। कहा गया कि स्वामित्व योजना 2020 के अंतर्गत तैयार किए जा रहे अधिकार अभिलेखों के पंजीयन को लेकर मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने शासन का ध्यान विभिन्न विधिक एवं व्यावहारिक कठिनाइयों की ओर आकर्षित किया है। संघ ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को ज्ञापन भेजकर योजना के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं के निराकरण की मांग की है। ज्ञापन 16 सितंबर को प्रस्तुत किया गया है। ज्ञापन में संघ ने कहा है कि स्वामित्व योजना के तहत तैयार अधिकार अभिलेखों का उद्देश्य

ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में निवासरत भूमिधारकों को भूमि स्वामी अधिकार उपलब्ध कराना तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराना है। हालांकि अभिलेख तैयार करने और उनके पंजीयन की प्रक्रिया में कई स्तरों पर व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ रही हैं। संघ के अनुसार अधिकार अभिलेख तैयार करते समय धारकों के समग्र डेटा के आधार पर प्रक्रिया की गई जबकि उस समय कई मामलों में धारकों का ई-केवाईसी नहीं हुआ था। इसके चलते आधार और अभिलेखों में दर्ज नामों में अंतर सामने आ रहा है। संघ का कहना है कि पंजीयन से पहले नामों में सुधार की व्यवस्था स्पष्ट की जानी चाहिए ताकि भविष्य में दस्तावेजों और राजस्व अभिलेखों में विसंगतियों के कारण विवाद की स्थिति न बने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि एक बार दस्तावेज का पंजीयन हो जाने के बाद उसमें संशोधन की प्रक्रिया आसान नहीं होगी।

इसलिए पंजीयन से पूर्व अभिलेखों की त्रुटियों को दूर करने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक व्यवस्था बनाने की मांग की गई है। संघ ने पंजीयन प्रक्रिया में तहसील स्तर पर अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारियों का भी उल्लेख किया है। ज्ञापन के अनुसार पटवारी राजस्व निरीक्षक सहायक विस्तार अधिकारी तहसीलदार और नायब तहसीलदार आदि को पंजीयक की शक्तियां दी गई हैं।

संघ ने आशंका जताई कि सीमित समय में बड़ी संख्या में दस्तावेजों का निपटारा किए जाने से मानवीय चूक की संभावना बनी रह सकती है। इसके चलते भविष्य में शासकीय सेवकों पर सिविल अथवा क्रिमिनल वाद दर्ज होने की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है।

ज्ञापन में कहा गया है कि जिन ग्रामों के दस्तावेजों में भूमिस्वामी के नाम के सामने पिता या पति का नाम दर्ज नहीं है वहां पहले अभिलेखों में आवश्यक सुधार कराया जाए। संघ ने मांग की है कि ऐसे दस्तावेजों का पंजीयन सुधार प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही किया जाए, जिससे भविष्य में पहचान संबंधी विवादों से बचा जा सके।

प्रमुख सचिव ने ली अधिकारियों की बैठक

मण्डला (स्वतंत्रमत)। प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग गुलशन बामरा ने जिला योजना भवन में जिलाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव श्री बामरा ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्रकला भाषण श्रमदान जैसी गतिविधियों के आयोजन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए पीएस श्री बामरा ने विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के कल्याण के लिए संचालित पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की सघन समीक्षा की बैठक में पीएम आवास, प्रधानमंत्री सड़क योजना, जल जीवन मिशन, हर घर बिजली, नेटवर्क कनेक्टिविटी, बहुउद्देशीय केंद्र भवन निर्माण, छात्रावास निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई और समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए बैठक में वन मंडलाधिकारी सुश्री प्रीता एसएम, उप संचालक बफर जोन सुश्री अनीता केबी, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, अपर कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे उपस्थित थे।

न्यायालय तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड मण्डला (म.प्र.) (पीठासीन अधिकारी वत्सला प्रजापति)pr no.-786/26

व्य.वा.क्रं- 167/26 नियत दिनांक-26/10/2026

श्रीमती नान बाई पति रूप सिंह उम्र 65 वर्ष जाति गोंड निवासी ग्राम सुरेहली तहसील घुघरी जिला मण्डला (म.प्र.).........वादिनी

विरुद्ध

1. म.प्र. शासन द्वारा जिला कलेक्टर मण्डला तहसील व जिला मण्डला (म.प्र.)
2. आम जनता ....प्रतिवादीगण

आम इश्तहार

इस आम इश्तहार के माध्यम से आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि वादिया नान बाई पति रूप सिंह के द्वारा ग्राम सुरेहली प.ह.न.-71, रा.नि.मं.-घुघरी तहसील- घुघरी जिला मण्डला में भूमि खसरा नं-875, 1063, 1150 रकबा क्रमशः 1.74, 0.46, 1.80 हेक्ट. कुल रकबा 4.00 हेक्ट. भूमि की स्वयं को वसीयतनामा के आधार पर मालिक, स्वामी एवं स्वत्वाधिकारी घोषित किये जाने हेतु व्यवहार वाद प्रस्तुत किया गया है। जिस व्यक्ति को भी उक्त संबंध में आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 26/10/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे। यदि नियत दिनाँक को किसी कारणवश सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है तो प्रकरण ठीक अगले कार्य दिवस में सुना जावेगा। नियत दिनाकं को किसी प्रकार से कोई आपत्ति न आने की दशा में यह न्यायालय प्रकरण में अग्रेतर कार्यवाही करेगी।

आज दिनाँक 16/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी।

मण्डला, दिनाँक-16/9/2026

(सुश्री वत्सला प्रजापति)
न्यायालय तृतीय व्यवहार
न्यायाधीश कनिष्ठ खंड मण्डला (म.प्र.)

पुलिस व बीडीएस टीम ने बाजारों से रेलवे स्टेशन तक चलाया सघन चेकिंग अभियान

झंडा चौक, बुधवारी बाजार, सराफा बाजार सहित प्रमुख स्थानों का किया औचक निरीक्षण

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। गणेश उत्सव एवं अन्य त्योहारी आयोजनों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से नैनपुर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में गुरुवार को थाना नैनपुर पुलिस एवं बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) टीम ने नगर के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस बल एवं बीडीएस टीम ने नगर के विभिन्न संवेदनशील एवं सार्वजनिक स्थानों पर औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। टीम ने झंडा चौक, बुधवारी बाजार, मछली बाजार, सराफा बाजार तथा नैनपुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में विशेष रूप से जांच-पड़ताल की। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय एवं सर्कुलेटिंग एरिया की भी बारीकी से जांच की गई।

संदिग्ध वस्तुओं और लावारिस सामान की जांच- चेकिंग के दौरान बीडीएस टीम ने सुरक्षा उपकरणों की सहायता से सार्वजनिक स्थलों, वाहनों, लावारिस सामान एवं अन्य संदिग्ध वस्तुओं की जांच की। पुलिस एवं बीडीएस टीम की मौजूदगी से प्रमुख बाजारों एवं रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता का संदेश भी गया।

जांच के दौरान किसी भी स्थान से कोई संदिग्ध वस्तु अथवा आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के दौरान नगर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार निगरानी रख रही है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर आवश्यकतानुसार चेकिंग और निरीक्षण की कार्रवाई जारी रहेगी।

लावारिस वस्तु मिलने पर तत्काल दें सूचना

नैनपुर पुलिस ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि त्योहार के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। किसी भी लावारिस वस्तु, संदिग्ध व्यक्ति अथवा संदेहास्पद गतिविधि की जानकारी मिलने पर स्वयं जांच या हस्तक्षेप करने के बजाय तत्काल नजदीकी पुलिस थाने अथवा डायल-112 पर सूचना दें।

चलती मारुति वैन में लगी आग

मण्डला (स्वतंत्रमत)। उपनगर महाराजपुर क्षेत्र में गुरुवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया जब रेलवे क्रॉसिंग के समीप एक मारुति वैन में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा वाहन आग की लपटों में घिर गया। गनीमत रही कि वाहन चालक ने समय रहते वैन से उतरकर अपनी जान बचा ली हादसे में वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया वहीं उसमें रखा गैरेज का कीमती सामान भी आग की भेंट चढ़ गया।

वार्षिक साधारण आमसभा की सूचना

बहुउददेशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. (बी-पैक्स) सेमरखापा पं.क्र.1986 के सभी अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण आमसभा की बैठक माननीय प्रशासक महोदय जी की अध्यक्षता में ग्राम-पंचायत सेमरखापा भवन में दिनांक 26.09.2026 दिन शनिवार को समय 12:30 बजे से निम्न विषयो में निर्णय लेने हेतु आमंत्रित की जाती है। कृपया आमसभा में आप सभी सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है निर्धारित समय 12:30 बजे गणपूर्ति (कोरम) की पूर्ति न होने की दशा में आम सभा को आधा घंटे के लिये स्थागित की जायेगी स्थगित साधारण आम सभा की बैठक आधा घंटे के पश्चात उसी दिन उसी स्थान पर उपस्थिति सदस्यों द्वारा आमसभा की कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नही होगी।

प्रबंधक
बहुउददेशीय प्राथमिक कृषि साख
सहकारी समिति मर्या.(बी-पैक्स) सेमरखापा

संपादकीय

आ अब लौट चलें

सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के जरिए ऐलान कराया है कि अब डिजिटल भुगतान यानि यूपीआई 'मुफ्त' नहीं होगा, बल्कि परोक्ष रूप से आम ग्राहक, आम उपभोक्ता, आम आदमी की जेब कटेगी। अब यह यथार्थ भी सामने आ सकता है कि आ अब लौट चलें, अर्थात नकदी लेन-देन की ओर वापसी होने लगे! आम आदमी को यूपीआई लेन-देन की लत लग चुकी थी। उसे यह व्यवस्था आसान और सहज लगती थी। वह औसतन हर भुगतान यूपीआई के जरिए ही करने लगा था। फुटपाथ के पास रेहड़ी-पटरी, चायवाला अथवा टोकरी में फल बेचने वाली निरक्षर-सी महिला भी 'स्कैन' के जरिए डिजिटल भुगतान स्वीकार करने लगी थी। इसकी लोकप्रियता, व्यापकता का पुख्ता प्रमाण यही है कि यूपीआई से साल भर में 314.23 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन किया गया। यूपीआई इस्तेमाल करने वालों की संख्या 24,162 करोड़ बताई गई है। यूपीआई के जरिए रोजाना औसतन 66 करोड़ बार लेन-देन होता है। करीब 67 फीसदी भुगतान 2000 रुपए से अधिक का किया गया, बेशक सरकार ऐसा करने वालों की संख्या मात्र 4 फीसदी और 2000 रुपए से कम वाले 96 फीसदी बता रही है। दरअसल इन 4 फीसदी का मूल्य ही 67 फीसदी है।

भारत सरकार की अधिसूचना में उल्लेख है कि व्यक्ति से व्यक्ति अथवा 2000 रुपए तक का लेन-देन करने वालों पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। शुल्क वैसे भी दुकानदार, व्यापारी, यानी मर्चेन्ट को भरना होगा, लिहाजा इस शुल्क को 'एमडीआर' का नाम दिया गया है। यह बड़ी हास्यास्पद और बेवकूफ बनाने वाली व्यवस्था है। किराने, दूध-दही का दुकानदार या दवाओं की दुकान अथवा टीवी, फ्रिज, मोबाइल के शोरूम, अंतत: यह 'हर्जाना' क्यों भुगतेंगे? बैंक कितनी निगरानी रख सकते हैं? वे किसी को भुगतान की प्रणाली के लिए बाध्य नहीं कर सकते। एनपीसीआई ने 2000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी और 75,000 रुपए या अधिक के बड़े लेन-देन के लिए अधिकतम शुल्क 300 रुपए तय किया है। आपको अब रेलवे, टेलीकॉम, बीमा, पेट्रोल पंप पर ईंधन लेने और कृषि इनपुट सरीखे जरूरी भुगतान पर 5 रुपए (प्रति लेन-देन) शुल्क देना होगा। स्कूल-कॉलेज की फीस 2000 रुपए से अधिक की है, तो उस पर 300 रुपए की फ्लैट दर देनी होगी। आम आदमी पर बोझ कैसे नहीं पड़ेगा, प्रधानमंत्री जी?

संभव है कि डिजिटल भुगतान के मद्देनजर जितने लाखों करोड़ रुपए का लेन-देन हो रहा है, उससे टैक्स वसूलने का लालच सरकार ने महसूस किया होगा! यह सवाल भी सामने होगा कि यूपीआई के व्यापक, विविध नेटवर्क पर 20,000 करोड़ रुपए सालाना खर्च क्यों किए जाएं? हर साल के बजट में 2000 करोड़ रुपए क्यों तय किए जाएं? क्यों न इसका कुछ बोझ और प्रभार देश की जनता के साथ साझा किया जाए? कारण कुछ भी रहा हो, लेकिन अब मोदी सरकार का 'वैश्विक थाली बजाऊ प्रचार' बेनकाब हो गया है। सरकार की तरफ से कोई स्पष्टीकरण भी नहीं आया है कि आखिर यह 'हर्जाना' थोपने की नौबत क्यों आई? बेशक हमारा यूपीआई लेन-देन 11 अन्य देशों में भी प्रचलित है और 23 अन्य देशों के साथ समझौते विचाराधीन हैं। यह विदेश नीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन चिंता आम भारतीय की होनी चाहिए, जो बहुधा गरीब है, न्यूनतम आय वाला है और राजनीतिक दलों को वोट देकर सत्ता में पहुंचाते हैं। उन पर करों की बहुत मार है। आम आदमी औसतन हर वस्तु और सेवा पर परोक्ष रूप से जीएसटी भी देता है। और ऐलानिया कृपा यह है कि आम आदमी पर एमडीआर नहीं लगेगी। इसके बावजूद भी आम आदमी को सरकार क्यों चूस रही है।

आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान की भूमिका

आतंकी मसूद पर पाकिस्तान की नई नौटंकी

सुरेश हिंदुस्तानी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान की भूमिका लंबे समय से विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय रही है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का दिखावा और आतंकी संगठनों के प्रति नरम रवैया, पाकिस्तान की विदेश एवं सुरक्षा नीति के इस विरोधाभासी चरित्र ने उसकी विश्वसनीयता को लगातार कठघरे में खड़ा किया है। आतंकी सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान की हालिया कार्रवाई भी इसी विरोधाभास की एक नई कड़ी के रूप में देखी जा रही है। उसे भगोड़ा घोषित करना और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम की घोषणा करना पहली दृष्टि में कठोर कार्रवाई का संकेत देता है, लेकिन पाकिस्तान के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए इसके पीछे की वास्तविक मंशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

मसूद अजहर कोई सामान्य अपराधी नहीं है। वह भारत में हुए अनेक आतंकी हमलों से जुड़े उन कुख्यात चेहरों में रहा है, जिनकी गतिविधियों ने न केवल भारत की सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि दक्षिण एशिया में आतंकवाद के नेटवर्क की भयावहता को भी उजागर किया। वर्ष 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान के अपहरण के बाद यात्रियों की रिहाई के बदले भारत को जिन आतंकवादियों को छोड़ना पड़ा, उनमें मसूद अजहर भी शामिल था। इसके बाद उसने आतंकवादी गतिविधियों के जिस नेटवर्क को आगे बढ़ाया, उसने भारत की सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कीं।

विडंबना यह है कि जिस व्यक्ति को भारत लंबे समय से आतंकवाद का प्रमुख चेहरा मानता रहा है, उसी मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान अब यह दावा कर रहा है कि वह उसकी पकड़ से बाहर है और संभवत: अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। यदि यह दावा सही है तो सवाल यह उठता है कि पाकिस्तान की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां इतने कुख्यात आतंकी के संबंध में इतनी अनभिज्ञ कैसे हो सकती हैं? और यदि वह पाकिस्तान से बाहर है तो उसके संगठनात्मक नेटवर्क, आर्थिक संसाधनों और संपर्कों पर कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं देती?

यहीं से पाकिस्तान की कार्रवाई पर संदेह की परतें गहरी होने लगती हैं।

पाकिस्तान की जांच एजेंसी एफआईए द्वारा मसूद अजहर को अपने अत्यंत खतरनाक आतंकवादियों की सूची में शामिल किया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। लेकिन केवल किसी आतंकी को सूचीबद्ध कर देना आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई नहीं माना जा सकता। असली कसौटी गिरफ्तारी, न्यायिक प्रक्रिया, आतंकी नेटवर्क का विघटन और उसके वित्तीय स्रोतों पर प्रभावी प्रहार है। यदि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाए, तो वह आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को टालने की प्रशासनिक कवायद बनकर रह जाती है।

भारत के सुरक्षा तंत्र से जुड़े इनपुट यदि यह संकेत देते हैं कि मसूद अजहर पाकिस्तान में ही छिपा हुआ है, तो पाकिस्तान के दावे की विश्वसनीयता और भी संदिग्ध हो जाती है। हालांकि ऐसे खुफिया दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक होती है, लेकिन पाकिस्तान का अतीत उसके वर्तमान दावों पर सहज विश्वास करने की अनुमति नहीं देता।

पाकिस्तान का यह दोहरा चरित्र नया नहीं है। दुनिया पहले भी देख चुकी है कि आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई का दावा करने वाला पाकिस्तान अपनी ही धरती पर छिपे कुख्यात आतंकवादियों की मौजूदगी से लंबे समय तक इनकार करता रहा। ओसामा बिन लादेन का पाकिस्तान में पाया जाना इस संदर्भ में सबसे चर्चित उदाहरण है। अमेरिकी कार्रवाई में एबटाबाद में लादेन के मारे जाने के बाद पाकिस्तान के उन दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न उठे थे, जिनमें वह अपनी धरती पर आतंकवादी सरगनाओं की मौजूदगी से अनभिज्ञता जताता रहा था।

आतंकी मसूद अजहर पर पाकिस्तान सरकार की कार्यवाही को इसलिए भी संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में आतंकी सरगनाओं पर न तो सरकार का नियंत्रण है और न ही सेना की ही चलती है। आतंकियों का अपना एक तंत्र है। जिनमें कोई भी दखल नहीं दे सकता। पाकिस्तान में तीन शक्ति केंद्र माने जाते हैं, जिनमें सरकार, सेना और आतंकवादी हैं। कई बार यह भी देखने में आता है कि वहां की सरकार किसकी होगी, यह आतंकी और सेना तय करती है। इसलिए सरकार, आतंकियों पर कठोर कार्यवाही करने का सामर्थ्य नहीं जुटा पाती। और आतंकी फलीभूत होते रहते हैं।

इस पृष्ठभूमि में मसूद अजहर पर घोषित इनाम को केवल कानून-व्यवस्था की कार्रवाई के रूप में देखना कठिन है। इसके पीछे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की मंशा भी दिखाई देती है। विशेषकर आतंकवाद के वित्तपोषण और धनशोधन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मानकों के संदर्भ में पाकिस्तान पर लगातार दबाव रहा है। ऐसे समय में किसी कुख्यात आतंकी के विरुद्ध सार्वजनिक कार्रवाई का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को यह संदेश देने का प्रयास हो सकता है कि पाकिस्तान आतंकवाद के विरुद्ध सक्रिय है।

लेकिन आज विश्व पहले की तुलना में कहीं अधिक सतर्क है। आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में अब केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखता है कि आतंकवादी संगठनों की वित्तीय धमनियां कितनी प्रभावी ढंग से रोकी गईं, उनके प्रशिक्षण शिविरों और नेटवर्क पर क्या कार्रवाई हुई, आतंकी सरगनाओं को न्याय के कठघरे में कब लाया गया और आतंकवाद को संरक्षण देने वाली संरचनाओं को कितना ध्वस्त किया गया।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति भी उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। विदेशी सहायता, ऋण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव उसके आर्थिक हितों से सीधे जुड़ जाता है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहता है तो उस पर आर्थिक एवं वित्तीय प्रतिबंधों का दबाव बढ़ सकता है। इसलिए उसके द्वारा की जाने वाली प्रत्येक कार्रवाई को उसके आर्थिक और कूटनीतिक संदर्भ में भी परखना आवश्यक है।

भारत के लिए यह समय पाकिस्तान के किसी भी दावे से प्रभावित होने के बजाय तथ्यों, प्रमाणों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के आधार पर अपनी आतंकवाद विरोधी नीति को और सुदृढ़ करने का है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। यह वैश्विक शांति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। इसलिए आतंकवाद को संरक्षण देने वाली किसी भी व्यवस्था के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय को शून्य-सहनशीलता की नीति अपनानी होगी।

मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा यदि वास्तविक कार्रवाई की दिशा में पहला कदम है तो पाकिस्तान को उसे प्रमाणित करने में देर नहीं करनी चाहिए। उसे चाहिए कि वह मसूद अजहर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे, यदि वह पाकिस्तान में है तो उसे गिरफ्तार करे, उसके नेटवर्क को ध्वस्त करे और उसके विरुद्ध पारदर्शी न्यायिक कार्रवाई सुनिश्चित करे।

अन्यथा यह कार्रवाई भी पाकिस्तान की उन अनेक घोषणाओं की सूची में जुड़ जाएगी, जिनमें शब्द बहुत थे, लेकिन परिणाम नगण्य।

आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अब दुनिया को दावों की नहीं, कार्रवाई की भाषा चाहिए। पाकिस्तान यदि वास्तव में अपनी छवि बदलना चाहता है तो उसे नौटंकी से आगे बढ़कर प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। क्योंकि आतंकवाद के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की स्मृति अब इतनी कमजोर नहीं रही कि पुरानी चालें नए आवरण में आसानी से सफल हो जाएं।

शराब भी ले रही झूठ का सहारा: स्वाद से लेकर उम्र तक के दावे पर सवाल, लेबल की सच्चाई कितनी?

विवेक एस अग्रवाल

हाल ही में मुंबई हाईकोर्ट ने एक बहुप्रचलित एवं प्रतिष्ठित शराब को मूलरूप के स्थान पर फ्लेवर्ड अल्कोहल के जैसे बेचने का निर्देश पारित किया है। खाने में मिलावट का एहसास तो सभी को है, पर शराब भी मिलावटी होगी, यह चौंकाने वाला है। अवैध और कच्ची शराब से होने वाले हादसे तो प्रचलित हैं, पर शराब को बनावटी तरीके से बनाकर बेचा जा रहा है, यह शायद हलक से नीचे न उतरे। यहां तक कि शराब की उम्र और उसके निर्माण के तरीकों से जुड़े दावे भी अधिकांशत: खोखले होते हैं। वास्तविकता यह है कि सबसे बड़ा शराब निर्माता भी फ्लेवर्ड अल्कोहल ही बेच रहा है। बीते कुछ दिनों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा देशभर के विभिन्न प्रतिष्ठित शराब निर्माताओं से लिए गए नमूनों की जांच से प्रकट तथ्य आंखें खोलने वाले हैं। ये नमूने शराब के सभी प्रकारों से एकत्रित किए गए थे। शराब का जायका लेने वालों के लिए यह सदमे जैसा होगा कि अधिकांश नमूनों में मिलावट के तौर पर कृत्रिम फ्लेवरिंग का इस्तेमाल पाया गया। यही शराब की उम्र को लेकर किए जाने वाले दावों के पीछे की भी कहानी है।

शराब में फ्लेवर का मिश्रण प्रतिबंधित नहीं है, किंतु कोई भी मिश्रण या उम्र का दावा खाद्य सुरक्षा एवं मानक (अल्कोहलिक पेय) नियमन, 2018 की परिधि में सीमित होना चाहिए। नमूनों एवं निर्माण प्रक्रिया की जांच से यह भी जाहिर हुआ है कि कुछ ही निर्माता ऐसे हैं, जो मुख्य रूप से न्यूट्रल अल्कोहल या एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल से पेय पदार्थ बनाते हैं। इनमें मानक अल्कोहलिक ड्रिंक्स जैसा विशिष्ट स्वाद नहीं होता, इसलिए बाद में कृत्रिम फ्लेवर मिलाया जाता है, ताकि उनमें वही खास स्वाद और सुगंध विकसित की जा सके। निर्माता इस मिलावट के जरिये शराब बनाने की जटिल प्रक्रिया, जिसमें फर्मेंटेशन, डिस्टिलेशन और लंबे समय तक भंडारण शामिल है, को दरकिनार कर उत्पाद को सीधे बाजार में उतार देते हैं। इससे समय व उत्पादन की जटिलताएं घटती हैं और मुनाफा बढ़ता है।

नियमों के अंतर्गत इस प्रकार के छद्म अल्कोहल पेय की बिक्री उनके मूल नामों के स्थान पर उसके समान फ्लेवर्ड की तरह की जानी चाहिए, अन्यथा वह दंडनीय अपराध है। विश्लेषण से पता चला कि लेबल पर शराब की उम्र को लेकर ऐसे भ्रामक दावे किए गए थे, जो ब्लेंड में इस्तेमाल की गई सबसे कम उम्र की स्पिरिट की वास्तविक उम्र से भी मेल नहीं खाते। नतीजतन, उपभोक्ता तथाकथित पुरानी शराब के नाम पर अधिक कीमत चुकाता है। कई मामलों में निर्माता थोड़ी मात्रा में पुरानी स्पिरिट मिलाकर पूरे मिश्रण को अधिक पुराना बताकर बाजार में बेचते हैं।

दावों में शराब को जौ जैसे अनाज या फलों से तैयार किया जाना बताया जाता है, जबकि वास्तविकता इससे काफी अलग है। इसी तरह, इसकी निर्माण प्रक्रिया में इसे ओकवुड, यानी बलूत या बांज की लकड़ी में गलाकर तैयार करने की बात कही जाती है, जबकि वास्तव में ओक की लकड़ी का इस्तेमाल मुख्यत: शराब में विशेष स्वाद और सुगंध लाने के लिए किया जाता है। प्रचलित नियमों के तहत शराब को परिपक्व (मैचर्ड) घोषित करने के लिए उसे उपयुक्त लकड़ी के वैट या बैरल में, अथवा ओक चिप्स के साथ कम से कम एक वर्ष तक रखना आवश्यक है। अल्कोहलिक पेय में आमतौर पर ग्लिसरीन, कैरेमल कलर, ओक का चूरा या अर्क और शक्कर मिलाई जाती है। इनका इस्तेमाल स्वाद और टेक्सचर बदलने के साथ पेय को लंबे समय तक बैरल में रखने और डिस्टिलेशन से मिलने वाली विशेषताओं जैसा प्रभाव देने के लिए किया जाता है। इससे पेय में शक्कर और कैलोरी की मात्र भी अनावश्यक रूप से बढ़ जाती है। ग्लिसरीन शराब को मुंह में अधिक मुलायम एहसास देती है और अल्कोहल की तीखी जलन को कम कर देती है। कैरेमेल मिलाने से शराब का रंग गहरा हो जाता है, जिससे वह कई वर्षों तक बैरल में परिपक्व की गई शराब जैसी दिखाई पड़ती है।

शराब की अपनी खामियों के मध्य, इन गैर-कानूनी मिलावटों के कारण दुष्प्रभाव कई गुना बढ़ जाते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि शराब उपभोक्ता अक्सर लेबल पर दी गई जानकारी पर ध्यान नहीं देते, जिससे उन्हें निर्माण में इस्तेमाल वास्तविक सामग्री का पता नहीं चल पाता। वहीं, निर्माता भी इस धारणा से परिचित हैं कि शराब का सेवन अक्सर बिना उसकी संरचना पर गौर किए किया जाता है। नियमों के तहत शराब की बोतल पर अवयवों के अतिरिक्त उसके दुष्प्रभाव, उपभोग अवधि, भंडारण तापमान आदि भी अंकित किए जाने चाहिए, लेकिन व्यवहार में इन पर विरले ही ध्यान दिया जाता है।

अत: उपभोग की जाने वाली वस्तु चाहे शराब ही क्यों न हो, उसकी शुद्धता के बारे में सजगता अत्यंत आवश्यक है। अनभिज्ञता का दंड न सिर्फ जेब, बल्कि स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। खरीद से पहले लेबल को भलीभांति देखना ही समझदारी है।

फूल सुगंध का हिसाब नहीं रखता, बस खिलता है

देवेश त्रिपाठी

कल्पना कीजिए, सुबह आपके घर की खिड़की के बाहर एक गुलाब खिला है। उसने रात भर किसी से यह नहीं पूछा कि सुबह कौन उसे देखेगा। उसने यह भी नहीं सोचा कि उसकी सुगंध कितनों तक पहुंचेगी। उसे इस बात की फिक्र नहीं कि पास वाला फूल उससे ज्यादा सुंदर है। वह तो बस खिला है। यही फूल का रहस्य है और मनुष्य के जीवन का भी। मनुष्य का दुख यह नहीं कि उसके भीतर सुंदरता, प्रतिभा या प्रेम कम है, बल्कि यह है कि वह अपने जीवन को जीने से पहले ही उसके नतीजों के बारे में सोचने लगता है। और उनका जीवन महज हिसाब-किताब बनता चला जाता है। इसलिए, मैं कहता हूं कि फूल से भी सीखो। फूल यह नहीं जानता कि उसकी खुशबू कहां तक जाएगी, फिर भी वह खुशबू फैलाता रहता है।

एक गुलाब को गुलाब होने के लिए किसी पहचान की जरूरत नहीं होती। वह कमल बनने की भी कोशिश नहीं करता। प्रकृति ने हरेक को उसकी अपनी पहचान और संभावना दी है। लेकिन, मनुष्य ने इस सरल सत्य को भुला दिया है। हम दूसरे मनुष्यों को देखकर अपना जीवन निर्धारित करने लगते हैं। इसलिए, अपने जीवन को दूसरे के जैसा बनाने में मत खपाओ। तुम्हारे भीतर जो संभावना है, उसे पहचानो। तभी तुम्हारे भीतर एक नया जीवन जन्म लेगा। तब तुम फूल की तरह खिलना शुरू करोगे। फूल कभी भी यह नहीं कहता कि जब मौसम मेरे अनुकूल होगा, तब ही खिलूंगा। वह तो बस खिलता रहता है। खिलना उसका स्वभाव है। अगर मनुष्य भी हमेशा अच्छे वक्त के इंतजार में बैठा रहे, तो उसका जीवन प्रतीक्षा में ही समाप्त हो जाएगा। जीवन हमेशा कुछ अधूरापन लिए हुए और मुश्किलों व अनिश्चितताओं से भरा होता है। इसीलिए, अपने जीवन को अभी जीना शुरू करो। लेकिन, अपने कर्म की सुगंध का हिसाब मत रखो। यह सबसे कठिन शिक्षा है। फूल की सुंदरता इस बात में है कि वह अपने खिलने को प्रदर्शन नहीं बनाता। वह बस अपना स्वभाव पूरा करता है। मनुष्य भी तब सुंदर होता है, जब उसका कर्म उसके अहंकार की घोषणा नहीं, उसके स्वभाव की अभिव्यक्ति बन जाता है। फूल की महक का कोई लेखा-जोखा नहीं होता। कोई उसे महसूस करता है, कोई नहीं। पर, फूल इस अंतर से दुखी नहीं होता। उसे पता है कि उसे तो बस महकना है। हमें भी अपने भीतर इसी तरह स्वतंत्र होना चाहिए।

इसलिए, हमेशा फूल की तरह खिलो और संभावनाओं को पहचानो। जब जीवन तुम्हारे सामने यह सवाल रखे कि तुमने क्या पाया, तो तुम कह सको कि मैंने अपने भीतर जो था, उसे पूरी तरह खिलने दिया। कोई पूछे कि तुम्हारी महक कितने लोगों तक पहुंची, तो मुस्कुराकर कहना कि मुझे नहीं मालूम। मैंने उसका हिसाब ही नहीं रखा। क्योंकि, फूल का धर्म सुगंध का हिसाब रखना नहीं, खिलना है।

इंसानी नादानी से उपजी चुनौती और हमारा दायित्व

डॉ. सुशील द्विवेदी

लेखक विज्ञान और पर्यावरण मामलों के जानकार हैं

पृथ्वी के समतापमंडल में मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाले हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण का बड़ा हिस्सा सोखकर मनुष्य, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षा प्रदान करती है। यह पृथ्वी का एक ऐसा अदृश्य सुरक्षा कवच है जिसकी मौजूदगी का अहसास हमें सामान्य दिनों में नहीं होता, लेकिन इसके कमजोर पड़ने का असर पूरी जैविक दुनिया के अस्तित्व पर पड़ सकता है। आसमान की ओर देखने पर नीला विस्तार दिखाई देता है, लेकिन उस नीले आकाश के ऊपर मौजूद यह ढाल जीवन की कल्पना को संभव बनाती है। इसीलिए 16 सितंबर केवल पर्यावरण से जुड़ी एक औपचारिक तारीख नहीं है। यह उस अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और राजनीतिक प्रयास की याद दिलाता है, जिसने दुनिया को यह सिखाया कि यदि विज्ञान समय रहते खतरे की पहचान करे और सभी देश मिलकर कार्रवाई करें, तो वैश्विक पर्यावरणीय संकट को पलटा भी जा सकता है।

वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया और उसके बाद ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन तथा उपभोग को चरणबद्ध तरीके से कम किया गया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम 'ग्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लेनेट' यानी ठंडी और अधिक टिकाऊ पृथ्वी के लिए वैश्विक कार्रवाई रखी गई है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के दस वर्ष पूरे होने से भी जुड़ी है, जिसने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन यानी एचसीएफसी और एचएफसी को चरणबद्ध रूप से कम करने और अधिक ऊर्जा-कुशल शीतलन व्यवस्था की दिशा में दुनिया को आगे बढ़ाया है। यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अंतर समझना जरूरी है कि हर ओजोन परत समान नहीं होती। समतापमंडल का ओजोन हमारा रक्षक है, जबकि धरातल के पास बनने वाला ट्रोपोस्फेरिक ओजोन वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण घटक है और मानव स्वास्थ्य तथा वनस्पतियों के लिए हानिकारक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में बढ़ती गर्मी, जंगलों की आग और वायुमंडलीय रसायन इन दोनों स्तरों की जटिलताओं को और अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कारण लगभग 99 प्रतिशत नियंत्रित ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध किया जा चुका है और वैज्ञानिक आकलन लंबे समय से ओजोन परत के पुनरुद्धार की दिशा में प्रगति की पुष्टि करते रहे हैं। हालांकि, 'नेचर कम्यूनिकेशन' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग अपेक्षा से कहीं अधिक उत्सर्जन पैदा कर सकता है। यदि ये उत्सर्जन वर्तमान स्तरों पर जारी रहे, तो मध्य-अक्षांशों में ओजोन परत की रिकवरी लगभग 7 वर्ष तक पीछे खिसक सकती है।

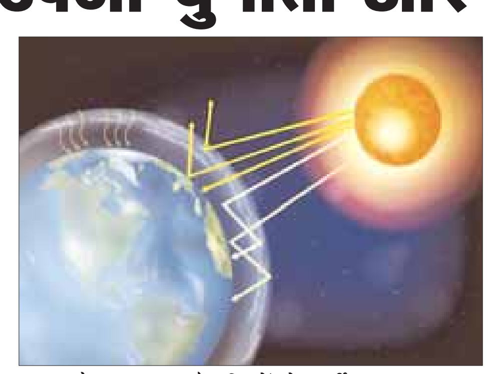

इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने पूर्वी एशिया में हैलॉन-2402 नामक शक्तिशाली ओजोन-क्षयकारी पदार्थ के उत्सर्जन में फिर से बढ़ोतरी के प्रमाण पाए हैं। अध्ययन के अनुसार 2008 से 2023 के बीच पूर्वी एशिया से इसके उत्सर्जन का संचयी अनुमान लगभग 52 गीगाग्राम सीएफसी-11 इक्विवेलेंट रहा और 2015 के बाद इस क्षेत्र के उत्सर्जन ने वैश्विक प्रवृत्ति को प्रभावित किया है। अगस्त 2026 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि वैज्ञानिकों ने उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर लगभग 21 से 23 किलोमीटर की ऊंचाई पर असामान्य रूप से अधिक ओजोन की एक मोटी परत देखी। यह संरचना पूर्वी भारत के लिए सामान्य मात्रा से काफी अधिक थी और एक दिन से ज्यादा समय तक बनी रही। भारतीय वैज्ञानिकों ने देशभर के वायुमंडलीय रडार, मौसम गुब्बारों, उपग्रहों और वायुमंडलीय मॉडलों को एक साथ इस्तेमाल किया। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज के स्वदेशी रडार सहित कई केंद्रों से मिले आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद की कि वायुमंडल में ओजोन का परिवहन किस तरह होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस घटना के पीछे ओजोन-समृद्ध वायु का परिवहन, उसके बाद नीचे की ओर वायुमंडलीय गति और वायु-द्रव्यमान का संपीड़न प्रमुख कारण थे। यह उदाहरण बताता है कि ओजोन परत कोई स्थिर, समान मोटाई वाली चादर नहीं है। वायुमंडलीय परिसंचरण, हवाएं, तापमान और रासायनिक प्रक्रियाएं लगातार इसकी संरचना और वितरण को प्रभावित करती हैं। भारत और नेपाल का पर्यावरणीय भविष्य अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। नेपाल में ऊंचाई के कारण पराबैंगनी विकिरण का सवाल विशेष महत्व रखता है। नेपाल के भैरहवा, पोखरा और लुम्ले में किए गए एक अध्ययन में यूवी इंडेक्स में उल्लेखनीय मौसमी और स्थानिक अंतर दर्ज किए गए। विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले लुम्ले और पोखरा में कुछ अवधियों के दौरान यूवी इंडेक्स काफी ऊंचा पाया गया। इसका मतलब यह नहीं कि नेपाल या हिमालय में ओजोन परत खत्म हो रही है, बल्कि संदेश यह है कि ऊंचाई, सूर्य की स्थिति, बादल, वायुमंडलीय संरचना और ओजोन की मात्रा मिलकर सतह तक पहुंचने वाले यूवी विकिरण को प्रभावित करते हैं। इसलिए हिमालयी देशों को स्थानीय यूवी निगरानी, मौसम विज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी प्रणालियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारत और नेपाल के लिए यह सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन तेजी से बदलती परिस्थितियां पैदा कर रहा है। दक्षिण एशिया में गर्मी लगातार बढ़ रही है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर और शीतलन प्रणालियों की मांग भी तेजी से बढ़ेगी। भारत और नेपाल जैसे तेजी से विकसित हो रहे देशों के सामने चुनौती दोहरी है-एक तरफ लोगों को सुरक्षित और सस्ता शीतलन उपलब्ध कराना और दूसरी तरफ ऐसी तकनीक अपनाना जो जलवायु तथा ओजोन दोनों के लिए सुरक्षित हो। यहीं किगाली संशोधन का महत्व सामने आता है। एचएफसी ओजोन परत को सीधे नष्ट नहीं करते, लेकिन उनमें से कई शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें हैं। इसलिए अगली पीढ़ी की चुनौती केवल ओजोन-क्षयकारी गैसों को हटाना नहीं, बल्कि कम ग्लोबल-वॉर्मिंग क्षमता वाली और अधिक ऊर्जा-कुशल शीतलन तकनीक विकसित करना है।

पिघल रहे हैं धरती के दोनों ध्रुव... ग्रीनलैंड-अंटार्कटिका से गायब हो गई 12 लाख करोड़ टन बर्फ

वॉशिंगटन

हाल ही में विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक डेटा में छपी एक बड़ी और चौंकाने वाली वैज्ञानिक रिपोर्ट ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों की नींद उड़ा दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ दशकों में हमारी धरती तेजी से गर्म हो रही है, जिसका सबसे बुरा असर पोलर रीजन यानी उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव पर पड़ रहा है। रिपोर्ट की बातों को ऐसे समझा जा सकता है कि साल 1979 से लेकर अब तक ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से 12.5 ट्रिलियन टन यानी करीब 11.3 लाख करोड़ मीट्रिक टन बर्फ पिघल चुकी है। यह बर्फ इतनी यादा है कि अगर इसे पूरे अमेरिका महाद्वीप पर फैला दिया जाए, तो वहां 5 फीट गहरी बर्फ की चादर बिछ जाएगी। गौर करने वाली बात यह है कि पिघली हुई यह बर्फ लगभग 3 क्वाड्रिलियन गैलन यानी 11.3 क्वाड्रिलियन लीटर पानी में बदल गई। इसकी वजह से साल 1979 से अब तक दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर करीब 1 इंच यानी 3.1 सेंटीमीटर बढ़ चुका है।

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि आम तौर पर लोगों को लगता है कि हवा गर्म होने से बर्फ पिघल रही है, लेकिन यह स्टडी इससे बिल्कुल अलग सच सामने लाती है। रिपोर्ट बताती है कि इस पिघलाव का पांचवा और छठा हिस्सा ऊपर की गर्म हवा की वजह से नहीं, बल्कि समुद्र के गर्म पानी की वजह से हो रहा है।

इसका कारण है कि गर्म पानी नीचे और किनारों से बर्फ की परतों को लगातार काट रहा है, जिससे ग्लेशियर टूटकर तेजी से महासागरों में बह रहे हैं। इसके अलावा जारी रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि ग्रीनलैंड का जकोबशवन ग्लेशियर अब एक दिन में 164 फीट यानी 50 मीटर तक पीछे खिसक रहा है।

नार्थुम्ब्रिया यूनिवर्सिटी की आइस साइंटिस्ट और इस स्टडी की मुख्य लेखिका इनेस ओतोसाका के मुताबिक, सुनने में 1 इंच का यह आंकड़ा बहुत छोटा लग सकता है, लेकिन इसके परिणाम भयानक हैं। इस बात को ऐसे समझिए कि समुद्र का जलस्तर हर एक तिहाई इंच बढ़ने पर दुनिया भर में 20 से 30 लाख लोग ऐसे हैं जिनके घरों और इलाकों में हर साल कम से कम एक बार बाढ़ आने का खतरा पैदा हो जाता है और बड़ा कारण यह भी है कि जैसे-जैसे समुद्र का स्तर ऊपर उठेगा, दुनिया भर के तटीय इलाके और भी यादा असुरक्षित हो जाएंगे।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसीके नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने इस बार नासा के पुराने सैटेलाइट्स की मदद ली और अंटार्कटिका के आंकड़े 1979 तक और ग्रीनलैंड के आंकड़े 1972 तक खंगाल डाले। इससे यह साफ पता चला कि 70, 80 और 90 के दशक में बर्फ की ये परतें काफी हद तक स्थिर थीं। इसके बाद 2010 के दशक में बर्फ पिघलने की रफ्तार तेजी से बढ़ी और इसने विकराल रूप ले लिया। दूसरी ओर सैटेलाइट्स तस्वीर में खुलासा हुआ है कि बीच में तीन साल यानी 2020-23 ऐसे आए जब बर्फ पिघलने की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सिर्फ मौसम में बदलाव के कारण हुआ था। इसके बाद साल 2023 के बाद आंकड़े देखने पर पता चला है कि बर्फ के तेजी से पिघलने का यह ट्रेंड फिर से शुरू हो चुका है। इसके अलावा गौर करने वाली बात यह भी है कि अंटार्कटिका में कुछ स्थिरता इसलिए बनी रही, क्योंकि पूर्वी अंटार्कटिका में रिकॉर्ड बर्फबारी हुई थी, जिसने पश्चिमी अंटार्कटिका में हो रहे तेजी से नुकसान की भरपाई कर दी थी।

गौरतलब है कि स्टडी से जुड़े यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के वैज्ञानिक एरिक रिग्नोट का कहना है कि अब खतरा बिल्कुल साफ है। वहीं, न्यूयार्क यूनिवर्सिटी के आइस साइंटिस्ट डेविड हॉलैंड ने चेतावनी दी है कि यादातर बर्फ का नुकसान डायनेमिक यानी तेजी से होने वाली हलचल तरीकों से हो रहा है, जो किसी भी वक्त कोलैप्स सिनेरियो यानी विनाशकारी ढहने की स्थिति को जन्म दे सकता है।

दूसरी तरफ वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर दशकों बाद इन ग्लेशियरों पर दिखता है। यानी आज अगर हम धरती को गर्म होने से रोक भी लें, तब भी आने वाले कई दशकों तक यह पिघलाव थमेगा नहीं।

बलोच लड़ाकों ने ली 43 पाक सैनिकों की जान
शहबाज सरकार को दे दी आखिरी वॉर्निंग

इस्लामाबाद

बलोच लिबरेशन आर्मी ने पिछले हफ्ते बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर 13 सुनियोजित हमले किए। संगठन का कहना है कि उसके लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना और सरकार से जुड़े डेथ स्क्वाड के 43 लोगों को मार गिराया। BLA के प्रवक्ता जियांद बलोच ने बताया कि बेसिमा, खारान, पंजगुर, चगाई, सुराब, किला अब्दुल्ला और अवारां में सड़क जाम करने और टारगेटेड हमले करने जैसे ऑपरेशन चलाए गए। इन जगहों पर पाकिस्तानी सेना के दो सैनिकों के मारे जाने का भी दावा किया गया।

बलोच लिबरेशन आर्मी पाकिस्तान सरकार के खिलाफ पूरी तरह विद्रोह कर रही है। इस विरोध को जताने के लिए जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं

बलोच कई बार पाकिस्तानी सेना पर हमले भी कर चुके हैं। बलोच लड़ाकों ने दावा किया है कि बीते एक हफ्ते में उन्होंने पाकिस्तानी सेना के जवानों पर 13 हमले किए, जिनमें पाक सेना के 43 सैनिक मारे। बीएलए के प्रवक्ता के बयान के मुताबिक, इनके समूह ने अचानक चेकिंग करने और सैनिकों की आवाजाही रोकने के लिए बेसिमा-कपुक और क्वेटा-ताफ्टान ट्रेड रूट पर कई घंटों तक जाम लगाया। संगठन ने दावा किया कि 13 सितंबर को किला अब्दुल्ला के सुल्तान चरक में सरकार समर्थक स्थानीय मिलिशिया पर घात लगाकर किए गए हमले में 25 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे, जिसके बाद सेना की अतिरिक्त टुकड़ियों के साथ चार घंटे तक मुठभेड़ चली। समूह ने यह भी दावा किया कि उसके फतेह स्क्वाड ने लासबेला में नौ सैनिकों को मार गिराया, जबकि एक अन्य ऑपरेशन में जिवानी में सेना के चार इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स को निशाना बनाया गया। संगठन ने कहा कि उसके लड़ाकों ने पंजगुर में सर्विलांस इक्विपमेंट नष्ट कर दिए और अपनी इकोनॉमिक नाकेबंदी के तहत माचिल में लिथियम निकालने वाली जगह पर मशीनरी जला दी। बीएलए ने साफ तौर पर पाक सरकार को चुनौती देते हुए कहा है कि जब तक पाकिस्तानी सुरक्षा बल इस इलाके से पूरी तरह हट नहीं जाते, तब तक वह सशस्त्र संघर्ष जारी रखेगा। संगठन ने सोमवार को एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें बलोच लड़ाकों को क्वेटा-ताफ्टान हाईवे पर 14 पोस्ट पर कब्जा करते हुए दिखाया गया है।

राष्ट्रपति मैक्रॉन ने सरकार को ईंधन संकट हल करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आदेश दिया

पेरिस (वार्ता)। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने सरकार को देश में ईंधन संकट को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आदेश दिया है। फ्रांस सरकार की प्रवक्ता मौड ब्रेगॉन ने बुधवार को यह जानकारी दी। फ्रांस के वित्त मंत्री रोलैंड लेस्क्योर ने गत 11 सितंबर को कहा था कि फरवरी में ईरान से जुड़े संघर्ष के शुरू होने के बाद ईंधन की कीमतों में जो उछाल आया था, वह लंबे समय तक ऊँचा बना रहेगा। देश में डीजल की कीमत 2.30 यूरो प्रति लीटर और गैसोलीन की कीमत 2.10 यूरो प्रति लीटर तक पहुँच गई है। यह संकट से पहले की तुलना में औसतन लगभग 30 प्रतिशत अधिक है। सुश्री ब्रेगॉन ने एक ब्रीफिंग के दौरान कहा, राष्ट्रपति ने अपनी सरकार से कहा है कि वे एक तरफ ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करने और दूसरी तरफ कीमतों को नियंत्रित करने के लिए पूरी तरह से जुट जाएं। समाचार पत्र ले फिगारो ने प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के सहयोगियों के हवाले से खबर दी है कि लेकोर्नू ने ईंधन की बढ़ती कीमतों से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों को सहायता देने वाले उपायों को 31 दिसंबर तक बढ़ाने का आदेश दिया है। सरकार ने मई में घोषणा की थी कि प्रभावित क्षेत्रों के लिए कुल सहायता राशि बढ़ाकर 1.2 अरब यूरो कर दी गई है।

राजनाथ, योगी और नायडू ने काशी विश्वनाथ मंदिर में किया पूजन, मोदी के लिए मांगी दीर्घायु

वाराणसी (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और अन्य राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

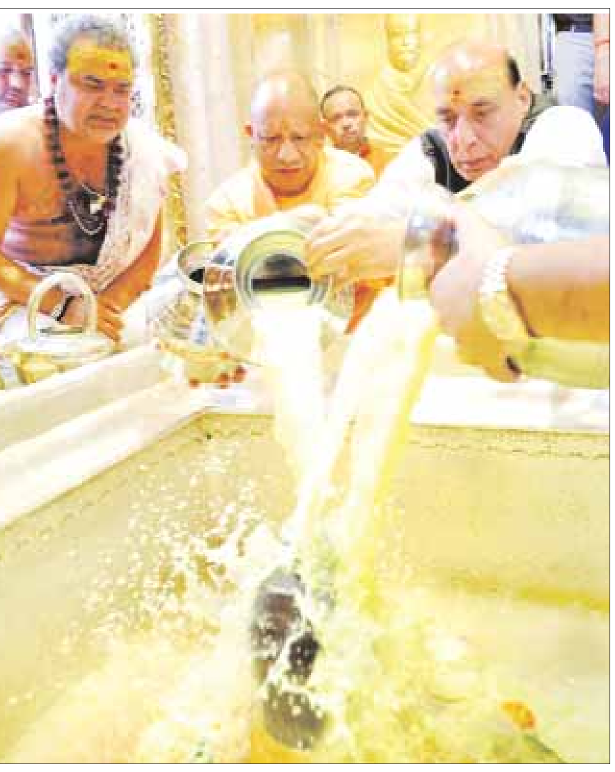

श्री सिंह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री का जन्मदिवस है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत अन्य नेता काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजन-अर्चन के लिए आए हैं। सभी ने विधिवत पूजा कर भगवान से प्रधानमंत्री को दीर्घायु एवं आजीवन स्वस्थ रखने की प्रार्थना की, ताकि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन गौरव और सौभाग्य का है। सभी ने मिलकर बाबा विश्वनाथ की विशेष पूजा और अनुष्ठान किया तथा प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री लंबे समय तक देश का नेतृत्व करते रहें, जिससे 140 करोड़ देशवासियों के आत्मनिर्भर, सुरक्षित और विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सके तथा भारत विश्व की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़े।

श्री नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिवस काशी में बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेकर मनाया जा रहा है। काशी एक ऐतिहासिक शहर है और यहां की अनुभूति अलग है। प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सार्वजनिक जीवन की यात्रा लगातार भारत के लिए समर्पित रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नेताओं ने काशी विश्वनाथ धाम में स्वच्छता प्रहरियों और मंदिर के पुजारियों का सम्मान किया तथा श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया।

सत्य निकेतन हादसे के मृतकों की तेरहवीं से पहले मोदी का जन्मदिन मनाने पर आप ने भाजपा को घेरा

नयी दिल्ली, (वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) ने सत्य निकेतन पीजी हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों की तेरहवीं से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाए जाने को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सत्य निकेतन में मातम के बीच भाजपा प्रधानमंत्री का जन्मदिन दिवाली की तरह मना रही है। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर को हादसे में मृत छात्रों की तेरहवीं है और ऐसे समय में जश्न मनाना असंवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने एक्स पर साझा एक वीडियो में कहा कि छह सितंबर को सत्य निकेतन पीजी में दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों समेत सात लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि हिंदू सनातन रीति-रिवाजों के अनुसार 18 सितंबर को मृतकों की तेरहवीं होनी है। उन्होंने दावा किया कि तेरहवीं तक सूतक का समय माना जाता है और ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर हर्षोल्लास से कार्यक्रम आयोजित करना उचित नहीं है। उन्होंने देशवासियों और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों से इस घटनाक्रम पर ध्यान देने की अपील की। आप नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के नाम पर जगह-जगह दीये जलाना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा हवन करना शोक के माहौल के विपरीत है।

रूस-ईरान प्रतिबंध कानून

भारत ने कहा, ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोतों से जारी रहेगी खरीद

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारत ने अमेरिकी कांग्रेस में रूस-ईरान प्रतिबंध कानून पारित होने पर सधी हुई प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि वह इस मामले में आगे के घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है और देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि भारत ने इस विषय का संज्ञान लिया है। सरकार इस मामले में आगे के घटनाक्रम पर नजर रख रही है। मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। इसके लिए भारत बदलती बाजार परिस्थितियों के आधार पर विविध स्रोतों से ऊर्जा की खरीद जारी रखेगा।

वक्तव्य में कहा गया है कि पिछले कुछ महीनों में इस मुद्दे पर सरकार की ओर से विभिन्न अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तर पर चर्चा हुई है। भारतीय पक्ष ने इस कानून के संभावित प्रभावों को न केवल भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार के संदर्भ में भी स्पष्ट रूप से सामने रखा है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने कहा कि इन घटनाक्रमों के प्रभावों से निपटने के लिए वह भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी। अमेरिकी संसद द्वारा पारित लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 रूस और ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने वाला एक नया विधेयक है। इस कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस से कच्चा तेल या प्राकृतिक गैस खरीदने वाले शीर्ष पांच देशों तथा प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वालों पर 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने का अधिकार है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अनंत नाग का पांच दशक से लंबा रहा है सिनेमाई सफर

कन्नड़ सिनेमा में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिये पहचाने जाने वाले अनंत नाग ने विभिन्न भारतीय भाषाओं की फिल्मों के अलावा रंगमंच, समानांतर सिनेमा और टेलीविजन में भी काम किया है। पांच दशक से अधिक लंबे करियर में वह 300 से अधिक फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें 250 से अधिक कन्नड़ फिल्में शामिल हैं। चार सितंबर 1948 को कर्नाटक के शिराली में जन्मे अनंत नागरकट्टे ने अभिनय की दुनिया में आने के बाद अनंत नाग नाम से पहचान बनाई। उनका प्रमुख योगदान कन्नड़ सिनेमा में रहा है, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय का दायरा एक भाषा तक सीमित नहीं रखा। कन्नड़ के साथ उन्होंने हिंदी, तेलुगु, तमिल, मराठी, मलयालम और अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में भी अभिनय किया। अनंत नाग की शुरुआती शिक्षा उडुपी के अज्जरकाड स्थित कैथोलिक स्कूल, दक्षिण कन्नड़ के आनंद आश्रम और तत्कालीन मैसूर राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले स्थित चित्रापुर मठ में हुई। नौवीं कक्षा में उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए मुंबई भेज दिया गया। उन्होंने कोंकणी, कन्नड़ और मराठी भाषाओं के नाटकों में अभिनय किया और 22 वर्ष की उम्र तक रंगमंच से जुड़े रहे। रंगमंच के इसी अनुभव ने आगे चलकर उनके अभिनय करियर को मजबूत आधार दिया। थिएटर में काम करने के दौरान उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदारों को निभाने का अनुभव हासिल किया। यही अनुभव बाद में उनके फिल्मी अभिनय में भी दिखाई दिया। रंगमंच के बाद उन्होंने फिल्मों का रुख किया और वर्ष 1973 में कन्नड़ फिल्म संकल्प से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। फिल्मों में शुरुआत के बाद अनंत नाग ने कन्नड़ सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने सामाजिक, पारिवारिक और गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। उनकी अभिनय शैली में सहजता और स्वाभाविकता को प्रमुखता मिली। इसी कारण वह समानांतर सिनेमा से लेकर मुख्यधारा की फिल्मों तक अलग-अलग तरह की भूमिकाओं में नजर आते रहे। अनंत नाग का करियर भारतीय सिनेमा के कई महत्वपूर्ण बदलावों का साक्षी रहा है। जिस दौर में उन्होंने फिल्मों में कदम रखा, उस समय कन्नड़ सिनेमा में नये प्रयोग हो रहे थे। समानांतर सिनेमा के उभार से लेकर मुख्यधारा की लोकप्रिय फिल्मों और बाद के आधुनिक सिनेमा तक उन्होंने अलग-अलग दौर में काम किया। पांच दशक से अधिक लंबे सफर में 300 से अधिक फिल्मों का हिस्सा बनना अनंत नाग की निरंतर सक्रियता को दर्शाता है। कन्नड़ सिनेमा में उनका योगदान सबसे व्यापक रहा, लेकिन अन्य भारतीय भाषाओं की फिल्मों, रंगमंच, समानांतर सिनेमा और टेलीविजन में उनकी मौजूदगी ने उनके अभिनय सफर को व्यापक बनाया। अलग-अलग पीढ़ियों के दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले अनंत नाग आज भी भारतीय सिनेमा के लंबे और विविधतापूर्ण अभिनय सफर के लिये जाने जाते हैं।

कृति खरबंदा के हिंदी सिनेमा में दस साल

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने हिंदी सिनेमा में अपने सफर के दस साल पूरे कर लिये हैं। वर्ष 2016 में राज़ रीबूट से हिंदी फिल्मों में शुरुआत करने के बाद कृति ने अलग-अलग शैलियों और भूमिकाओं में काम किया। कृति ने गेस्ट इन लंदन, शादी में जरूर आना, हाउसफुल 4, पागलपंती और 14 फेरे जैसी फिल्मों में अभिनय किया। हॉरर, रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा जैसी विभिन्न शैलियों में काम करते हुए उन्होंने अपने किरदारों में विविधता दिखाई। उन्होंने खुद को किसी एक तरह की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। रिश्तों और भावनाओं पर आधारित कहानियों के साथ-साथ मल्टीस्टारर मनोरंजक फिल्मों का भी हिस्सा बनीं। कृति ने ओटीटी पर भी कदम रखा और राणा नायडू के दूसरे सीजन में नजर आयीं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद करेली, जिला – नरसिंहपुर (म.प्र.)

(Main Road, Kareli Phone : 07793-270046 Email : cmokareli@mpurban.gov.in)

पत्र क्र. 2100-2101 / ई–टेण्डर / 2026–27 — करेली, दिनांक 16/09/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	निविदा आमंत्रण क्रमांक	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	6
1	द्वितीय आमंत्रण	2026_UAD_536384_1 17.09.2026	जयप्रकाश वार्ड में राजा मुटरेजा से राजेश गुप्ता एवं राधेश्याम अग्रवाल से होते हुए रवि होतवानी तक एवं दिव्या होतवानी, सुनील रसवंती के मकान से छत्ता राम सिंधी से होते हुए रांकई रोड तक डामलीकरण, पेवर ब्लॉक, नाली मरम्मत एवं नाली कवर्ड करने का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	05 माह 2512360.00	5000.00 18850.00	22.10.2026
2		2026_UAD_536385_1 17.09.2026	महेन्द्र वार्ड में अर्चना साड़ी से हनुमान मंदिर होते हुए राजू पटेल के मकान तक नाली निर्माण एवं राजू पटेल से अमृत पार्क तक, शिवकुमार चौहान से अमृत पार्क तक, तोडल पटेल से उमा पटेल तक एवं अर्चना साड़ी से मानसिंह रघुवंशी तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	05 माह 2394152.00	5000.00 17960.00	22.10.2026
3		2026_UAD_536386_1 17.09.2026	महादेव वार्ड में कमलेश पटेल से मालवीय आटा चक्की तक सीमेंटीकरण एवं नाली में प्रीकास्ट रखने का कार्य तथा जित्तू किराना से अनंत चौधरी के मकान तक सीमेंटीकरण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	05 माह 2351244.00	5000.00 17640.00	22.10.2026
4		2026_UAD_536387_1 17.09.2026	जयप्रकाश वार्ड में गौरव अग्रवाल के मकान से हीरा भाउ की दुकान तक सी.सी. रोड निर्माण एवं नाली कवर्ड करने का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	04 माह 1985651.00	2000.00 14900.00	22.10.2026
5		2026_UAD_536388_1 17.09.2026	नरसिंह वार्ड में अकबर खान के मकान से दीपक शर्मा के मकान तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	04 माह 1521998.00	2000.00 11420.00	22.10.2026
6		2026_UAD_536389_1 17.09.2026	महादेव वार्ड में एस.एस. नेमा के मकान से बंटी रघुवंशी के मकान होते हुए बल्लू भाईजान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	03 माह 1336080.00	2000.00 10020.00	22.10.2026
7		2026_UAD_536390_1 17.09.2026	हनुमान वार्ड में शुभम चौरसिया से बगीचा तक, दीपक नेमा से अभिषेक राजोरिया तक पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य एवं पप्पू पेटी वालो से भूरी ठाकुर तक नाली मरम्मत एवं प्रीकास्ट रखने का कार्य तथा स्वतंत्र पाठक से राजेन्द्र राजपूत से होते हुए राजू कहार तक पेवर ब्लॉक लगाने एवं नाली में प्रीकास्ट रखने का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	03 माह 1276739.00	2000.00 9580.00	22.10.2026
8	द्वितीय आमंत्रण	2026_UAD_536391_1 17.09.2026	राजेन्द्र वार्ड में शिव शक्ति चौक के पास धर्मशाला में अतिरिक्त निर्माण कार्य। (विधायक निधि) (द्वितीय आमंत्रण)	03 माह 700358.00	2000.00 7010.00	05.10.2026
9		2026_UAD_536392_1 17.09.2026	महादेव वार्ड में सोनू जैन से डॉ. के.एल. पपनेजा स्कूल के सामने तक नाली निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	03 माह 641898.00	2000.00 6420.00	05.10.2026
10		2026_UAD_536393_1 17.09.2026	अम्बेडकर वार्ड के पथरोली मोहल्ला में स्थित शौचालय का मरम्मत कार्य, पेवर ब्लॉक, नाली निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	03 माह 419457.00	2000.00 4200.00	05.10.2026
11		2026_UAD_536394_1 17.09.2026	राधावल्लभ वार्ड में उर्वसी ज्वेलर्स के सामने परशुराम स्तंभ के पास चबूतरे पर सौन्दर्यीकरण एवं अन्य निर्माण कार्य। (विधायक निधि) (द्वितीय आमंत्रण)	03 माह 387547.00	2000.00 3880.00	05.10.2026
12	चतुर्थ आमंत्रण	2026_UAD_536395_1 17.09.2026	महेन्द्र वार्ड में शिवम दुबे से सतीश विश्वकर्मा तक पेवर ब्लॉक लगाने एवं नाली निर्माण कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)	03 माह 940238.00	2000.00 9410.00	05.10.2026
13	तृतीय आमंत्रण	2026_UAD_536396_1 17.09.2026	जयप्रकाश, राधावल्लभ एवं लक्ष्मीनारायण वार्ड में श्वेताम्बर मंदिर के सामने से नाले तक, विकास डेयरी से नाले तक नाली निर्माण व पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य एवं इकबाल खान तथा भूपेन्द्र पटेल के सामने सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	04 माह 1711921.00	2000.00 12840.00	05.10.2026
14		2026_UAD_536397_1 17.09.2026	राम वार्ड मुक्तिधाम के सामने पेवर ब्लाक, टो बॉल, घास लगाने एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	03 माह 599159.00	2000.00 6000.00	05.10.2026
15	चतुर्थ आमंत्रण	2026_UAD_536398_1 17.09.2026	लक्ष्मीनारायण वार्ड में सुभाष मैदान की बाउंड्रीवाल निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)	02 माह 695570.00	2000.00 6960.00	05.10.2026

नोट :– निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
करेली

हाईकोर्ट के आदेश को साठ दिन से कचरे में डाला, ड्राइवर ने आज ठोकी अवमानना

छपारा नगर परिषद में वेतन के नाम पर बड़ा खेल, ठेकेदार को उन्नीस हजार सात सौ इक्कीस, मजदूर को सात हजार

सवाल यही है – क्या नगर परिषद स्वयं को हाईकोर्ट से ऊपर समझ रही है?

स्वतंत्र मत, छपारा अभिषेक राजपूता। नगर परिषद छपारा की दोहरी कहानी अब पूरी तरह बेनकाब हो गई है। बाहर शहर में कचरे के ढेर, बजबजाती नालियां, गंदगी और बदबू से जनता परेशान है, तो अंदर दफ्तर में कागजों पर लाखों-करोड़ों का खेल चल रहा है। विगत साढ़े चार साल में हुए सैकड़ों भ्रष्टाचारों की भरपाई अगले पाँच साल में भी संभव नहीं है। इसी बीच स्वतंत्र मत की पड़ताल में लगभग दो साल पुराने दो ऐसे पुख्ता दस्तावेज हाथ लगे हैं, जिन्होंने पूरी नगर परिषद और ठेकेदार की मिलीभगत को उजागर कर दिया है।

ड्राइवर ही बना याचिकाकर्ता

यह लड़ाई किसी बाहर के व्यक्ति ने नहीं, बल्कि खुद नगर परिषद में टिप्पर चलाने वाले ड्राइवर अवधेश पटवा ने लड़ी है। जानकारी के अनुसार अवधेश पटवा उस समय नगर परिषद छपारा में कार्यरत था जब ठेका आउटसोर्स कंपनी न्यू जय अम्बे सिक्योरिटी सर्विस इंडिया प्रा. लि. सिवनी, संचालक अरुण कुमार यादव के पास था। वर्तमान में अवधेश पटवा जबलपुर नगर निगम में कार्यरत है, जबकि अरुण यादव का ठेका कब का समाप्त हो चुका है। इस समय नगर परिषद छपारा में कोई नया टेंडर नहीं हुआ है और पूरा काम नगर परिषद खुद देख रही है, लेकिन पुराने वेतन का हिसाब आज तक नहीं दिया गया। न्यूनतम वेतन न मिलने, ईपीएफ और ईएसआईसी का लाभ न मिलने और शोषण के खिलाफ उसने हाईकोर्ट जबलपुर का दरवाजा खटखटाया। याचिका क्रमांक डब्ल्यू पी छब्बीस हजार तीन सौ सत्तानवे बटा दो हजार छब्बीस दायर की गई। पैरवी अधिवक्ता रूबी हल्दकार ने की।

कोर्ट का आदेश

हाईकोर्ट का आदेश और साठ दिन की उल्टी गिनती पूरी

माननीय जस्टिस विवेक कुमार सिंह ने पंद्रह जुलाई दो हजार छब्बीस को स्पष्ट आदेश दिया था कि याचिकाकर्ता के प्रतिवेदन दिनांक बारह सितंबर दो हजार पच्चीस का निराकरण न्यूनतम वेतन अधिनियम उन्नीस सौ अड़तालीस की धारा बारह के तहत बारह प्रतिशत ब्याज सहित साठ दिन के भीतर सकारण किया जाए। आज पंद्रह सितंबर दो हजार छब्बीस को साठ दिन की अवधि पूरी हो गई है। नगर परिषद छपारा द्वारा आज तक कोई सकारण आदेश पारित नहीं किया गया है। जब इस संबंध में नगर परिषद अध्यक्ष से फोन पर संपर्क किया गया तो पहले कॉल रिसीव नहीं किया गया, दूसरी बार में गोल-मोल जवाब दिया गया कि अरुण यादव को नोटिस जारी कर दिया गया है। अब सवाल यह है कि जब ठेकेदार का कार्यकाल ही खत्म हो चुका है और कर्मचारी जबलपुर नगर पालिका में जा चुका है तो सिर्फ नोटिस देने से हाईकोर्ट के आदेश का पालन कैसे हो जाता है? यह सीधे-सीधे न्यायालय की अवमानना है। इसी कारण याचिकाकर्ता द्वारा आज ही हाईकोर्ट जबलपुर में अवमानना याचिका दायर कर दी गई है।

मुँह देखा वेतन - किसी को सात हजार, किसी को नौ हजार, अपनों को पूरी तनख्वाह

जांच में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। नगर परिषद में मुँह देखा काम हो रहा है। एक ही पद पर काम करने वाले किसी कर्मचारी को सात हजार, किसी को नौ हजार रुपये दिए जा रहे हैं, जबकि सगे-संबंधियों और चहेतों को आउटसोर्स में लगाकर कागजों पर पूरी तनख्वाह दिलवाई जा रही है। गरीब मजदूर धूप में पसीना बहा रहा है और अपनों की जेब भरी जा रही है।

टेंडर नोटशीट और बिल ही सबसे बड़ा सबूत

स्वतंत्र मत को मिली गोपनीय नोटशीट में साफ लिखा है कि आउटसोर्स कर्मचारी प्रदाय करने हेतु छह फर्मों ने टेंडर में भाग लिया था। तीन फर्में अपात्र पाई गईं। पात्र तीन फर्में थीं – मेटास सिक्योरिटी रायपुर, न्यू जय अम्बे सिक्योरिटी सिवनी और मैक्स सिक्योरिटी जबलपुर। इनमें सबसे कम दर न्यू जय अम्बे की थी इसलिए उसे ठेका दिया गया।

नगर परिषद द्वारा तय की गई दरें इस प्रकार थीं – उच्च कुशल कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु पाँच सौ अठासी रुपये सैंतालीस पैसे प्रतिदिन, कुशल वाहन चालक हेतु पाँच सौ आईस रुपये बारह पैसे प्रतिदिन, अर्द्धकुशल माली हेतु चार सौ पैंसठ रुपये एक पैसा प्रतिदिन और अकुशल भृत्य हेतु चार सौ छब्बीस रुपये साठ पैसे प्रतिदिन। इस हिसाब से एक कुशल ड्राइवर को छब्बीस दिन का तेरह हजार सात सौ इकतीस रुपये और तीस दिन का पंद्रह हजार आठ सौ तैंतालीस रुपये मिलना चाहिए। दूसरा सबसे बड़ा सबूत है टैक्स इनवाइस नंबर एनजेएएसएस बटा चौबीस पच्चीस बटा जीरो तीन सौ बावन दिनांक तीस नवंबर दो हजार चौबीस। बिल मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद छपारा के नाम से कटा है।

बिल में उल्लेख है – टिप्पर वाहन चालक पंद्रह नग, कुल हाजिरी चार सौ पचास, रेट चार सौ उन्यासी रुपये तेईस पैसे, मूल राशि दो लाख पंद्रह हजार छह सौ तिरेपन रुपये पचास पैसे, ईपीएफ आईस हजार चौंतीस रुपये छियानवे पैसे, ईएसआईसी सात हजार आठ रुपये चौहत्तर पैसे, जीएसटी अठारह प्रतिशत पैंतालीस हजार एक सौ पच्चीस रुपये उनचास पैसे, कुल योग दो लाख पचानवे हजार आठ सौ बाईस रुपये उनहत्तर पैसे। यानी एक ड्राइवर के नाम पर नगर परिषद से उन्नीस हजार सात सौ इक्कीस रुपये निकाले गए।

घोटाले का पूरा गणित

नगर परिषद कागजों में एक ड्राइवर पर उन्नीस हजार सात सौ इक्कीस रुपये ठेकेदार को दे रही है, जबकि जमीन पर ड्राइवर को मात्र सात हजार रुपये मिल रहे हैं। प्रति ड्राइवर बारह हजार सात सौ इक्कीस रुपये महीना गायब हो रहा है। पंद्रह ड्राइवरों का एक लाख नब्बे हजार आठ सौ पंद्रह रुपये महीना और चौवन महीने यानी साढ़े चार साल का कुल हिसाब एक करोड़ तीन लाख चार हजार दस रुपये बनता है। यह तो सिर्फ एक महीने के एक बिल की कहानी है। ऐसे सैकड़ों बिल पिछले साढ़े चार साल में पास हुए हैं। अगर हर बिल में यही खेल हुआ है तो घोटाला कई करोड़ में पहुंचेगा। अब देखना यह है कि हाईकोर्ट की अवमानना पर नगर परिषद अध्यक्ष और सीएमओ पर गाज गिरती है या फिर ये वेतन घोटाला ऐसे ही चलता रहेगा?

जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में चोरों का तांडवः एक ही रात में 5 घरों को बनाया निशाना, लाखों का माल पार

कान्हीवाड़ा सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने एक साथ पांच घरों को अपना निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के चांदी सोने के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना के बाद से स्थानीय रहवासियों और विद्यालय परिवार में दहशत का माहौल है।

चोरों ने विद्यालय परिसर के भीतर स्थित पांच अलग-अलग आवासों को एक ही रात में निशाना बनाया।

चोर घरों से सोने-चांदी के आभूषणों सहित नगदी रकम चुराकर फरार हो गए, जिससे पीड़ितों को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रतिष्ठित और सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर के अंदर इस तरह की बड़ी चोरी होने से संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र में चोरी की यह दूसरी बड़ी घटना है, जिससे स्थानीय पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है।

घटना की सूचना मिलते ही कान्हीवाड़ा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया, जो साक्ष्य जुटाने में जुटी हुई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के इलाकों के संदिग्धों से पूछताछ के साथ ही चोरों की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार हो रही इन वारदातों से लोगों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश भी देखा जा रहा है।

19 सितंबर को जैतपुर कलां में होगा विशाल इनामी दंगल

146 वर्षों से चली आ रही परंपरा, पंजाब-हरियाणा-दिल्ली सहित कई राज्यों के पहलवान होंगे शामिल

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी के समीपस्थ ग्राम जैतपुर कलां में 19 सितंबर, शनिवार को दोपहर 2 बजे से विशाल इनामी दंगल का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा दंगल की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परंपरागत रूप से राधाष्टमी की पवित्र तिथि पर आयोजित होने वाला यह दंगल इस वर्ष अपनी 146 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएगा। आयोजन समिति के सदस्य बसंत बघेल ने बताया कि दंगल का उद्देश्य भारतीय मल्लविद्या की पुरातन परंपरा को जीवित रखना और नई पीढ़ी को कुश्ती जैसी पारंपरिक खेल विधा से जोड़ना है। लगातार 146 वर्षों से आयोजित हो रहे इस दंगल ने क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

इस वर्ष आयोजित होने वाले दंगल में सिवनी जिले के अलावा अन्य जिलों और राज्यों से भी पहलवानों के पहुंचने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों के पहलवान अपने दांव-पेंच का प्रदर्शन करेंगे। कुश्ती प्रेमियों को स्थानीय पहलवानों के साथ बाहर से आने वाले नामी पहलवानों के मुकाबले देखने का अवसर मिलेगा।

विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक पुरस्कार

दंगल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पहलवानों के लिए आयोजन समिति द्वारा आकर्षक पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को 21 हजार रुपये एवं शील्ड, द्वितीय स्थान पर रहने वाले पहलवान को 11 हजार रुपये एवं शील्ड तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को 5 हजार 100 रुपये एवं शील्ड प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अन्य प्रतिभागी पहलवानों को भी मेडल आदि से सम्मानित किया जाएगा।

36 फीट का स्थायी गोदा तैयार

इस बार आयोजन को लेकर समिति द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। दर्शकों को कुश्ती मुकाबले बेहतर तरीके से देखने की सुविधा मिले, इसके लिए 36 फीट गोलाकार आकार के स्थायी गोदे का निर्माण कराया गया है। इससे पहलवानों को भी मुकाबले के दौरान पर्याप्त स्थान मिलेगा और दर्शक सुरक्षित दूरी से कुश्ती का आनंद ले सकेंगे।

दंगल में क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधिगण और वरिष्ठ सामाजिकजनों के भी उपस्थित रहने की जानकारी दी गई है। आयोजन समिति ने जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के सभी कुश्ती प्रेमियों और पहलवानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन में सहभागिता निभाने की अपील की है।

गुरुद्वारा व रेलवे परिसर में श्रमदान, पोस्ट ऑफिस-रेस्टहाउस में पौधरोपण

सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम

करेली। सेवा संकल्प अभियान 2026 (स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा) के तहत नगर पालिका परिषद करेली द्वारा गुरुवार को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के साथ अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के पहले दिन लक्ष्मी नारायण वार्ड स्थित गुरुद्वारा एवं रेलवे परिसर में जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका अधिकारी-कर्मचारियों और नागरिकों ने श्रमदान कर साफ-सफाई की।श्रमदान के दौरान उपस्थित लोगों ने स्वच्छता की शपथ लेकर अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इसके बाद पोस्ट ऑफिस एवं रेस्टहाउस क्षेत्र में पौधरोपण किया गया। यहां मोंगरा, मधुदामिनी, चंपा, चमेली और गुलमोहर सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए हरियाली का संदेश दिया। उक्त अभियान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। नगर पालिका द्वारा नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी कर स्वच्छ और सुंदर करेली बनाने में सहयोग की अपील की गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप सिंह ममार, पार्षद हेमंत मेहरा, उपेंद्र काले, कैलाश रघुवंशी, आनंद सोनी, भोले चौरसिया, प्रखर दुबे, मुकेश रघुवंशी सहित भाजपा नरसिंहपुर जिला महामंत्री सुरेंद्र मोहन नेमा , जिला मंत्री रजत चौहान,मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, पोस्ट ऑफिस के अधिकारी- कर्मचारी पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

रेलगाड़ी पर पत्थर न मारें, रेलवे ट्रैक से रहें दूर

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत। रेल यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा को लेकर रेलवे पुलिस एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्राम देवरी कला में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों, वरिष्ठ नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को रेल लाइन के आसपास बरती जाने वाली सावधानियों और नियमों की जानकारी दी गई ।डीएसपी जबलपुर संजीव राणा की अध्यक्षता में आयोजित अभियान में निरीक्षक रेसुब पिपरिया बब्बन लाल, स्टेशन प्रबंधक नरसिंहपुर सुनील जाट, यातायात निरीक्षक पिपरिया स्वदेश खंडारे, पूर्व पमरे मजदूर संघ संरक्षक देवेन्द्र शुक्ला, वाणिज्य विभाग से पवन कुमार, वरिष्ठ खंड अभियंता रेलपथ नरसिंहपुर श्याम कुमार सुमन, प्रभारी उप निरीक्षक नरसिंहपुर प्रदीप सिंह, सहायक उप निरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार नामदेव सहित रेलवे एवं पुलिस स्टाफ मौजूद रहा ।अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि चलती रेलगाड़ी पर पत्थर मारना गंभीर और खतरनाक कृत्य है। रेल लाइन पर पत्थर या अन्य कोई वस्तु नहीं रखनी चाहिए। बिना उचित कारण के ट्रेन की एसीपी (अलार्म चेन पुलिंग) नहीं की जानी चाहिए। ग्रामीणों से अपने पालतू पशुओं को भी रेलवे ट्रैक के किनारे खुला चरने के लिए नहीं छोड़ने की अपील की गई।

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतगत तहसील स्तरीय स्वच्छता कार्यशाला आयोजित

स्वच्छ शहर बनाने के लिये नागरिकों को जागरूक होना जरूरी : अध्यक्ष

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। 16 सितम्बर को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंर्तगत तहसील स्तरीय स्वच्छता कार्यालय का आयोजन न्यू कॉलेज आडिटोरियम में किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों के द्वारा माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। इसके पशचात कार्यक्रम को संबोधित करते हुये नगर पालिका अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता बाहर की हो या अंदर की दोनों को साफ रखना जरूरी होता है। पूरे देष में गांव-गांव को स्वच्छ बनाने का काम प्रधानमंत्री मोदीजी ने किया है।

पहले महिलाएं चूल्हे पर रोटी बनाती थी, तब धुंआ से उनकी आंखे और फेफड़े खराब हो जाते थे, इसी चलते महिलाओं के सम्मान में मोदीजी ने टेंट लगाकर उज्जवला योजना के तहत चूल्हे और गैस का वितरण किया। गंदी झोपडी और कच्चे मकानों में रह रहे परिवारों को पीएम आवास योजना के तहत पक्के घरों को निर्माण कराया और अब हर घर-घर में जनजागरण करती हुई कचरा गाड़ी पहुंच रही है। ताकि लोग अपने घरों से निकला कचरा यहां वहां न फेंके और कचरा एकत्रित कर गाड़ी में ही डालें, स्वच्छता के लिये जनजागरण का काम हो रहा है, कर्मचारी ही नहीं नागरिकों का का जागरूक होना बहुत जरूरी है। सरकार के नियमों का पालन करना हर व्यक्ति का नैतिक दायित्व होता है और हर एक व्यक्ति जागरूक होगा तभी स्वच्छ भारत का निर्माण संभव है। विष्णु प्रसाद शर्मा नगर परिषद तेन्दूखेड़ा अध्यक्ष ने कहा कि कचरा या घरों का मलबा सड़कों पर न फैले इसके लिये कर्मचारियों को ध्यान देना आवश्यक है। इसके लिये हमारे तेंदूखेड़ा में यहां वहां कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना किया जाना तय किया है। इसक साथ प्लास्टिक का उपयोग एवं स्तेमाल करने वाले दुकानदारों पर भी जुर्माना की कार्यवाही करना सुनिष्चित किया है। इसके लिये लोगों को जागरूक होना जरूरी है, तभी हम अपने निकाय को सम्पूर्ण स्वच्छ बना सकते हैं। जबलपुर से पधारे पुष्पेन्द्र शर्मा पीओ डूडा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि निकाय के जनप्रतिनिधि जनता की छबि होते हैं, और नगर और वार्ड के हर एक व्यक्ति को स्वच्छता के लिये जागरूक करेंगे तो उनकी बात व्यक्तियों को आसानी से समझ आएगी।

प्रबंध संचालक मप्र पूक्षेविविकंलि जबलपुर और कलेक्टर ने किया सिविल अस्पताल का निरीक्षण

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रत। सेवा संकल्प अभियान के तहत मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर के प्रबंध संचालक श्री अजय गुप्ता और कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरुवार को करेली सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों की संख्या, जांच एवं उपचार की व्यवस्थाओं तथा सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर की गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा एवं सीबीएमओ डॉ. विनय ठाकुर ने अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को जानकारी दी।

ओपीडी, जांच एवं आयुष्मान कार्ड की ली जानकारी-प्रबंध संचालक श्री गुप्ता और कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अस्पताल में आज की ओपीडी में आए मरीजों की संख्या, की गई विभिन्न जांचों तथा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा आवश्यक उपचार एवं जांच की व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने अस्पताल के एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) का भी निरीक्षण किया। यहां वर्तमान में भर्ती बच्चों की संख्या एवं उनकी स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में जानकारी ली गई। एमडी श्री गुप्ता ने निर्देशित किया कि एनआरसी से बच्चों के डिस्चार्ज होने के बाद भी मैदानी स्वास्थ्य अमले के माध्यम से उनका नियमित फॉलोअप लिया जाता रहे, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति में हुए सुधार को निरंतर बनाए रखा जा सके।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विशेष स्वास्थ्य शिविर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सिविल अस्पताल करेली में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ऑप्थल्मोलॉजिस्ट एवं ऑर्थोपेडिक सर्जन को बुलाया गया था। बड़ी संख्या में मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच एवं परामर्श का लाभ लिया। निरीक्षण के दौरान एमडी श्री गुप्ता ने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने परिसर में स्वच्छता व्यवस्था पर संतुष्टि व्यक्त की। अस्पताल में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति भी देखी गई।

एमडी श्री गुप्ता ने सीएमएचओ डॉ. मनीष मिश्रा से जिले में टीबी मरीजों की स्थिति, उनकी स्क्रीनिंग तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सहायता के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि टीबी मरीजों को पोषण सहयोग के रूप में फूड बास्केट उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा मरीजों की नियमित स्क्रीनिंग एवं फॉलोअप किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं लोगों को नशे से दूर रहने के लिए किए जा रहे जागरूकता प्रयासों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि नशा मुक्ति से संबंधित गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

राहगीरों से मारपीट करने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

2 मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा (भापुसे) द्वारा थाना क्षेत्र में राहगीरों को रोककर अवैध रूप से पैसों की मांग करने एवं मारपीट करने वाले आरोपियों के विरूद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में कोतवाली पुलिस द्वारा दो अलग.अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गयाए जहां से दोनों आरोपियों को जेल भेजने के आदेश पर जिला जेल झिंझरी में दाखिल कराया गया है। फरियादी सचिन प्रजापति पिता मुन्नालाल प्रजापति उम्र 34 वर्ष निवासी प्रजापति मोहल्ला, नदीपार, कटनी द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 26.04.2026 की रात्रि करीब 09.30 बजे वह अपनी मोटरसायकल से ग्राम पौंसरा स्थित ईंट भट्टे का काम कर वापस लौट रहा था। जब वह सूफी संतनगर, कैलवारा रोड, नदीपार के पास पहुंचा, तभी सड़क पर चार लड़कों ने उसे तथा उसके पीछे आ रही एक अन्य मोटरसायकल को रोक लिया। चारों आरोपी शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगे। फरियादी एवं दूसरी मोटरसायकल पर सवार युवकों द्वारा पैसे देने से मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों एवं बेल्ट से मारपीट शुरू कर दी। पीड़ितों द्वारा शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। फरियादी द्वारा आरोपियों में से एक की पहचान धांशू

खटीक पिता बड़कू खटीक निवासी कैलवारा फाटक के रूप में की गई। जांच में सामने आया कि उसी रात करीब 8.30 बजे धांशू खटीक एवं उसके साथियों द्वारा ग्राम पौंसरा बायपास नहर के पास ग्राम कछगवां निवासी श्रीकेश कोरी पिता मैकूलाल कोरी को भी रोककर शराब पीने के लिए पैसों की मांग की गई थी। पैसे देने से मना करने पर आरोपियों द्वारा श्रीकेश कोरी के साथ गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्कों एवं बेल्ट से मारपीट की गई थी। घटनाओं के संबंध में फरियादी सचिन प्रजापति की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अप.क्र. 414/2026 धारा 296(बी), 115(2), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस तथा फरियादी श्रीकेश कोरी पिता मैकूलाल कोरी उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम कछगवां, थाना माधवनगर, जिला कटनी की रिपोर्ट पर अप.क्र. 415/2026 धारा 296(बी), 115(2), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले में आरोपियों की पता तलाश हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। पुलिस द्वारा लगातार तलाश करते हुए नामजद आरोपी धांशू खटीक उर्फ अजय पिता बड़कू खटीक को दिनांक 10.08.2026 को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों सचिन सोनकर, जमालू सोनकर उर्फ आलोक एवं राजा यादव के साथ मिलकर दोनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया। मामले में आरोपी राजा यादव पिता हरिलाल यादव उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम बोहता, जिला कटनी को दिनांक 31.08.2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा चुका है। वहीं मामले में फरार चल रहे आरोपी जमालू उर्फ आलोक सोनकर एवं सचिन खटीक की लगातार तलाश की जा रही थी। कोतवाली पुलिस द्वारा आज दिनांक 16.09.2026 को दोनों फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय द्वारा दोनों आरोपियों को जेल दाखिल किए जाने के आदेश दिए जाने पर उन्हें जिला जेल झिंझरी में दाखिल कराया गया है। चौकी प्रभारी बस स्टेण्ड नेहा मौर्य ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों द्वारा हाईवे एवं सुनसान स्थानों का फायदा उठाकर आने-जाने वाले लोगों को रोककर शराब पीने के लिए अवैध रूप से पैसों की मांग की जाती थी तथा पैसे देने से मना करने पर उनके साथ गाली-गलौज एवं मारपीट की जाती थी। मामले में सभी आरोपियों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है । गिरफ्तार आरोपियों में धांशू खटीक उर्फअजय पिता बड़कू खटीकए, उम्र 26 वर्ष, निवासी कैलवारा फाटक, नोवल हार्ट स्कूल के पास, थाना कोतवाली, जिला कटनी। राजा यादव पिता हरिलाल यादव, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम बोहता, थाना कोतवाली, जिला कटनी। जमालू उर्फ आलोक सोनकर पिता इंद्रपाल सोनकर, उम्र 20 वर्ष, निवासी कैलवारा फाटक, नोवल हार्ट स्कूल के पीछे, थाना कोतवाली, जिला कटनी। सचिन खटीक पिता सुनील खटीक, उम्र 19 वर्ष, निवासी कैलवारा खुर्द, सूफी संतनगर, थाना कोतवाली, जिला कटनी।

ड्रिंक एंड ड्राइव करने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

8 लोगों पर कार्रवाई, 6 आरोपी गिरतार, बाइक व कार जप्त

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री पर अंकुश लगाने एवं सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उमरियापान थाना प्रभारी महेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा 48 घंटे सघन कॉम्बिंग व चेकिंग कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार में लिप्त आरोपियों तथा नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। अभियान के दौरान पुलिस ने इटमा और जमुनिया में चिन्हित ठिकानों पर दबिश दी। इटमा में अवैध रूप से शराब बेचने व लोगों को बैठाकर पिलाने की सुविधा देने वालों तथा ग्राम जमुनिया में अवैध शराब बेचने वालों के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई के अंतर्गत इटमा निवासी प्रकाश पटेल एवं शिव कोल को पकड़ा गया। जमुनिया से कौशल कोल, दसईराम कोल, सतीश कोल एवं ग्राम टोला निवासी किशोरीलाल बसोर को अवैध शराब कारोबार में लिप्त पाए जाने पर विधिवत गिरतार किया गया। वाहन चेकिंग के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाने वाले दो चालकों पर मोटर यान अधिनियम की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। इसमें ग्राम डिघरी मझगवां निवासी संदीप कोल को अत्यधिक शराब के नशे में हीरो मोटरसाइकिल चलाते पाए जाने पर वाहन जप्त कर धारा 185 मोटर यान अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसके अतिरिक्त बघराजी निवासी बृजेश विश्वकर्मा को अत्यधिक शराब के नशे में कार को तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए पकड़ा गया, जिसे मौके से जप्त किया गया। अभियान के दौरान आबकारी एट के प्रकरणों में 6 आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत विधिवत गिरतार कर माननीय सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मांगों को लेकर पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल शासन से मान्यता प्राप्त संघ जिला इकाई कटनी द्वारा प्रादेशिक आवाहन पर स्वमित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजियन 2026 योजना के निष्पादन ई-केवाईसी, एवं पंजियन कार्य से पटवारी संवर्ग को अलग रखने की मांग की गई है। फार्मर आइडी में तकनीकी सुधार किये जाने तथा जिओ टेक फसल गिरदावरी हटाने तथा ग्राम जी सीमा में रखने की मांग की है। पूर्व से बहुत प्रशिक्षित लंबित मांग, वेतन विसंगति, समयमान वेतन में सुधार केडर रीव्यू एवं वर्ष में एक माह के वेतन के बराबर अतिरिक्त कार्य का भत्त। प्रदाय किए जाने, पदोन्नति मोबाइल लैपटॉप उपलब्ध कराने। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम आज कलेक्टर कटनी को ज्ञापन सोपा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दादूराम पटेलए कार्यकारी .जिलाध्यक्ष अशोक सिंह बागरीए तहसील कटनी नगर अध्यक्ष नगर राजेश दुबेए तहसील कटनी ग्रामीण अध्यक्ष वरिष्ठ पटवारी प्रकाश गुप्ता, बहोरीबंद तहसील अध्यक्ष नवीन गर्ग, महिला शक्ति सलीमानाबाद तहसील अध्यक्ष ज्योति उरमलिया तथा चंद्रशेखर कोरी, अभिषेक तिवारी कोषाध्यक्ष, गजेंद्र राय, प्रमोद दीक्षित, अनुज दाहिया, मदनमोहन राय, गणेश मिश्रा, पवन पटेल, अभिकरण जल्होंना, मुख्तियार अहमद, लल्लू भैया पटेल, पवन चौधरी सत्येंद्र राठौर आशीष शर्मा देवेंद्र भगत महेंद्र त्रिपाठी राकेश गुप्ता मोहित ताम्रकार नीरज गोस्वामी पुनीत अवस्थी, दुर्गा प्रसाद दहिया राजेश सिंह गौड़ दिग्विजय सिंह भरतेश सिंह, महेंद्र सिंह अलावा तेजभानपाल तीरथ पटेल संदीप गर्ग गणेश सिंह ठाकुर राकेश शुक्ला सतीश लिखितकर रामगोपाल यादव नियाज खान शादाब खान ज्योति अग्निहोत्री सोनम गुप्ता, जया मौर्य, निषाद बेगम सुकन्या पांडे, मोहन सिंह बरकड़े, प्रमोद सोनी, राजेश कुमार सोनी प्रकाश सिंह मार्को सूर्यभान सिंह राजपूत, आदि सैकड़ों पटवारी की उपस्थिति रही।

स्टेशन से युवक को अगवा कर बनाया बंधक

कोतवाली पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो को दबोचा, दो फरार

कटनी (स्वतंत्रमत)

रेलवे स्टेशन के बाहर बातचीत के बहाने एक युवक को बुलाकर बंधक बनाकर मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने अन्नू उर्फ अजय माली और उसके एक साथी को गिरतार किया है। कोतवाली टीआई राखी पांडे ने बताया कि युवक को पहले घर ले जाकर साथियों के साथ पीटा गया। वहां से किसी तरह भागकर स्टेशन पहुंचा तो आरोपियों ने पीछा कर उसे फिर पकड़ लिया और ऑटो में जबरन बैठाकर दूसरे मकान में ले गए। कमरे में बंद कर दोबारा मारपीट की गई। आरोप है कि सिगरेट से उसके हाथ और पीठ को दागा गया। घायल युवक किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर जबलपुर पहुंचा और तीन दिन बाद कोतवाली पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना बताई। पुलिस ने मुख्य आरोपी अजय उर्फ अन्नू माली को मुड़वारा स्टेशन के पास से और पूछताछ के बाद दूसरे आरोपी साहिल खान को कुठला क्षेत्र से गिरतार किया। दो अन्य आरोपी अमन और उसका एक साथी अभी फरार बताए जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक गायत्री नगर निवासी पंकज मेहरा ने पुलिस को बताया कि 12 सितंबर की सुबह वह कटनी स्टेशन के बाहर ऑटो का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान उसका पुराना परिचित अजय माली स्कूटी से वहां आया और उसे अपने साथ घर चलने के लिए कहा। पंकज उसके साथ मघई मंदिर के पास स्थित घर पहुंचा। आरोप है कि अन्नू ने कुछ देर बाद अपने साथियों को फोन कर बुलाया और पुरानी बात को लेकर पंकज से विवाद शुरू हो गया। इसके बाद उसके साथ लातघूंसों और बेल्ट से मारपीट की गई। पुलिस के अनुसार मारपीट के बाद पंकज किसी तरह वहां से निकलकर रेलवे स्टेशन के ह्रश्वलेटफार्म नंबर- 5 पर पहुंचा और जबलपुर जाने के लिए ट्रेन का इंतजार करने लगा। स्टेशन पहुंचकर आरोपियों ने उसे फिर पकड़ लिया और ऑटो से एनकेजे बजरिया स्थित मकान में ले गए। वहां उसे एक कमरे में बंद कर दोबारा मारपीट की गई। सिगरेट से दागने का आरोप- इसी दौरान आरोपियों में से एक युवक ने सिगरेट से उसके हाथ और पीठ को दाग दिया। इससे उसके शरीर पर जलने के निशान बन गए। शाम 6 बजे वह किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर भागने में सफल हुआ और भय के कारण जबलपुर चला गया और अपने भाई और मां के साथ कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर और तकनीकी मदद से मुय आरोपी तक पहुंची पुलिस- घटना सामने आते ही पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और मुय आरोपी अजय उर्फ अन्नू माली को मुड़वारा स्टेशन से गिरतार किया। पूछताछ में अन्नू ने बताया कि पंकज पूर्व में उसके यहां काम करता था और दो वर्ष पहले काम छोड़ चुका था। आरोपी के अनुसार पंकज उसके कुछ फोटो और दस्तावेज अपने साथ ले गया था, जिन्हें वापस नहीं कर रहा था। पुलिस के मुताबिक इसी विवाद को लेकर उसने पंकज को बुलाया और साथियों के साथ मारपीट की। दोनों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। गिरतार दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। मामले में आगे की विवेचना जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी राखी पाण्डेय, खिरहनी चौकी प्रभारी किशोर द्विवेदी, एसआई कुलदीप सिंह, वीरेन्द्र तिवारी, रमाकांत तिवारी, अजय प्रताप सिंह, मंसूर हुसैन, दीपक चक्रवर्ती, मोहन मण्डलोई, अजीत सिंह एवं विकास राय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धूमधाम से निकली भगवान विश्वकर्मा की शोभायात्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)। देवशिल्पी भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर बुधवार को कटनी शहर आस्था, भक्ति और उल्लास से सराबोर नजर आया। सर्व विश्वकर्मा समाज कटनी के तत्वावधान में भगवान श्री विश्वकर्मा जी की भव्य शोभायात्रा धूमधाम और उत्साह के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन, श्रद्धालु, महिलाएं, और धर्मप्रेमी नागरिक शामिल हुए। श्री विश्वकर्मा मंदिर सिविल लाइन से दोपहर में प्रारंभ हुई शोभायात्रा में भगवान श्री विश्वकर्मा जी की भव्य झांकी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। श्रद्धालु भक्ति भाव में जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां

जगह जगह नागरिकों और विभिन्न संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर भगवान श्री विश्वकर्मा जी का स्वागत किया गया। मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए स्वागत एवं सेवा की व्यवस्थाएं भी की गई। शोभायात्रा विश्वकर्मा पार्क, सुभाष चौक, गांधी द्वार, झंडा बाजार, सराफा बाजार, कपड़ा बाजार, श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, रेलवे स्टेशन और शंकर टॉकीज होते हुए वापस श्री विश्वकर्मा मंदिर पहुंची, जहां धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान पूरे मार्ग पर भगवान श्री विश्वकर्मा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। समाजजनों में आयोजन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने भगवान श्री विश्वकर्मा से समाज और नगर की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

प्रधानमंत्री का जीवन देश के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण

कटनी (स्वतंत्रमत)

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम कटनी की महापौर प्रीति संजीव सूरी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। महापौर सूरी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और देश के विकास के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता और जनहित के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए कहा कि राष्ट्र की सेवा के लिए उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व देशवासियों को निरंतर प्रेरणा प्रदान करता रहे और भारत विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे।

रोवत तीर तालाब सरोवर, रोवत है सरयू तटवारी

कटनी (स्वतंत्रमत)

हिंदी दिवस एवं नगर के ख्याति लब्ध हास्य व्यंग्य कवि श्री मनोहर मनोज के जन्मदिन के उपलक्ष्य में स्थानीय नदीपार स्थित ओमप्रकाश सरावगी संस्कार सदन विद्यालय में वातायन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी अजय सरावगी विशिष्ट अतिथि के रूप में यशभारत के संपादक आशीष सोनी डॉ अरुण पांडे जबलपुर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य नीता तिवारी ने की। अतिथि गणों ने मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कायक्रम का शुभारंभ किया तत्पशचात कार्यक्रम में अमेठी उत्तर प्रदेश के उभरते युवा गीतकार अंशुमान तिवारी का अभिनंदन किया गया तथा मनोहर मनोज अलंकरण से अलंकृत किया गया ।अतिथियों ने शाल श्रीफल एवं

प्रशस्ति पत्र से युवा गीतकार को सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। कविसम्मेलन में संस्था पदाधिकारियों द्वारा अतिथि गणों का पुष्प माला के साथ स्वागत किया गया। हिंदी दिवस पर आयोजित सर्वप्रथम चंद्र किशोर चंदन ने मां सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। देश के ख्यातिलब्ध हास्य-व्यंग्य कवि मनोहर मनोज को उनके जन्मदिवस के अवसर पर साहित्यकारों द्वारा पुष्प माला के साथ सम्मानित कर शुभमंगलकामनाएं दी गयी। कार्यक्रम का सफल संचालन साहित्यकार अनिल मिश्रा द्वारा किया गया। अमेठी से पधारे युवा गीतकार अंशुमान तिवारी ने भगवान श्रीराम के वनगमन पर आधारित विलाप गीत की आकर्षक प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा रोवत तीर तालाब सरोवरएरोवत है सरयू तटवारी।

हास्य-व्यंग्य के साथ गीत गजलों से सजी महफिल-इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार एसके खम्परिया पीके मिश्रा बीडी तिवारी राजकुमार महोबिया विष्णु बाजपेई, शरद जायसवाल चंद्र किशोर चंदन आशीष तिवारी शेख धीरज शंभू सोनी आनंद जैन सुयश मिश्रा रविन्द्र रवि यादव रामानुज राकेश उरमालिया प्रियांशु तिवारी रागिनी मित्तल तुषार भट्टाचार्य पवन समीर योगेश पांडे डॉ अरुण पांडे बागरी प्रियंका मिश्रा रिचा यज्ञेश भूपेंद्र त्रिपाठी पुष्पा गुप्ता अखिलेश दुबे अथर्व तिवारी भवानी तिवारी मीरा भार्गव हीरामणि बरसैयां चमन जी ने सामाजिक राजनैतिक विसंगतियों पर कटाक्ष के साथ गीत गजल मुक्तक से काव्य पाठ कर समा बांधा। कार्यक्रम में अधिवक्ता ओंकार गौतम पत्रकार आलोक त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं श्रोताओं की उपस्थिति रही।

दुष्कर्म एवं जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को एनकेजे पुलिस ने किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक जिला कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय रत्नेश मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में थाना एनकेजे पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। महिला थाना जिला कटनी से प्राप्त जीरो एफआईआर की डायरी का थाना एनकेजे पुलिस द्वारा अवलोकन किया गया तथा अभियोक्त्री के कथन दर्ज किए गए। कथनों एवं प्राप्त तथ्यों के आधार पर आरोपी द्वारा अभियोक्त्री को अकेला पाकर जबरदस्ती दुष्कर्म करने तथा घटना के संबंध में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई। प्रकरण में आरोपी रामसुजान कोल के विरुद्ध धारा 64(1), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कार्यालयः प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी (म.प्र.)
फोन/फैक्स : 07622-230418 ई-मेल : heggckat@mp.gov.in girlscllegekatni@yahoo.co.in
क्रमांक/स्थान./1117/2026 कटनी दिनांक-17/09/26
:: निविदा-प्रकाशन ::
शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में कैंटीन संचालन हेतु एम.पी. टेंडर पोर्टल में निविदा लगाई गई है जिसकी निविदा क्रमांक 1112 एवं टेंडर आईडी 2026_HED_536643_ है।
इच्छुक निविदाकर्ता अपनी निविदाएं एम.पी. टेंडर पोर्टल पर 06 अक्टूबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी का होगा। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर इसकी सूचना महाविद्यालय की बेवसाईट के माध्यम से प्रदान की जाएगी।
प्राचार्य
शासकीय कन्या महाविद्यालय
कटनी (म.प्र.)

भारतीय महिलाएं जापान के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी

नागोया (वार्ता)। रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप का खिताब जीतने के बाद, मौजूदा चैंपियन भारत शुक्रवार को एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत मेजबान जापान के खिलाफ महिला क्वार्टर फाइनल मैच से करेगा। इस मैच में सेमीफाइनल में जगह बनाना दांव पर लगा होगा। पिछले हफ्ते दुबई में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम काफी आत्मविश्वास के साथ नागोया पहुंची है, लेकिन एशियाई खेलों के फॉर्मेट में खराब दिन की कोई गुंजाइश नहीं है। महिला प्रतियोगिता में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं और इसकी शुरुआत सीधे क्वार्टर फाइनल से हो रही है, यानी इसमें कोई ग्रुप स्टेज नहीं है और एक हार से ही टीम का सफर खत्म हो जाएगा। एशिया कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं शेफाली वर्मा भारत के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकती हैं। यह ओपनर पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। वहीं, स्मृति मंधाना एशिया कप में उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन के बाद अपनी लय वापस पाने की कोशिश करेंगी। भारत की नज़रें कप्तान हरमनप्रीत कौर पर भी होंगी, जिनका दुबई में प्रदर्शन तो औसत रहा था, लेकिन उनके पास हाई-प्रेशर मैचों का काफी अनुभव है।

गेंदबाजी में कई विकल्प मौजूद

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के श्री चरणी के साथ स्पिन विभाग की कमान संभालने की उम्मीद है। यह बाएं हाथ की स्पिनर एशिया कप में भारत की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थीं और उन्होंने अपने 30वें मैच में ही 50 टी 20 विकेट पूरे किए। भारत के पास तेज गेंदबाजी के लिए नंदिनी शर्मा, रेणुका ठाकुर और क्रांति गौड़ जैसे विकल्प हैं, जबकि राधा यादव और श्रेयंका पाटिल स्पिन विभाग को मजबूती देती हैं। पाटिल टखने की चोट से उबरने के बाद टीम में लौटी हैं।

ओपनर से भारत को उम्मीद

ऋचा घोष बल्लेबाजी को और मजबूती देती हैं और मिडिल व लोअर ऑर्डर में पारी की गति बदल सकती हैं। भारत को उम्मीद होगी कि उनके ओपनर मिडिल ऑर्डर के लिए एक मजबूत मंच तैयार करेंगे ताकि वे पारी के बाद के हिस्से में आक्रामक खेल दिखा सकें। हालांकि, जापान घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। महिला टी20 रैंकिंग में 39वें स्थान पर मौजूद मेजबान टीम एशियाई खेलों में तीसरी बार क्रिकेट खेलेगी।

2010 में जापान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

जापान ने इस साल सात टी20 मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते और तीन हारे हैं, टीम की कप्तानी माई यानागिडा करेंगी। एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट में जापान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 में आया, जब उन्होंने कांस्य पदक जीता। अनुभव और हालिया फॉर्म से भरपूर भारतीय टीम के खिलाफ, जापान को भारत के विविध गेंदबाजी आक्रमण और आक्रामक शीर्ष क्रम के बीच रास्ता तलाशते हुए नॉकआउट गेम के दबाव को संभालने की आवश्यकता होगी।

भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्रेयंका पाटिल, भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

जापानी टीम

माई यानागिडा (कप्तान), एरिका ओडा (उप-कप्तान), अहिल्या चंदेल, अयुमी फुजिकावा, हिनासे गोटो, हारुना इवासाकी, अकारी निशिमुरा (विकेटकीपर), शिमाको काटो, अयाका काटो-स्टैफोर्ड, एलेना कुसुदा-नायरन, नोनोहा यासुमोतो, मेग ओगावा, कुरुमी ओटा, सेइका सुमी, एरिका तोगुची-क्विन।

टेकबॉल: गोंजाल्वेस और बेग की जोड़ी बाहर

नगोया (वार्ता)।

एशियाई खेल 2026 में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं और टेकबॉल के ग्रुप चरण में डेकलान मार्शल गोंजाल्वेस और मोहम्मद अनस बेग की जोड़ी का दो मैचों में हार के बाद पुरुष युगल में अभियान समाप्त हो गया। आज यहां डेकलान मार्शल गोंजाल्वेस और मोहम्मद अनस बेग की जोड़ी पुरुषों के डबल्स मुक़ाबले के ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई । भारत के डेक्लान मार्शल गोंसाल्वेस और मोहम्मद अनस इमरान बेग ने पुरुष युगल ग्रुप बी में अपने एशियाई खेलों के अभियान की शुरुआत वियतनाम के ट्रूओंग गियांग बा और अन्ह खोआ ले से 0-2 से हार के साथ की। भारतीय जोड़ी को पहले वियतनाम के त्रुओंग जियांग बा और आन खोआ ले की जोड़ी ने 12-10, 12-8 से हराया। इसके बाद वह दक्षिण कोरिया के जुनसुक ली और ताएबीन ली की जोड़ी से 12-4, 12-7 से हार गये। इस परिणाम के साथ, भारतीय पुरुष युगल टेकबॉल अभियान समाप्त हो गया। उल्लेखनीय है कि टेकबॉल एशियाई खेलों में शामिल किया गया एक नया खेले है इसमें फुटबॉल और टेबल टेनिस दोनों के गुण शामिल हैं। इसे एक घुमावदार टेबल पर खेला जाता है और खिलाड़ी अपने हाथ-बाजू को छोड़कर शरीर के किसी भी हिस्से से गेंद को मार सकते हैं। इसे एकल और युगल मुक़ाबले में खेला जा सकता है।

मैथ्यू वेड ने बीबीएल को कहा अलविदा

सिडनी (वार्ता)। मैथ्यू वेड ने अपने कोचिंग करियर पर ध्यान देने के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वह पहले से ही ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद टीम के बल्लेबाजी कोच की भूमिका निभा रहे हैं। वेड पिछले साल होबार्ट हरिकेन्स के लिए बीबीएल खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम के साथ भी काम कर रहे थे, लेकिन उन्होंने 2026-27 सीजन से पहले पूरी तरह से खेलना छोड़ने का फैसला किया है। वेड ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वे बीबीएल के इतिहास में एक अहम खिलाड़ी के तौर पर इस टूर्नामेंट से विदा ले रहे हैं।

तवेंगवा मुकुहलानी आईसीसी के उपाध्यक्ष बने

दुबई (वार्ता)।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रमुख तवेंगवा मुकुहलानी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर नवंबर 2027 तक बने रहेंगे। बोर्ड से इमरान ख्वाजा के हटने के बाद मुकुहलानी ने उनकी जगह यह भूमिका संभाली है। वह इस पद पर नियुक्त हुए जिम्बाब्वे के पहले व्यक्ति है। मुकुहलानी अभी आईसीसी की फाइनेंस और कमर्शियल अफेयर्स कमेटी (एफ एंड सीए) और नॉमिनेशन कमेटी में काम कर रहे हैं, और एचआर और रेमुनरेशन कमेटी के चेयरमैन हैं। आईसीसी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा, जिम्बाब्वे क्रिकेट में अपने लीडरशिप अनुभव और इस क्षेत्र की अपनी समझ के साथ, मुकुहलानी बहुमूल्य जानकारी और समझ लेकर आएंगे। आईसीसी और उसके सदस्य एक यादगार वर्ल्ड कप आयोजित करने की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे यह टूर्नामेंट 24 साल बाद अफ्रीका लौटेगा और पूरे महाद्वीप में क्रिकेट के विकास और तरक्की को और मजबूत करेगा।

सुथार ने फिर से खोला पंजा

लंदन (वार्ता)।

मानव सुथार ने इस सीज़न में दूसरी बार पांच विकेट लिए और वारविकशायर को रोथसे काउंटी चैंपियनशिप खिलाफ की दौड़ में सबसे आगे पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी शानदार गेंदबाज़ी ने वारविकशायर के लिए दो दिन के भीतर आठ विकेट की जीत की नींव रखी। सुथार ने तीन महीने पहले भारत के लिए डेब्यू किया था और अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में प्लेयर ऑफ़ द मैच रहे। इसके बाद श्रीलंका में भी दो टेस्ट मैचों में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। 24 वर्षीय सुथार ने एसेक्स की दूसरी पारी में पांच विकेट लेते हुए पांच चैंपियनशिप मैचों में अपने विकेटों की संख्या 26 तक पहुंचा दी है। ऐसेक्स की टीम दूसरी पारी 189 रन पर सिमट गई और वारविकशायर को जीत के लिए 133 रन का लक्ष्य मिला। ज़ेन मलिक ने तूफ़ानी अंदाज़ में अर्धशतक जड़ते हुए चार छक्के लगाए और जीत की बुनियाद रखी। पांचवां छक्का लगाने की कोशिश में वह डीप मिड ऑफ़ पर कैच हो गए। इसके बाद डैन मौस्ली और सैम हेन ने वारविकशायर को अतिरिक्त ओवरों में जीत दिला दी। अब वारविकशायर को समरसेट और नॉटिंघमशायर के मैचों के नतीजों का इंतज़ार है। इसके बाद ही तय होगा कि अगले सप्ताह डिविज़न वन के अंतिम दौर की शुरुआत में अंक तालिका में शीर्ष पर कौन रहेगा। दूसरी ओर एसेक्स को पांच मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा। अब उसकी नज़र तालिका के निचले हिस्से की लड़ाई पर है। फ़िट खिलाड़ियों की कमी से जूझ रही टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी थी, लेकिन मैच के अधिकांश समय दबाव में रही। दिन की शुरुआत में वारविकशायर ने पहली पारी में 57 रन की बढ़त बना रखी थी। इसमें सबसे बड़ा योगदान सैम हेन का रहा। 12/2 के स्कोर पर बल्लेबाज़ी के लिए आए हेन ने 57 ओवर तक क्रीज़ पर टिककर नाबाद 88 रन बनाए। पहले दिन 19 विकेट गिरने के बावजूद मैच का रोमांच बरकरार रहा। दूसरे दिन सुबह एसेक्स को दो चोटिल खिलाड़ियों की जगह बदलाव करने पड़े। कप्तान टॉम वेस्टली उंगली की चोट के कारण बाहर हुए और उनकी जगह ल्यूक बेनकेनस्टीन टीम में आए। वहीं, शेन स्नेटर पैर की चोट के कारण नहीं खेल सके। उनकी जगह 17 वर्षीय तेज़ गेंदबाज़ जैक ऑल्ड को डेब्यू का मौका मिला।

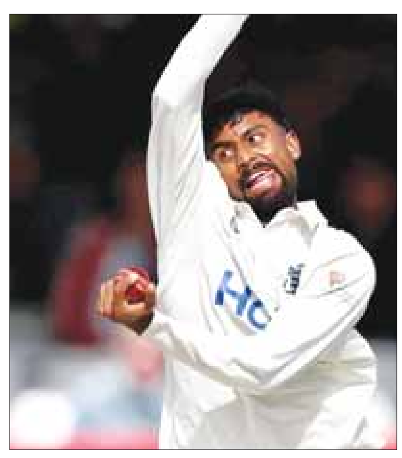

जापान में प्रशिक्षण लेंगे भारतीय जूडो खिलाड़ी

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने भारत की सीनियर जूडो टीम के लिए जापान की सुकुबा यूनिवर्सिटी में विदेशी प्रशिक्षण शिविर का इंतजाम किये है। यह तैयारी आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों और बाकू में होने वाली विश्व जूडो चैंपियनशिप के लिए है। 14 सदस्यों का एक भारतीय दल दो अक्टूबर तक सुकुबा यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण (प्री-गेम्स) कार्यक्रम में हिस्सा ले रहा है। इस दल में 11 जूडो खिलाड़ी- एक पुरुष और 10 महिला एथलीट और तीन कोच शामिल हैं। इन 11 जूडो खिलाड़ियों में से तीन- अस्मिता डे (महिला -48 किग्रा), यामिनी मौर्य (महिला -57 किग्रा) और तखेलंबम इनुंगनबी (महिला -70 किग्रा) एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा हैं। अस्मिता 30 सितंबर को मुकाबला करेंगी, जबकि यामिनी और इनुंगनबी एक अक्टूबर को नागोया के आइची इंटरनेशनल एरिना (आईजी एरिना) में मैट पर उतरेंगी। यह विदेशी प्रशिक्षण शिविर इंटरनेशनल कैलेंडर के एक अहम पड़ाव पर हो रहा है, क्योंकि आइची-नागोया में एशियाई खेलों के ठीक बाद 4 से 11 अक्टूबर तक बाकू में विश्व जूडो चैंपियनशिप होगी। बाकू टूर्नामेंट में कुल 10 जूडो खिलाड़ी एक पुरुष और नौ महिलाएं हिस्सा ले रहे हैं। सुकुबा यूनिवर्सिटी में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों में पुरुषों में हर्ष सिंह (-60 किग्रा) शामिल हैं, जबकि महिला स्क्वाड में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट अस्मिता डे (-48 किग्रा), श्रद्धा के. चोपड़े (-52 किग्रा), एल. नुंगशिथोई चानू (-52 किग्रा), यामिनी मौर्य (-57 किग्रा), लिंथोई चानंबम (-63 किग्रा), उन्नति शर्मा (-63 किग्रा)।

तस्करी, नकली सामानों के कारोबार से लोगों का भरोसा टूटता है, अर्थव्यवस्था होती है कमजोर: कोविंद

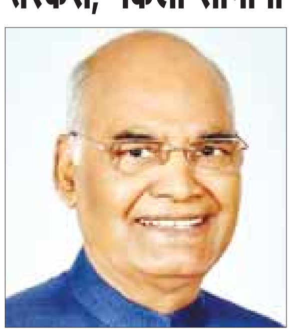

नई दिल्ली (वार्ता)। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने गुरुवार को कहा कि बाजार पर भरोसा हर मज़बूत अर्थव्यवस्था की अदृष्य नींव है जबकि तस्करी व नकली सामान का कारोबार इस भरोसे को कमज़ोर करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा, ग्राहक निर्माताओं पर भरोसा करते हैं, निर्माता सप्लाई चेन पर भरोसा करते हैं, और निवेशक अपने संस्थानों व विनियामकों पर भरोसा करते हैं। तस्करी और नकली सामान का कारोबार धीरे-धीरे इस भरोसे को कमज़ोर करते हैं। पूरी आर्थिक व्यवस्था भरोसे पर टिकी है। इसलिए, नकली सामान और तस्करी के खिलाफ़ आंदोलन का मकसद उन व्यवस्था और संस्थानों में भरोसे को बचाए रखना है, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था चलती है। वह यहां उद्योगमंडल फिक्की की तस्करी और नकली सामान के व्यापार के खिलाफ़ अभियान चलाने के लिए गठित समिति फिक्की कैस्केड के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में, अवैध व्यापार ने हमें आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों की सीख दी है। उन्होंने कहा, हमें भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने के सपने, भारत को उद्यम, विनिर्माण और नवाचार का वैश्विक गढ़ बनाने और भारतीय नागरिकों को समझदार, अधिकारों के प्रति जागरूक और सशक्त उपभोक्ता बनाने- इन तीन विचारों की मिल कर रक्षा करना चाहिए और इन पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, गैर-कानूनी व्यापार इन तीनों ही बातों को कमज़ोर करता है। कार्यक्रम में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि तस्करी का मतलब अब सिर्फ़ बाहर से प्रतिबंधित सामान लाना ही नहीं रह गया है, बल्कि ऐसी अवैध गतिविधियों को छिपाने के लिए वैध लॉजिस्टिक्स, बुनियादी सुविधाओं, कागजी तैयारी, धन के स्रोत व्यवस्था और डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके एक पूरी समानांतर आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण किया ।

कच्चे तेल में नरमी से रुपया एक पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से गुरुवार को रुपया एक पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.90 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा तीन पैसे टूटकर 95.91 रुपये पर बंद हुई थी। रुपया आज तीन पैसे की मजबूती के साथ 95.88 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह ऊपर 95.79 रुपये और नीचे 96.10 रुपये प्रति डॉलर तक गया।

एन. चंद्रशेखरन बने रहेंगे टाटा संस के चेयरमैन

मुंबई (वार्ता)।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन फरवरी 2027 के बाद भी टाटा संस के चेयरमैन बने रहेंगे। निदेशकमंडल ने गुरुवार को हुई बैठक में मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें और पांच साल के लिए नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। इससे पहले श्री चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त को निदेशकमंडल को सूचित किया था कि उन्होंने 20 फरवरी 2027 को अपना मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद पुनर्नियुक्ति के लिए अपना नाम विचार के लिए नहीं रखने का निर्णय लिया है। इससे पहले 24 फरवरी 2026 की निदेशकमंडल की बैठक में एक सदस्य के समर्थन न देने के कारण उनका कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव खारिज हो गया था। उनका फरवरी 2027 के बाद पद छोड़ने का फैसला इसी परिप्रेक्ष्य में था। टाटा संस ने गुरुवार को एक मीडिया बयान में कहा, 17 सितंबर 2026 को निदेशक की बैठक में चंद्रा (चंद्रशेखरन) ने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के निदेशकमंडल के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

इसके बाद बोर्ड ने बहुमत से प्रस्ताव पारित किया कि उनका मौजूदा कार्यकाल खत्म होने पर उन्हें अगले पांच साल के लिए कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर फिर से नियुक्त किया जाए।

नयी शुल्क व्यवस्था से यूपीआई प्रणाली की ताकत बढ़ेगी: एसोचैम

नई दिल्ली (वार्ता)। उद्योगमंडल एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने ऐप आधारित एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) में बड़े बड़ी राशि वाले वाणिज्यिक लेन-देन पर नए शुल्क की नयी व्यवस्था की सराहना की है और कहा है कि इससे प्रणाली को निरंतर मजबूत और अद्यतन बनाए रखने में मदद मिलेगी और इन शुल्कों से कड़ो छोटे दुकानदरों और कारोबारियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। श्री मिंडा ने एक बयान में कहा, नयी व्यवस्था, इसमें नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, धोखाधड़ी कम होगी और इसे ज़्यादा लोग अपनाएंगे।

यह व्यवस्था भुगतान अवसंरचना और भुगतान प्राप्त करने वाले नेटवर्क की सहायता करेगा, जिससे यूपीआई का और विस्तार हो सकेगा और देश भर में कंज्यूमर्स और बिज़नेस को सेवा मिल सकेगी। एसोचैम ने दो व्यक्तियों के बीच किसी भी राशि के यूपीआई से लेन-देन को पूरी तरह मुफ्त बनाये रखने तथा बाजार में 2,000 रुपये तक के भुगतान को एमडीआर से मुक्त रखने के सरकार के निर्णय को संतुलित बताया है। एसोचैम अध्यक्ष ने कहा, भारत में 3 करोड़ से ज़्यादा माइक्रो यूनिट्स हैं जिन्हें यूपीआई से लेन-देन के लिए कोई एमडीआर चार्ज नहीं देना होगा क्योंकि उनका मासिक कारोबार एक लाख रुपये से कम है। एसोचैम ने कहा कि नयी व्यवस्था में योग्य छोटे दुकानदारों (जिनमें स्ट्रीट वेंडर और आस-पास के दुकानदार शामिल हैं, जो दो दुकानदारों के बीच के भुगतान की श्रेणी के तहत यूपीआई क्यूआर कोड के ज़रिए हर महीने एक लाख रुपये तक प्राप्त करते हैं) को शून्य एमडीआर का लाभ मिलेगा है। इससे उन्हें भुगतान से जुड़े अतिरिक्त खर्चों से बचाने में मदद मिलेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत में 3 करोड़ से ज़्यादा माइक्रो यूनिट्स हैं जिन्हें यूपीआई लेनदेन के लिए कोई एमडीआर चार्ज नहीं देना होगा क्योंकि उनका मंथली टर्नओवर 1 लाख रुपये से कम है। एसोचैम अध्यक्ष ने कहा, यह फ्रेमवर्क यूपीआई की लगातार बढ़ोतरी में मदद करेगा और साथ ही इसकी पहुंच, इनोवेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मज़बूत करेगा।

शेयर बाजारों में लिवाली के बीच बैंकिंग सेक्टर के दबाव से सेंसेक्स 22 अंक टूटा

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को कुल मिलाकर तेजी रही, हालांकि बैंकिंग सेक्टर में बिकवाली से बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 22 अंक नीचे बंद हुआ। सेंसेक्स में आज दिन भर उतार-चढ़ाव रहा। यह करीब 154 अंक की गिरावट में 74,182.62 अंक पर खुला और बीच कारोबार में 74,163 अंक से 74,678 अंक के बीच रहा। अंत में गत दिवस की तुलना में 21.86 अंक (0.03 प्रतिशत) नीचे 74,314.59 अंक पर रहा। सेंसेक्स के विपरीत नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 53 अंक यानी 0.23 प्रतिशत चढ़कर 23,270.60 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजार में तेजी रही। निफ्टी-मिडकैप-50 सूचकांक 0.96 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.76 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। सेक्टर आधारित सूचकांकों में बैंकिंग और तेल एवं गैस को छोड़कर अन्य सभी समूहों में लिवाली का जोर रहा। निजी बैंकों में अधिक गिरावट रही। मीडिया, धातु, फार्मा, रियल्टी और स्वास्थ्य सेक्टरों में तेजी अधिक रही। एनएसई में जिन 3,651 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,262 कंपनियों के शेयर बढ़त में 1,279 के नुकसान में रहे। अन्य 110 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर हरे निशान में रहे। टाटा स्टील का शेयर 2.82 प्रतिशत चढ़ा। बीईएल में 2.38 प्रतिशत, इंडिगो में 2.32 और इटरनल में 2.24 प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी का शेयर 1.64 फीसदी, एशियन पेंट्स का 1.45, बजाज फिनसर्व का 1.24 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.03 प्रतिशत मजबूत हुआ।

ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, सन फार्मा, आईटीसी, अडानी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी ऊपर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.30 प्रतिशत, टाइटन का 1.14 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक का प्रतिशत टूट गया। भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनीलिवर में 0.38 प्रतिशत की गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.33 प्रतिशत मजबूत हुआ। हांगकांग के हैंग सेंग में 0.44 प्रतिशत और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.41 प्रतिशत की गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.55 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.52 प्रतिशत मजबूत बंद हुआ।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शुक्रवार 18 सितंबर 2026

पूरे बुंदेलखंड के विकास को नई गति देने में जुटी सरकार : मुख्यमंत्री

शून्य प्रतिशत ब्याज ऋण से किसानों को राहत, अब साल में एक ही बार चुकाना होगा कर्ज

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मना रही है। इसके तहत किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, आधुनिक कृषि यंत्र, ड्रोन तकनीक, सिंचाई सुविधाओं सहित कृषि विकास से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि खेती को लाभ का माध्यम बनाने के साथ किसान आय के अन्य स्त्रोतों को भी मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर सागर जिले के किसानों से वर्चुअली जुड़कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसान कल्याण वर्ष के तहत भगवान बलराम और अन्नदाताओं को समर्पित है। सागर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए सरकार कई महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड के लिए केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी सौगात है। करीब एक लाख करोड़ रुपये की इस योजना से सागर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़ और छतरपुर सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं बनेंगी। किसानों के हर खेत तक पानी पहुंचाने की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई देते हुए बुंदेलखंडवासियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सागर और बुंदेलखंड क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार काम कर रही है। क्षेत्र में धान, गेहूं और ज्वार के साथ नकदी फसलों का उत्पादन भी हो रहा है। कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना से किसानों को अपनी उपज के बेहतर मूल्य के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अब किसानों को वर्ष में एक बार ही ऋण चुकाना होगा। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक ऋण चुकाने से जुड़ी परेशानी को समाप्त किया गया है। सरकार किसानों के लिए करीब 800 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि आगामी फसल सीजन में किसानों को दिन के समय 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। किसानों की सिंचाई संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खाद को लेकर ई-टोकन की व्यवस्था की जा रही है, जिससे किसानों को खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए भी सरकार प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक को अपनाने से खेती में लगातार उन्नति हो रही है। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों और ड्रोन तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से उद्यानिकी और फल उत्पादन को भी अपनाने का आग्रह किया।

सागर के विकास हेतु सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान की आय केवल फसल तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। मछली पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देकर किसानों की अतिरिक्त आय बढ़ाने पर सरकार लगातार काम कर रही है। सरकार बनने के बाद सागर में आयुर्वेदिक कॉलेज और विश्वविद्यालय सहित विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी गई है। उन्होंने कहा कि सागर को विकास के नए आयामों तक ले जाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

राज्यपाल ने रक्तदान स्वास्थ्य शिविर का लोकभवन में किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान के तहत लोकभवन में आयोजित स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। शिविर के विभिन्न काउन्टरों पर जाकर परामर्श जाँच एवं परीक्षण व्यवस्थाओं की समीक्षा की। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपनी बोन मिनरल डेनसिटी (बी.एम.डी.) जांच कराकर शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दंत परीक्षण, फिजियोथेरेपी जाँच, बोन मिनरल डेनसिटी (बी.एम.डी.) जांच एवं निश्शुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं औषधि वितरण व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं को फलो की टोकरी भेंट कर, उनके सेवा संकल्प की सराहना की। रक्तदान करने आए छात्र-छात्राओं से चर्चा की। उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल ने प्रारंभ में लोक भवन में आयोजित निश्शुल्क परामर्श, जाँच और रक्तदान शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन गुरुवार को सुबह 10 बजे से एक बजे तक लोक भवन के सांदीपनि सभागार में किया गया था। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। शिविर में रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन श्याम सिंह कुमरे एवं जनरल सेक्रेटरी रामेंद्र सिंह सहित चिकित्सक, विशेषज्ञ एवं अन्य संबंधित जन उपस्थित रहे। लोक भवन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 370 आमजन शामिल हुए। रक्तदान के लिए 109 रक्तदाताओं ने पंजीयन कराया, जिनमें चिकित्सकीय परामर्श के बाद 77 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। दंत परीक्षण शिविर में 74 व्यक्तियों ने जांच कराई। उन्हें उपचार संबंधी परामर्श और आवश्यक औषधियां प्रदान की गई। बी.एम.डी. जाँच शिविर 125 आमजन ने जांच कराई। जांच में 77 आमजन की हड्डियों की स्थिति सामान्य पाई गई, जबकि 45 व्यक्तियों में हड्डियों की मामूली कमजोरी ऑस्टियोपेनिया तथा 3 व्यक्तियों में ऑस्टियोपोरोसिस पाया गया। सभी को चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक औषधियां प्रदान की गईं। फिजियोथेरेपी जाँच शिविर में 62 व्यक्तियों ने भाग लिया। उनकी फिजियोथेरेपी से संबंधित समस्याओं के संबंध में चिकित्सकों द्वारा आवश्यक परामर्श एवं व्यायाम बताए गए।

राज्यमंत्री लखन पटेल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की शिष्टाचार भेंट

दमोह (स्वतंत्र मत)

आनंद विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जिले से जुड़े सड़क एवं विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। राज्यमंत्री श्री पटेल ने हीरापुर से दमोह तक स्वीकृत एनएच-34 के निर्माण तथा दमोह बायपास के संबंध में केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से चर्चा की। साथ ही पथरिया विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों से जुड़े विषयों पर भी संवाद हुआ। श्री पटेल ने कहा कि श्री गडकरी का विकास के प्रति स्पष्ट विजन और नई सोच के साथ कार्य करने की शैली सदैव प्रेरणादायी है। उन्होंने जिले के विकास से जुड़े विषयों पर मिले सकारात्मक आश्वासन के लिए केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता अभियान को केवल प्रशासनिक गतिविधि तक सीमित न रखते हुए बच्चों और ग्रामीणों को भी सक्रिय रूप से सहभागी बनाया जाए : पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ की स्वच्छता गतिविधियों की समीक्षा

दमोह (स्वतंत्र मत)

पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने दमोह एनआईसी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रभारी अधिकारी स्वच्छ भारत मिशन, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन सहित ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकास एवं स्वच्छता गतिविधियों की समीक्षा की तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, बेहतर विभागीय समन्वय और निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री पटेल ने कहा आगामी एक माह को सेवा, स्वच्छता अभियान के रूप में प्रभावी ढंग से लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा प्रत्येक गांव और पंचायत को आदर्श रूप से स्वच्छ बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। पंचायत क्षेत्र में यदि कोई अस्वच्छ स्थान है तो उसे चिन्हित कर समाप्त किया जाए तथा नालियों की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए उन्होंने कहा स्वच्छता अभियान को केवल प्रशासनिक गतिविधि तक सीमित न रखते हुए बच्चों और ग्रामीणों को भी सक्रिय रूप से सहभागी बनाया जाए। स्कूलों के बच्चों को स्वच्छता के प्रति इस प्रकार जागरूक और प्रशिक्षित किया जाए कि वे स्वयं स्वच्छता के महत्व को समझें और समाज को भी प्रेरित करें।

मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों से पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर स्वच्छता को लेकर ठोस संकल्प लेने तथा आगामी एक माह में अपनी पंचायत को स्वच्छ बनाने की दिशा में परिणाम प्रदर्शित करने का आह्वान किया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल सभी अधिकारियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अधिकारी निर्धारित स्वच्छता लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करेंगे। इस अवसर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे खासतौर पर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से राज्यमंत्री श्री पटेल ने की भेंट

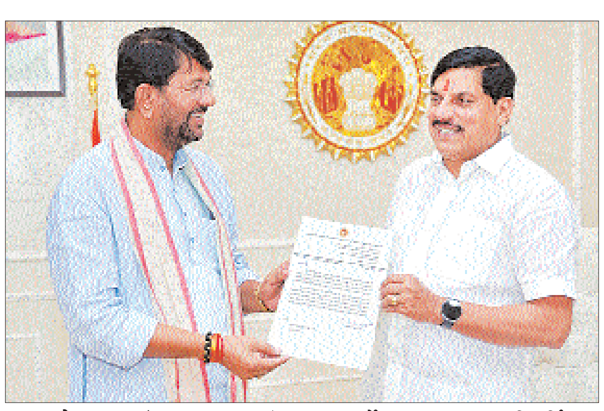

दमोह (स्वतंत्र मत)। आनंद विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने बताया पथरिया विधानसभा सहित दमोह जिले में अतिवृष्टि के कारण खरीफ की फसलों को क्षति पहुंची है। उन्होंने बताया इस संबंध में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराया। राज्यमंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आग्रह करते हुए कहा प्रभावित ग्रामों में राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम भेजकर फसल क्षति का सर्वे कराया जाएए क्षतिपूर्ति का आंकलन कर आरबीसी 6 (4) के अंतर्गत नियमानुसार राहत राशि प्रदान की जाए तथा फसल बीमा दावों का संबंधित अधिकारियों एवं बीमा कंपनी के माध्यम से समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ किसान भाइयों के साथ खड़ा है। प्रभावित अन्नदाताओं को उचित मुआवजा दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सीएम हेल्पलाइन बनी सहारा

दमोह (स्वतंत्र मत)। हटा सिविल अस्पताल अंतर्गत लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायत का प्रशासनिक हस्तक्षेप से संतोषजनक निराकरण किया गया। हटा निवासी लक्ष्मी पति अमित कांछी ने प्रसूति योजना की सहायता राशि प्राप्त नहीं होने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि हितग्राही का पंजीयन अनमोल पोर्टल पर किया गया था जिसके कारण योजना का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा था। प्रकरण में संबंधित एएनएम अर्चना विश्वकर्मा से स्पष्टीकरण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की गई। वरिष्ठ कार्यालय के निर्देश पर अर्चना विश्वकर्मा से 11,600 की राशि वसूल कर सिविल अस्पताल हटा के रोगी कल्याण समिति के बैंक खाते में जमा कराने के आदेश दिए गए। इसके बाद 10 सितंबर को हितग्राही लक्ष्मी को चेक के माध्यम से 11,600 की राशि का भुगतान किया गया। भुगतान के बाद हितग्राही की शिकायत का संतोषपूर्वक निराकरण कर सीएम हेल्पलाइन प्रकरण बंद कराया गया।

आंगनवाड़ी केंद्र एवं शक्ति फाउंडेशन ने आयोजित किया पोषण कार्यक्रम

दमोह (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग दमोह के मार्गदर्शन में ग्राम खजरी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण आहार, बाल संरक्षण एवं महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आंगनबाड़ी केंद्र एवं शक्ति फाउंडेशन एवं समग्र कल्याण समिति के संयुक्त सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों को पोषण आहार, स्वास्थ्य, बाल संरक्षण, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं के अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। महिलाओं को बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं विकास के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में बताया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष आकाश पटेल ने कहा कि बच्चों और महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए समाज में जागरूकता बेहद आवश्यक है। उन्होंने बाल संरक्षणए बाल विवाह की रोकथाम, पोषण, महिला अधिकार एवं महिलाओं के हितों से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और कानूनी प्रावधानों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और बेहतर पोषण मिलना चाहिए तथा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम में बाल विवाह, बाल श्रम, बच्चों के साथ हिंसा एवं शोषण की रोकथाम सहित बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही महिलाओं को घरेलू हिंसा, समानता, सम्मान, सुरक्षा एवं उपलब्ध सहायता तंत्र के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, पोषण एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समुदाय की सहभागिता से सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज का निर्माण करना रहा।

मंत्री श्री पटेल ने सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में किए दर्शन पूजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने गुरूवार को दमोह प्रवास के दौरान जनपद पंचायत पथरिया अंतर्गत ग्राम झागर पहुंचकर विशाल सरोवर के तट पर स्थित श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में भगवान गणेश की 18 भुजाओं वाली विलक्षण प्रतिमा के दर्शन एवं विधिवत पूजन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने मंदिर के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व की जानकारी साझा करते हुए बताया कि मंदिर परिसर से सम्राट अशोक के काल के शिलालेख तथा प्राचीन खंडित मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। स्थानीय मान्यता के अनुसार भारत भ्रमण के दौरान सम्राट अशोक ने इस स्थान पर पड़ाव डाला था। मंत्री श्री पटेल ने बताया वर्ष 1990 में ग्रामीणों द्वारा जनसहयोग एवं श्रमदान के माध्यम से मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। मंदिर क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत स्थानीय आस्था और जनभागीदारी का महत्वपूर्ण उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र से आए श्री गोपाल, मंत्री श्री पटेल की बेटी प्रतिज्ञा, सुशील गुप्ता, गोपाल पटेल, पुष्पेंद्र पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

लोककर्म विभाग

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mp tender.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रापत्र मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	PRO-573 DATE-16/09/2026 2026_UDA_535848_1	वार्ड क्र 76 के अंतर्गत इमलिया पिपरिया शासकीय स्कूल से मंगल पाण्डेय के घर तक इमलिया शमशान घाट के सामने एम 30 सी सी सड़क निर्माण कार्य।	03 माह रु.15.07 लाख	2000/- 11303/-	16.10.2026
2	PRO-573 DATE-16/09/2026 2026_UDA_535848_2	वार्ड क्र. 77 के अंतर्गत सुहागी कमनीय गेट के अंदर कचरा सवेदनशील स्थल पर पेवर ब्लाक लगाये जाने एवं शैलेश नेमा जी के घर से वैभव बर्तन दुकान तक एवं श्री शशी मोहन गंगारेट जी के घर के पास एम-30 सी सी सड़क निर्माण कार्य	03 माह रु.12.45 लाख	2000/- 9340/-	16.10.2026
3	PRO-573 DATE-16/09/2026 2026_UDA_535848_3	वार्ड क्र 72 के अंतर्गत लमती की आन्तरिक गलियों में, सीमेंटीकरण कार्य।	06 माह रु. 41. 69 लाख	5000/- 31268/-	16.10.2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संसोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की बेवसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोककर्म विभाग
नगर निगम जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन/ भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भूखण्ड कमांक 332 & 333 श्रीमती विद्यावती चौधरी पति श्री शिवपाल चौधरी को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 31.03.2011 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्रीमती विद्यावती चौधरी पति श्री शिवपाल चौधरी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 20.08.2026 के माध्यम से श्रीमती सुधा केवट पति श्री अशोक केवट को विक्रय किया है। श्रीमती सुधा केवट पति श्री अशोक केवट द्वारा उक्त भूखण्ड अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जिला-जबलपुर
क्रमांक/ 1499/अ-6/2026-27 जबलपुर, दिनांक 16.9.26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम सगड़ा प.ह.न. तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक मदन लाल विश्वकर्मा पिता रामलाल विश्वकर्मा जाति निवासी सगड़ा जबलपुर के द्वारा ग्राम सगड़ा नं बं. प.ह.नं. 7 रा.नि.म. पुरवा तहसील गोरखपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 6/1,7/1 रकवा 550 वर्गफुट हेक्टेयर पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक A1/1430 दिनांक 1/8/2013 के माध्यम से क्रय कर राजस्व अभिलेखों में नामांतरण हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज पेशी दिनांक 23.09.2026 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

यह इश्तहार न्यायालत की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक -16.09.2026 को जारी

पेशी दिनांक - 23.09.2026

तहसीलदार
गोरखपुर, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित हाथीताल कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक टी-07श्री एम.पी.साहू पिता स्व.श्री मूलचंद साहू को आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 12.05.2000 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री एम.पी. साहू पिता स्व.श्री मूलचंद साहू का निधन दिनांक 08.10.2023 को हो गया है। उनकी पत्नि श्रीमती अभिलाषा साहू पति स्व. श्री महेश साहू के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र स्वयं का शपथ पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन/दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है। यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

शपथ पत्र

मैं अशोक सिंह राजपूत पिता- प्रहलाद सिंह उम्र 41वर्ष पता- ग्राम तिवारी खेड़ा, तह. पनागर, जिला-जबलपुर का शपथपूर्वक कथन करता हूँ किः-

1. यह कि मेरी पुत्री का सही नाम कनिष्का सिंह राजपूत (KANISHKA SINGH RAJPUT) है, जो आपके विद्यालय में कक्षा 10 वीं में अध्यनरत हैं। 2. यह कि आपके स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम कनिष्का राजपूत (KANISHKA RAJPOOT) भूलवश दर्ज हो गया हैं। जिसमें मध्य नाम नहीं हैं एवं जाति की स्पेलिंग में त्रुटि हैं। 3. यह कि मेरी पुत्री का सही नाम कनिष्का सिंह राजपूत (KANISHKA SINGH RAJPUT) हैं, जो कि उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में दर्ज हैं। 4. यह कि उक्त दोनों नाम KANISHKA SINGH RAJPUT व KANISHKA RAJPOOT मेरी एक ही पुत्री के दर्ज हैं, दो अलग अलग बच्चों के नहीं हैं, अतः उक्त दोनों नामो को मेरी पुत्री के ही नाम पढ़े, माने व समझे जाये जो कि सही व सत्य हैं। यदि उक्त कथन में कोई त्रुटि पायी जाती हैं तो इसका जिम्मेदार मैं स्वयं रहूँगा। 5. अतः आपके स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम कनिष्का राजपूत (KANISHKA RAJPOOT) से सुधारकर सही नाम कनिष्का सिंह राजपूत (KANISHKA SINGH RAJPUT) दर्ज कर दिया जाये, एवं हमारी जाति की सही स्पेलिंग RAJPUT दर्ज कर दी जाये. जिसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी। 6. अतः मेरी पुत्री के नाम के नाम सत्यापन /सुधार हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत हैं।

दिनांक- 15 SEP 2026
पनागर/जबलपुर

शपथकर्ता
अशोक सिंह

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शहपुरा (भिटोनी) जिला-जबलपुर (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. /0039/अपील/2026-27
रा.प्र.क्र. /0040/अपील/2026-27
रा.प्र.क्र. /0041/अपील/2026-27
ग्राम- सकरी.प.ह.नं. 71
रा.नि.मं. चरगंवा

आम इश्तहार

एतद् द्वारा जनता ग्राम सकरी प.ह.नं. 71, रा.नि.मं. चरगवां को तहसील शहपुरा जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी श्रीमति मंजु गुप्ता पत्नि श्री ओम प्रकाश गुप्ता निवासी 102 शीतलपुरी उखरी रोड, जबलपुर, श्रीमती अरुणा गुप्ता पत्नी श्री पंकज गुप्ता निवासी टैगोर कॉलोनी पोलीपाथर, जबलपुर एवं श्रीमती नीता गुप्ता पत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता निवासी विजय नगर जबलपुर द्वारा अधिनस्त नायब तहसीलदार वृत्त-चरगवां तहसील शहपुरा भिटोनी के आदेश दिनांक 08.04.2026 से परिवेदित होकर यह अपील मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के तहत प्रस्तुत की है। उक्त प्रकरण में उत्तरदायी श्री अरुण श्रीवास्तव पिता महेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव निवासी 401, वर्तिका अपार्टमेंट राईट टाउन, जबलपुर को नोटिस अमद तामीली प्राप्त हुए हैं। अतः आम इश्तहार के माध्यम से उत्तरावादी को सूचित किया जाता है कि पेशी दिनांक 22.09.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अनुपस्थित होने की दशा में बिना सुने उक्त प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। जिसके जवाबदार आप स्वयं होंगे।

आज दिनांक 02.09.2026 को मेरे न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

पेशी दिनांक 22.09.2026

(मदन सिंह रघुवंशी)
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
शहपुरा (भिटोनी) जिला जबलपुर (म.प्र.)

सील

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सफाई के प्रति किया जागरूक

जबलपुर रेल मंडल में चलाया गया अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर रेल मंडल में गुरूवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत मंडल के विभिन्न कार्यालयों एवं स्टेशनों सहित रेलवे के विभिन्न डिपो तथा सभी विभागों में स्वच्छता एवं जनजागरूकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जबलपुर रेल मंडल के जबलपुर स्टेशन पर यात्रियों एवं आमजन के बीच स्वच्छता संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जबलपुर रेल मंडल की संस्कृत अकादमी के कलाकारों ने प्रभावी एवं रोचक प्रस्तुति के माध्यम से स्वच्छता के महत्व और स्वच्छ रेल परिसर के प्रति नागरिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

रक्त शिविर का आयोजन कर किया सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में, क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह ठाकुर की उपस्थिति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी के मार्गदर्शन एबं सीबीएमओ डॉ सीके अतरौलिया के निर्देशन में विकासखंड के अन्य प्रशासनिक अधिकारियों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से (जिला चिकि. विक्टोरिया ब्लड बैंक की टीम द्वारा) कुल 40 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में सीडीपीओ सदाफल, डॉ पम्मी भदोरिया आदि उपस्थित रहे।

सिर्फ तारीख पर तारीख मांगते रहेंगे या लागू भी करेंगे मास्टर प्लान

मप्र हाईकोर्ट ने अपनाया सख्त रुख, टीएनसीपी संचालक ने मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर का नया मास्टर प्लान लागू करने में हो रही देरी पर सख्त रुख अपनाया है। दरअसल न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के संचालक से शपथपत्र पर जवाब मांगा है। कोर्ट ने दो सप्ताह में स्पष्ट रूप से बताने को कहा है कि जबलपुर का मास्टर प्लान कब तक लागू होगा। सुनवाई के दौरान मप्र हाईकोर्ट ने अधिकारियों से पूछा कि मास्टर प्लान लागू करेंगे या सिर्फ तारीख पर तारीख मांगते रहेंगे। मामला वर्ष 2021 के बाद से जबलपुर का नया मास्टर प्लान लागू नहीं होने को चुनौती देने से जुड़ा है। याचिकाकर्ता क्रेडाई जबलपुर बिल्डर्स एसोसिएशन के दीपक अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा।

8 माह बीतने पर भी नहीं पूरी हुई प्रक्रिया

बताया गया कि 31 जनवरी 2026 को टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने हाईकोर्ट में जवाब प्रस्तुत कर नया मास्टर प्लान जल्द लागू करने की बात कही थी। इसके बावजूद करीब 8 माह बीतने के बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। इस पर मप्र हाईकोर्ट ने अधिकारियों से अब निश्चित समय-सीमा बताने को कहा है। अगली सुनवाई में दोनों अधिकारियों को शपथपत्र पर यह स्पष्ट करना होगा कि मास्टर प्लान कब और किस प्रक्रिया के तहत लागू किया जाएगा।

राज्य सरकार का आरोप, जांच में सहयोग नहीं कर रहीं नेहा पच्चीसिया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हत्या के आरोपित को बचाने का झांसा देकर एक करोड़ रुपये की जमीन हड़पने के मामले में निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया की याचिका पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल सरकार ने कहा कि नेहा जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं और विदेश जाने की तैयारी में हैं। इसी के चलते उनके विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर जारी करने की कार्रवाई की जा रही है। राज्य शासन ने सहआरोपितों से मिलीभगत का आरोप भी लगाया। हाई कोर्ट ने फिलहाल नेहा को कोई अंतरिम राहत नहीं दी है और राज्य से विस्तृत जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकलपीठ में राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता एचएस रूपराह ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि नेहा की अग्रिम जमानत अर्जी अधीनस्थ अदालत पहले ही खारिज कर चुकी है। राज्य की ओर से इन परिस्थितियों में गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिए जाने का विरोध किया गया। कोर्ट के पूछने पर उन्होंने बताया कि उनके पास तीसरे प्रतिवादी की ओर से कोई वकालतनामा नहीं है। इस पर कोर्ट ने उन्हें भविष्य में अधिक सतर्क रहने की हिदायत दी और कहा कि किसी पक्ष की ओर से दलील शुरू करने से पहले अदालत की अनुमति लेना आवश्यक है। कोर्ट ने राज्य को अगली सुनवाई से पहले विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

खस्ताहाल सड़कों के विरोध में नगर निगम 'नंबर-1' की ट्रॉफी प्रदान करने पहुंची युवा कांग्रेस

महापौर का मुखौटा पहन ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान कर किया गया सांकेतिक सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर की जर्जर, टूटी एवं खस्ताहाल सड़कों की स्थिति को लेकर मप्र युवा कांग्रेस द्वारा गुरुवार को नगर निगम के खिलाफ अनोखे और व्यंग्यात्मक अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान नगर निगम जबलपुर को मप्र में खस्ताहाल सड़कों के लिए प्रथम स्थान की प्रतीकात्मक ट्रॉफी एवं सम्मान पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिवद्वय सागर शुक्ला एवं अदनान अंसारी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस ने काफी देर महापौर कार्यकाल के बाहर बैठ कर नारेबाजी की जब कोई भी अधिकारी कर्मचारी सम्मान पत्र एवं ट्रॉफी ग्रहण करने के लिए नगर निगम की ओर आगे नहीं आया तो कार्यकर्ताओं के द्वारा महापौर का मुखौटा पहनाकर प्रतीकात्मक रूप से ट्रॉफी एवं सम्मान पत्र सौंपा गया। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शहर की अनेक प्रमुख सड़कों से लेकर गली-मोहल्लों तक सड़कें गड्ढों, उखड़े डामर और बिखरी गिट्टी की समस्या से जूझ रही हैं। हाल के दिनों में जबलपुर की जर्जर सड़कों और उनसे जुड़ी दुर्घटना की आशंकाओं को लेकरमीडिया के माध्यम से रिपोर्टें सामने आई हैं। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने कहा कि जबलपुर की सड़कों की स्थिति को लेकर लगातार शिकायतें और विरोध सामने आ रहे हैं। कुछ दिन पहले भी बदहाल सड़कों को लेकर कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन किया गया था। शहर में सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों की गुणवत्ता, उनकी निगरानी और समयबद्धता पर गंभीरता से काम किए जाने की जरूरत है। कार्यक्रम में सागर शुक्ला, अदनान अंसारी, रिजवान अली कोटी, सोनू कुकरेल बादल पंजवानी, प्रियंका केशरवानी आदि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेअसर है लाभार्थियों को दी जाने वाली जेनरिक मेडिसिन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की मासिक सलाहकार समिति की बैठक में लाभार्थियों की सुविधाओं, चिकित्सा व्यवस्था तथा दवा उपलब्धता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर 1 डिस्पेंसरी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय चौहान से विस्तृत चर्चा की गई। जिसमे पिछली मीटिंग के मुद्दों की समीक्षा और समाधन से अवगत कराया गया। बैठक में विभिन्न संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधि कृपा शंकर शर्मा, गुरमुख दास आदि ने कहा कि लाभर्थियों को दी जा रही जेनरिक मेडिसिन बेअसर है। उन्होंने असर हीन दवाओं की बढ़ती आशंकाओं को देखते हुए दवाओं के प्रमाणीकरण एवं गुणवत्ता की नियमित जांच पर विशेष जोर दिया, ताकि मरीजों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण औषधियां मिल सकें। बैठक में अधिकृत अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लिखी ब्रांड की दवाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया गया।

हाथ लगाने पर उखड़ रही सड़क घटिया निर्माण पर ग्रामीणों में आक्रोश

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा तहसील अंतर्गत गोसलपुर के समीप एन. एच 30 बरनू तिराहा से पौंडी अगरिया सड़क का निमार्ण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई जा रही है। जिसे लेकर भारी अनियमितता और लापरवाही का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है की ठेकेदार और संबंधित विभाग की मिलीभगत से सड़क निर्माण में बेहद घटिया स्तर की सामग्री (मटेरियल) का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे सड़क बनने के साथ ही टूटने की कगार पर पहुंच गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने सिहोरा विधायक संतोष वरकडे से उक्त समस्या को अवगत कराया जिस पर विधायक ने तत्काल प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की महाप्रबंधक श्रद्धा भार्गव को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। क्षेत्रीय जनों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया की सड़क के सुदृढ़ीकरण और डामरीकरण के कार्य में तय मानकों का पालन बिल्कुल नहीं किया जा रहा है। निर्माण में इस्तेमाल हो रही गिट्टी डस्ट और डामर की मात्रा इतनी कम और खराब स्तर की है की हाथ लगाने मात्र से ही सड़क उखड़ने लगी है। शासन द्वारा लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क कुछ ही महीनों में पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही इस घटिया निर्माण कार्य को रोककर इसकी उच्च स्तरीय तकनीकी जांच नहीं की गई और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जिला मुख्यालय पर उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हुए वरिष्ठ पत्रकार प्रेम पगारे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पत्रकारों से जुड़े देश के प्रतिष्ठित संगठन सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय मीडिया संवाद एवं अलंकरण समारोह के भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश के चुनिंदा वरिष्ठ पत्रकारों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। आयोजन की इस कड़ी में स्वतंत्र मत के वरिष्ठ संवादाता प्रेम पगारे को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड की परिकल्पना लेकर यह सम्मान समारोह शायद अपनी तरह का पहला आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व गवर्नर कप्तान सिंह सोलंकी की उपस्थिति में पत्रकारों को सम्मानित किया। कुशाभाउ ठाकरे सभागार मिंटो हॉल में आयोजित कार्यक्र म में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, समाजवादी नेता रघु ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

डुमना नेचर पार्क में बह रहा था ट्रिपल आईटीडीएम का गंदा पानी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर और प्रमुख वन्यजीव आश्रय स्थल 'डुमना नेचर पार्क' की जैव विविधता व पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में नगर निगम प्रशासन ने त्वरित और प्रभावी कार्यवाही की है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान परिसर से डूमना नेचर पार्क क्षेत्र में पानी बहने की शिकायत मिलते ही नगर निगम की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया और कार्यवाही की गई। इस दौरान संस्था के ऊपर 1 लाख रुपए का अर्थ दंड भी लगाया गया।

एक लाख से अधिक दीपों से जगमगाया मां नर्मदा तट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रेरणादायी यात्रा है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से उनके जन्मदिवस को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, जनकल्याण, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। यह बात मंत्री राकेश सिंह ने ग्वारीघाट में आयोजित आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम में कहीं। कार्यक्रम के दौरान मां नर्मदा के तट पर 1 लाख 11 हजार दीप प्रज्वलित किये गए। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, विधायक अशोक रोहाणी, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज आदि उपस्थित रहे।

न्याय, संविधान और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझने का माध्यम विधि का अध्ययन

स्व. संत कुमार तिवारी के जन्मोत्सव पर हितकारिणी लॉ कॉलेज में विधि व्याख्यान माला का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी लॉ कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष स्व. संत कुमार तिवारी के जन्मोत्सव के अवसर पर हितकारिणी लॉ कॉलेज में विधि व्याख्यान माला का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता हितकारिणी लॉ कॉलेज के चेयरमैन अधिवक्ता अशोक गुप्ता ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक जॉली जैन द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा स्वर्गीय संत कुमार तिवारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकास सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में स्व संत कुमार तिवारी के व्यक्तित्व एवं हितकारिणी लॉ कॉलेज के विकास में उनके योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि स्व. संत कुमार तिवारी शिक्षा एवं विधि के क्षेत्र के प्रति अत्यंत समर्पित व्यक्तित्व थे। उनके आदर्श, अनुशासन एवं शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता आज भी महाविद्यालय के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को विधि के अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक एवं नैतिक दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों को किया प्रेरित

मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा ने विधि विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधि का अध्ययन केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह न्याय, संविधान एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को विधि के मूल सिद्धांतों का गहन अध्ययन करने, न्यायिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझने तथा भविष्य में अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

आदर्शों और मूल्यों को आगे बढ़ाना ही सच्चा सम्मान

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिवक्ता अशोक गुप्ता, चेयरमैन, हितकारिणी लॉ कॉलेज ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में स्व संत कुमार तिवारी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके आदर्शों और मूल्यों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्चा सम्मान है। कार्यक्रम में स्व संत कुमार तिवारी के परिवार के सदस्य डॉ शैलेन्द्र कुमार तिवारी ने स्व संत कुमार तिवारी के जीवन, व्यक्तित्व एवं सामाजिक योगदान से संबंधित महत्वपूर्ण संस्मरण साझा किए। उन्होंने उनके जीवन मूल्यों, समाज के प्रति समर्पण एवं विधि शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण मोनिका सिंह, राजेश सेन, अभिनव सिंह ठाकुर, अभिषेक नेमा, यामिनी मिश्रा, स्वाती यादव, प्रशांत वर्मा, अश्विनी दोशी, उर्वशी, मीना बेन, शैली गुप्ता, देवेन्द्र पांडे, नवीन जैन, सुधांशु जैन, रामबाबू एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेजों को निजी हाथों में सौंपना जन विरोधी निर्णय : कांग्रेस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) कमेटी टीकाराम कोष्टा ने कहा कि जबलपुर मेडिकल कॉलेज को 2 टुकड़ों में विभाजित करने के बाद प्रदेश सरकार ने 9 मेडिकल कॉलेजों को निजी हाथों में सौपना इलाज को महंगा करना होगा। पूर्व की सरकारें सभी लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य को उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध रही इसी उद्देश्य से सरकारी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया गया। देश के हर बच्चे को अच्छी स्वास्थ्य शिक्षा मिल सके। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों का निर्माण कराया गया ।आज की सरकार उसमें सुधार करने की बजाय सभी को निजी हाथों में सौंप कर अपने उत्तरदायित्व से मुक्त होना चाहती है । इस दौरान प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी, विजय अग्रवाल, रामदास यादव सरकार से मांग की है कि सरकार जनहित में मेडिकल कॉलेज को निजी हाथों में ना सौपें।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**